श्री कृष्ण जन्माष्टमी

Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi

Ranchi ● Monday, 26 August 2024 ● Year : 02 ● Issue : 218 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 6,865 |
| चांदी | : | 93.00 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### बांग्लादेश की पाक पर 10 विकेट से ऐतिहासिक जीत

**RAWALPINDI :** रावलपिंडी, 25 अगस्त (एपी) बांग्लादेश ने स्वदेश में राजनीतिक अशांति के बीच रविवार को यहां पाकिस्तान को पहले टेस्ट क्रिकेट मैच में 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर इतिहास रचा। पाकिस्तान की टीम अपनी दूसरी पारी में 146 रन पर ढेर हो गई और इस तरह से उसने बांग्लादेश के सामने 30 रन का लक्ष्य रखा। बांग्लादेश ने पांचवें दिन चाय के विश्राम से पहले ही केवल 6.3 ओवर में बिना किसी नुकसान के लक्ष्य हासिल करके पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज जाकिर हसन 15 और शादमान इस्लाम नौ बनाकर नाबाद रहे।

### नेकां-कांग्रेस के खिलाफ प्रत्याशी नहीं उतारे पीडीपी : उमर

**GANDERBAL :** नेशनल कांफ्रेंस (नेकां) के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने रविवार को दावा किया कि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) ने उनकी पार्टी के घोषणापत्र की नकल की है और जम्मू कश्मीर की बेहतरी के लिए नेकां-कांग्रेस उम्मीदवारों के खिलाफ महबूबा मुफ्ती-नीत पार्टी से प्रत्याशी नहीं उतारने को कहा। अब्दुल्ला की यह टिप्पणी महबूबा द्वारा यह कहे जाने के एक दिन बाद आई है कि कांग्रेस-नेकां गठबंधन को पीडीपी पूर्ण समर्थन देगी और यदि यह गठबंधन उनकी पार्टी (पीडीपी) के एजेंडे को स्वीकार करता है तो वह चुनाव में सभी सीट इसके लिए छोड़ देंगी। पूर्व मुख्यमंत्री मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में नेकां कार्यकर्ताओं को संबोधित कर रहे थे।

### पाकिस्तान में दो अलग-अलग बस दुर्घटना में 37 की मौत

**ISLAMABAD :** पाकिस्तान में रविवार को हुई दो अलग-अलग बस दुर्घटनाओं में 11 श्रद्धालुओं सहित कम से कम 37 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हो गए। पाकिस्तान में पहली दुर्घटना उस वक्त हुई जब ईरान से 70 शिया जायरीन को लेकर आ रही बस बलूचिस्तान प्रांत में मकरान तटीय राजमार्ग से रास्ता भटक गई थी। इस हादसे में भी 11 लोगों की मौत हो गई, जबकि 35 श्रद्धालु घायल हो गए हैं। दूसरी दुर्घटना उस दौरान हुई जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में 35 लोगों को ले जा रही एक बस खाई में गिर गई थी। इस हादसे में 26 लोगों की मौत हो गई।

### तमिलनाडु : पटाखा फैक्टरी में विस्फोट दो लोगों की मौत

**DINDIGUL :** तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले में रविवार को एक पटाखा बनाने वाली फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना नाथम के पास हुई। उसने बताया कि घटना के बाद से फैक्ट्री का मालिक फरार है। पुलिस के अनुसार, मृतकों की अभी पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल राहत व बचाव कार्य जारी है। हादसे के कारणों की पड़ताल की जा रही है।

## महिलाओं और युवाओं को लेकर मोदी ने कही 'मन की बात'

# पीएम तक पहुंची देश की आवाज

कोलकाता और महाराष्ट्र में दुष्कर्म की घटनाओं को लेकर देश उबल रहा है। जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। जनता मांग कर रही है कि जघन्य अपराध के दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। जनता की यह आवाज शायद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तक पहुंच गई है। रविवार को दो अलग-अलग कार्यक्रमों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महिलाओं और युवाओं को लेकर अपने मन की बात कही। महाराष्ट्र में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने जहां महिलाओं के खिलाफ हो रही हिंसा पर सख्त नाराजगी व्यक्त की। वहीं अपने नियमित संबोधित 'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं से राजनीति में आने का आह्वान किया। कहा कि इससे विकसित भारत का सपना साकार हो सकेगा।

## महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य पाप, दोषियों को बख्शा न जाए : मोदी

**JALGAON (BHASHA)**

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को महिलाओं के खिलाफ अपराध को 'अक्षम्य पाप' करार दिया और कहा कि दोषियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। मोदी की यह कड़ी टिप्पणी कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ बलात्कार और उसकी हत्या तथा मुंबई के पास बदलापुर में दो स्कूली बच्चियों के यौन शोषण के खिलाफ विरोध-प्रदर्शनों के बाद आई है। उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव में 'लखपति दीदी सम्मेलन' को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'माताओं, बहनों और बेटियों की सुरक्षा देश की प्राथमिकता है। मैंने लाल किले से बार-बार इस मुद्दे को उठाया है। देश का कोई भी राज्य हो, मैं अपनी बहनों और बेटियों का दर्द और गुस्सा समझता हूं।'



कार्यक्रम में शामिल होने महाराष्ट्र पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ● पीटीआई

मोदी ने कहा कि वह हर राजनीतिक दल और राज्य सरकार से कहेंगे कि महिलाओं के खिलाफ अपराध एक अक्षम्य पाप है। उन्होंने कहा कि जो भी दोषी है, उसे बख्शा नहीं जाना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा, 'महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वालों के मददगारों को भी बख्शा नहीं जाना चाहिए। चाहे अस्पताल हो, स्कूल हो, सरकार हो या पुलिस थाना हो, जिस भी स्तर पर लापरवाही हुई हो, सभी को जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'संदेश ऊपर से नीचे तक जाना चाहिए। यह पाप अक्षम्य है। सरकारें आएंगी और जाएंगी, लेकिन समाज और सरकार दोनों के तौर पर महिलाओं के जीवन व सम्मान की रक्षा करना हम सबकी जिम्मेदारी है।' उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में महिलाओं के लिए जो काम किया है, उतना आजादी के बाद से किसी भी पूर्ववर्ती सरकार ने नहीं किया। मोदी ने उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव में 'लखपति दीदी' रैली को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार महिलाओं के खिलाफ अपराधों के लिए कड़ी सजा का प्रावधान करने के वास्ते कानूनों को मजबूत कर रही है। उन्होंने कहा, 'वर्ष 2014 तक महिला स्वयं सहायता समूहों को 25,000 करोड़ रुपये से कम ऋण दिए गए थे, लेकिन पिछले 10 वर्षों में नौ लाख करोड़ रुपये (के ऋण) दिए गए हैं।' जलगांव में 'लखपति दीदी' से बातचीत करते हुए मोदी ने 2,500 करोड़ रुपये की निधि जारी की।

## बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं से राजनीति में आने का किया आह्वान

**NEW DELHI (BHASHA) :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि सामूहिक प्रयासों से बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले युवाओं को राजनीति में आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिये स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जिस तरह की भावना लोगों ने दिखाई थी 'विकसित भारत' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उसे फिर से दिखाने की जरूरत है। मोदी ने अपने मासिक 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम में कहा कि उनकी ओर से स्वतंत्रता दिवस पर बिना किसी राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं के राजनीति में शामिल होने के आह्वान पर व्यापक प्रतिक्रिया मिली है और कुछ युवाओं ने कहा है कि वंशवाद की राजनीति नयी प्रतिभा को दबा देती है। उन्होंने कहा, 'इस साल मैंने लाल किले से बिना राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले एक लाख युवाओं को राजनीतिक व्यवस्था से जोड़ने का आह्वान किया है। मेरी इस बात पर जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इससे पता चलता है कि कितनी बड़ी संख्या में हमारे युवा, राजनीति में आने को तैयार बैठे हैं।' प्रधानमंत्री ने कहा कि इन युवाओं को बस सही मौके और सही मार्गदर्शन की तलाश है।

### पीएम ने फिर किया 'सेक्युलर सिविल कोड' का जिक्र

राजस्थान हाईकोर्ट की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर रविवार को जोधपुर हाईकोर्ट में प्लेटिनम जुबली समारोह आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसमें मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। पीएम मोदी ने राजस्थान हाईकोर्ट म्यूजियम का उद्घाटन भी किया। उन्होंने समारोह को संबोधित करते हुए आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता लागू करने, आर्टिकल 370, सीएए को समाप्त करने के लिए सरकार की तरफ से किए गए कामों का जिक्र किया। प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों लाल किले से जिस 'सेक्युलर सिविल कोड' का जिक्र किया था, उसे आज इस कार्यक्रम में फिर दोहराया। मोदी बोलेंमैंने 15 अगस्त को लाल किले से 'सेक्युलर सिविल कोड' की बात की। इस मुद्दे पर भले ही कोई सरकार पहली बार इतनी मुखर हुई हो, लेकिन हमारी ज्यूडिशरी दशकों से इसकी वकालत करती आई है।

### आज आ रहे तारणहार...

देशभर में कृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी। सनातन धर्म में ऐसी मान्यता है कि जगत के तारणहार भगवान श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद माह के कृष्णपक्ष की अष्टमी तिथि को हुआ था। मथुरा-वृंदावन सहित पूरे देशभर में समारोह की तैयारियां रविवार को अंतिम चरण में पहुंच गईं। बेंगलुरु में बच्चे कृष्ण के वेश में सजे नजर आए। फोटो-पीटीआई

**कोलकाता बलात्कार-हत्या मामला**

## जेल में किया जा रहा मुख्य आरोपी का पॉलीग्राफ टेस्ट

घटना के विरोध में सड़कों पर उतरे लोग ● पीटीआई

**NEW DELHI (BHASHA) :** आरजी कर मेडिकल कॉलेज में प्रशिक्षु चिकित्सक के साथ कथित बलात्कार और हत्या मामले में मुख्य आरोपी संजय रॉय का 'पॉलीग्राफ टेस्ट' कोलकाता की प्रेसीडेंसी जेल में किया जा रहा है जहां वह बंद है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि कोलकाता में सीबीआई के कार्यालय में दो ओर लोगों का पॉलीग्राफ टेस्ट किया जाएगा। शनिवार को मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष समेत चार लोगों का टेस्ट हुआ।

### सीबीआई ने पूर्व प्राचार्य के परिसरों पर मारे छापे

**NEW DELHI :** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के कार्यकाल के दौरान संस्थान में हुई कथित वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में कोलकाता स्थित उनके परिसरों पर रविवार को छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय जांच एजेंसी आरोपी और उनके सहयोगियों के ठिकानों सहित कोलकाता में 14 अन्य स्थानों पर भी छापे मार रही है।

## कांग्रेस का केंद्र पर हमला, कहा- यूपीएस में 'यू' का मतलब 'यू-टर्न'

### एकीकृत पेंशन योजना को लेकर किया कटाक्ष

**NEW DELHI (BHASHA) :** कांग्रेस ने रविवार को एकीकृत पेंशन योजना की घोषणा को लेकर केंद्र पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) में 'यू' का मतलब मोदी सरकार का 'यू-टर्न' है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि यूपीएस दलितों, आदिवासियों और पिछड़े वर्गों पर हमला प्रतीत होता है। कांग्रेस का यह कटाक्ष ऐसे समय में आया है जब एक दिन पहले ही केंद्रीय मंत्रिमंडल ने राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत एक जनवरी 2004 के बाद सेवा में शामिल होने वालों के लिए 25 साल की सेवा पर अंतिम



मल्लिकार्जुन खड़गे (फाइल फोटो)

12 महीने के औसत मूल वेतन के 50 प्रतिशत के बराबर पेंशन की गारंटी को मंजूरी दी थी। नई पेंशन योजना न्यूनतम 10 साल की सेवा पर कम से कम 10 हजार रुपये पेंशन देने की गारंटी देती है। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनावों से पहले सरकारी कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों को पूरा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को मंजूरी दी गई, जो गारंटीकृत पेंशन का आश्वासन देती है। सरकार पर कटाक्ष करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'यूपीएस में 'यू' का मतलब मोदी सरकार का 'यू-टर्न' है। चार जून के बाद जनता की शक्ति प्रधानमंत्री के सत्ता के अहंकार पर हावी हो गई है।' खरगे ने कहा, 'दीर्घ अवधि के पूंजीगत लाभ/सूचकांककरण के बारे में बजट में कदम वापस लिया गया।

### फिल्म 'स्त्री-2' ने दुनिया भर में की 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई

**NEW DELHI :** हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' ने दुनिया भर में 500 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर ली है। फिल्म के निमार्ताओं ने रविवार को यह जानकारी दी। फिल्म 'स्त्री 2' में अभिनेता राजकुमार राव और अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने अहम किरदार निभाया है। अमर कौशिक द्वारा निर्देशित और मैडॉक फिल्म्स के दिनेश विजान द्वारा बनाई गई फिल्म 'स्त्री-2' 2018 में रिलीज हुई फिल्म 'स्त्री' का सीक्वल है। प्रोडक्शन बैनर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में फिल्म 'स्त्री 2' की दुनिया भर में कमाई के नए आंकड़ों को साझा किया। पोस्ट में लिखा गया है, " फिल्म 'स्त्री 2' ने इतिहास में अब तक के सबसे शानदार और उच्चतम दूसरे शनिवार के साथ रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। आपके निरंतर प्यार और समर्थन के लिए धन्यवाद।

## प्रशांत किशोर का एलान, बोले- 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगी पार्टी

### आगामी 2 अक्टूबर को नए दल की होगी घोषणा

**PATNA :** जनसुराज पदयात्रा की शुरूआत करने वाली चुनावी रणनीति कर प्रशांत किशोर ने बड़ा एलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि दो अक्टूबर को पार्टी बन रही जनसुराज 2025 में बिहार विधानसभा चुनाव लड़ेगी। पीके के कहा कि 2025 में जनसुराज 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और कम से कम 40 महिला उम्मीदवारों को नामांकित किया जाएगा। हमने यह भी कहा है कि 2030 में जन सुराज 70-80 महिलाओं को नेता बनाया जाएगा। यह बातें प्रशांत किशोर ने रविवार दोपहर पत्रकारों से से बातचीत के दौरान कही।

कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे प्रशांत किशोर ● फोटोन न्यूज

**महिलाओं को नेता बनाने का प्रयास :** महिला प्रकोष्ठ की बैठक के सवाल पर प्रशांत किशोर ने कहा कि यह महिला प्रकोष्ठ की बैठक नहीं थी। यह सही मायने में महिलाओं को नेता बनाने का प्रयास था। जब तक महिलाओं को आर्थिक आजादी नहीं मिलेगी तब तक उनकी बराबरी की भागीदारी संभव नहीं है।

**आरटीआई** वर्ष 2019 से अब तक 18,179 बच्चे गोद लिए गए, 1,404 विशेष आवश्यकता वाले

# देश में दो साल से कम उम्र के केवल 25 स्वस्थ बच्चे उपलब्ध

**NEW DELHI (BHASHA) :** वर्ष 2019 से अब तक दर्ज किए गए गोद लेने के 18,179 मामलों में से केवल 1,404 विशेष आवश्यकता वाले बच्चे शामिल थे, जबकि अगले पांच वर्षों में गोद लेने के मामलों की कुल संख्या में वृद्धि देखी गई । यह जानकारी आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक है।

कार्यकताओं ने बताया कि यद्यपि गोद लेने के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की संख्या में वृद्धि हुई है फिर भी गोद लेने की दर अब भी काफी कम है।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शारीरिक, विकासात्मक, व्यवहारिक या भावनात्मक चुनौतियों के कारण अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता होती है। केंद्रीय दत्तक-शास्त्र संसाधन प्राधिकरण (सीएआरए) ने 'पीटीआई भाषा' द्वारा दायर एक आरटीआई प्रश्न के जवाब में कहा कि 2019-20 में भारत में कुल 3,745 गोद लिए गए जिनमें 3,351 देश में और 394 अंतरराष्ट्रीय थे। कुल संख्या में से विशेष जरूरतों वाले केवल 56 लड़कों और 110 लड़कियों को गोद लिया गया।

वर्ष 2020-21 में कुल 3,559 गोद लिए गए जिनमें 3,142 देश के अंदर और 417 अंतरदेशीय शामिल हैं। इस वर्ष केवल विशेष जरूरत वाले 110 लड़कों और 133 लड़कियों को गोद लिया



गया। वर्ष 2021-22 में गोद लिए गए बच्चों की संख्या मामूली रूप से घटकर 3,405 रह गई जिनमें से 2,991 देश में और 414 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर थे। गोद लिए गए बच्चों की कुल संख्या में विशेष जरूरत वाले 136 लड़के और 206 लड़कियां शामिल थीं। वर्ष 2022-23 में गोद लिए गए बच्चों की संख्या 3,441 थी जिनमें 3,010 देश के अंदर और 431 अंतरदेशीय थे। इसमें विशेष आवश्यकता वाले 156 लड़कों और 188 लड़कियों को दत्तक परिवार मिले।

वर्ष 2023-24 में गोद लिए गए बच्चों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और यह 4,029 हो गई है जिनमें 3,580 देश में और 449 अंतरराष्ट्रीय हैं। इनमें विशेष आवश्यकता वाले 135 लड़के और 174 लड़कियां शामिल हैं।

पिछले पांच सालों में विशेष जरूरतों वाले बच्चों को गोद लेने की दर में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। सीएआरए के अनुसार पांच जुलाई 2024 तक भारत भर में बाल देखभाल संस्थानों में विशेष आवश्यकता वाले 420 बच्चे गोद लिए जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। गैर सरकारी संगठन (एनजीओ) 'फैमिलीज ऑफ जॉय' के संस्थापक अविनाश कुमार ने कहा कि जुलाई 2024 तक गोद लेने के लिए कानूनी रूप से उपलब्ध 1,709 बच्चों में से 76 प्रतिशत विशेष जरूरतों वाले थे।

अविनाश कुमार ने कहा कि देश भर में दो साल से कम उम्र के सिर्फ 25 स्वस्थ बच्चे गोद लेने के लिए उपलब्ध हैं जो कुल संख्या का सिर्फ एक प्रतिशत है। 19 राज्यों में 10 साल से कम उम्र के कोई भी स्वस्थ बच्चे गोद लेने के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों का वर्गीकरण विवादास्पद बना हुआ है।

## रूस ने किया होटल पर हमला गोलाबारी में पांच लोगों की मौत

**KYIV :** रूस के सीमावर्ती क्षेत्र बेलगोरोद में यूक्रेन की गोलाबारी में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि रूसी सेना ने पूर्वी यूक्रेन में एक होटल को निशाना बनाया जिससे दो लोग घायल हो गए और एक पत्रकार को लापता बताया जा रहा है। रूस के क्षेत्रीय गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि यूक्रेनी सीमा से 38 किलोमीटर दूर रूस के रकीटोन गांव में 12 अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें 16 वर्षीय एक लड़की की हालत गंभीर बताई जाती है। यूक्रेन के क्षेत्रीय गवर्नर वादिम फिलाश्किन ने कहा कि रूसी सेना ने पूर्वी डोनेट्स्क क्षेत्र के क्रामाटोरस्क शहर में रात में एक होटल पर हमला किया, जिसमें दो लोग घायल हो गए और एक व्यक्ति मलबे में फंस गया। बताया जाता है कि ये तीनों लोग यूक्रेन, अमेरिका और ब्रिटेन के पत्रकार हैं। रॉयटर्स समाचार एजेंसी ने रविवार को कहा कि यूक्रेन में युद्ध की कवरेज करने वाला उसका एक पत्रकार लापता है और टीम के दो अन्य सदस्यों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इसने कहा कि यह घटना तब हुई जब होटल 'सफाइर' में ठहरा छह सदस्यीय दल शनिवार को 'एक स्पष्ट मिसाइल हमले' की चपेट में आ गया। फिलाश्किन ने कहा कि होटल के अलावा, पास की एक बहुमंजिला इमारत भी नष्ट हो गई। क्षेत्रीय गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने टेलीग्राम मैसेजिंग ऐप पर लिखा कि यूक्रेन का पूर्वी खारकीव क्षेत्र भी रूसी गोलीबारी की चपेट में आ गया जिसमें कई लोग घायल हो गए।

BRIEF NEWS

## लोहरदगा में तालाब में डूबकर तीन बच्चों की मौत

**LOHARDAGA :** जिले के सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत एकागुड़ी गांव के तीन बच्चों की तालाब में डूबने से रविवार को मौत हो गयी। तीनों बच्चे खेलने के दौरान एकागुड़ी गांव के बगीचा बांध तालाब के किनारे चले गए, जहां तीनों तालाब में नहाने लगे। इसी दौरान तीनों बच्चे तालाब के गहरे पानी में समा गए।इसके बाद आसपास के लोगों ने किसी प्रकार से तीनों बच्चों को तालाब से निकाला और लोहरदगा सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां पर चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

## खूंटी के हॉकी खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

**KHUTI :** मरांग गोमके जयपाल सिंह स्टेडियम मोराबादी रांची में पिछले दिन आयोजित नेहरू कम हॉकी प्रतियोगिता में खूंटी जिले के खिलाड़ियों ने बेहद उम्दा प्रदर्शन किया। अंडर 17 के बालक वर्ग में खूंटी जिला को विजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ बालिका वर्ग में खूंटी जिला की टीम चौथे स्थान पर रही जबकि अंडर 15 वर्ग में खूंटी जिले को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। अंडर 15 वर्ग में खूंटी जिले के इमानुएल को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट चुना गया। अंडर 17 बालक वर्ग में सचिन को बेस्ट स्कोरर तथा फाइनल मैच का मैन ऑफ द मैच चुना गया। शिक्षा विभाग द्वारा रविवार कों एक समारोह का आयोजन कर खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। जिले के उपायुक्त लोकेश मिश्रा, उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम, जिला शिक्षा पदाधिकारी अपूर्वा पाल चौधरी और जिला कार्यक्रम पदाधिकारी नलिनी रंजन ने पूरी टीम को बधाई दी है।

## हंटरगंज में डायरिया से मां-बेटे की गई जान

**CHATRA :** जिले के हंटरगंज प्रखंड मुख्यालय स्थित ब्लॉक मोड़ के पास डायरिया से मां-बेटे की मौत हो गई। मृतक विमला देवी (32) और बेटा सूरज कुमार (12) हंटरगंज थाना क्षेत्र के नावाडीह गांव के रहने वाले थे।बताया जाता है कि जिले में लगातार हो रही मुसलाधार बारिश के कारण मोती साव के घर में पानी जा रहा था। चापाकल से भी गंदा पानी आ रहा था। आशंका है कि चापाकल का गंदा पानी पीने के कारण ही परिवार डायरिया की चपेट में आ गया। गंदा पानी पीने के कारण शनिवार को मां बेटे को डिहाइड्रेशन की शिकायत हुई। रविवार की सुबह 4:00 बजे दोनों की मौत हो गई।

## हजारीबाग में पुलिस ने बरामद की शराब

**HAZARIBAGH :** चौपारण पुलिस ने शनिवार रात एक स्विफ्ट कार संख्या (डीएल 3 सीएडब्ल्यू 8147) से 25 पेटी अवैध शराब बरामद किया। थाना प्रभारी दीपक कुमार सिंह ने बताया कि चतरा रोड स्थित डोमाडाड़ी के पास बेरिकेडिंग लगाकर बरामदगी की गई। आरोपित अभिषेक कुमार जिला नालंदा बिहार बताया गया है। गाड़ी की तलाशी लेने पर गाड़ी के अंदर से 5 पेटी अंग्रेजी शराब और 20 पेटी बियर बरामद किया गया।

### 26 व 27 अगस्त को घर-घर जाकर सहिया-सेविका बच्चों को पिलाएंगी दवा की खुराक

# स्वास्थ्य मंत्री ने शुरू किया पल्स पोलियो अभियान

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** राज्यस्तरीय पल्स पोलियो अभियान का प्रारंभ स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कदमा से की, जहां उन्होंने रामजनमनगर स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर में नन्हीं बच्चियों को दवा पिलाई। अभियान के तहत पूर्वी सिंहभूम के सभी बूथ पर रविवार को 0-5 वर्ष के बच्चों को दवा पिलाई गई। 26 एवं 27 अगस्त को घर-घर जाकर पोलियो की खुराक सहिया, सेविका एवं गैर सरकारी संस्था द्वारा पिलाई जाएगी। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार ने बूथ में जाकर बेटी को पोलियो की खुराक पिलाई तथा सभी अभिभावकों से अपील की कि जिम्मेदार और जागरूक अभिभावक बनें, अपने बच्चे को पोलियो की खुराक जरूर पिलाएं। पूर्वी सिंहभूम जिला में कुल 3,95,368 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए पूरे जिले में कुल 3066 बूथ, 2804 टीम व 187 ट्रांजिट टीम बनाई गई है। इस कार्यक्रम में डॉ. सीपी चौधरी (निदेशक स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग), डॉ. साहिर पाल (सिविल सर्जन), डॉ. रंजीत पांडा (जिला आरसीएच पदाधिकारी), डॉ. ओपी केसरी (जिला यक्ष्मा पदाधिकारी) व डॉ. सोमालिया (स्पेशल मेडिकल ऑफिसर, डब्लू एच ओ) भी उपस्थित थीं।

बच्चे को पोलियोरोधी खुराक पिलाते स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता। ● फोटोन न्यूज

### स्वास्थ्य केंद्र मुरहू में बच्चों को दी गई दवा

**KHUNTI :** मुरहू प्रखण्ड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रविवार को पल्स पोलियो टीकाकरण की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन सिविल सर्जन डॉ नागेश्वर मांझी, सीएचसी पभारी डॉ आशुोष तितग्गा, प्रखण्ड प्रमुख एलिस ओडेया, उप प्रमुख अरुण कुमार साबू, मुखिया ज्योति डोडराय ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर शून्य से पांच वर्ष के सैकड़ो बच्चों को पोलियो निरोधी खुराक पिलाई गई। उप प्रमुख मुरहु अरुण साबू की पहल पर डॉ तिग्गा ने मुरहू थाना के पास यात्री वाहनों को रोककर पुलिस की सहायता से बसों पर सवार बच्चों को दवा लिाई गई। सिविल सर्जन ने कहा कि प्रखण्ड के उप प्रमुख काफी सक्रिय रहते हैं। उनके कार्यकाल में कई नये कार्यो का शुभारंभ उनके सुझाव पर हुआ। उप प्रमुख ने मुरहू में फैल रहे डेंगू के लिए भी सिविल सर्जन से दवा का छिड़काव कराने की अपील की।

## रामगढ़ में 1.80 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी खुराक

**PHOTON NEWS RAMGARH :** रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने रविवार को सदर अस्पताल में पल्स पोलियो अभियान की शुरूआत की। इस मौके पर उन्होंने नवजात शिशु को पोलियो की खुराक पिलाई। साथ ही जिले वासियों से पांच वर्ष तक के बच्चों को अनिवार्य रूप से पोलियो की खुराक जरूर पिलाने की अपील की। उपायुक्त ने कहा कि पूर्व में लोगों में पोलियो को लेकर कई भ्रांतियां थीं लेकिन धीरे-धीरे लोगों को जागरुक कर हमने पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाया है। उन्होंने जिले में पल्स पोलियो अभियान के सफल आयोजन को लेकर सभी अधिकारियों व स्वास्थ्य कर्मियों को शुभकामनाएं दी। साथ ही जनप्रतिनिधियों का भी सहयोग लेने की बात कही। कार्यक्रम के दौरान सिविल सर्जन डॉक्टर महालक्ष्मी प्रसाद ने 27 अगस्त तक जिले में चलने वाले पल्स पोलियो अभियान एवं लक्ष्य की प्राप्ति के लिए तैयार किए गए माइक्रो प्लान की जानकारी दी। राज्य नोडल पदाधिकारी डॉ उमा सिन्हा ने योजनाबद्ध तरीके से कार्य कर शत-प्रतिशत बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने की बात कही। साथ ही हाउस टू हाउस विजिट कर कार्य पूर्ण करने सहित अन्य आवश्यक जानकारियां दी। उपाधीक्षक सदर अस्पताल एवं डीआरसीएचओ ने भी आवश्यक जानकारियां दीं। पल्स पोलियो अभियान के प्रथम दिन यानी 25 अगस्त को अभिभावक बूथ पर जाकर अपने बच्चे को पोलियो की खुराक पिला सकते हैं। 26 एवं 27 अगस्त को सहियाओं व अन्य स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा घर घर जाकर बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का कार्य किया जाएगा। पल्स पोलियो अभियान के तहत जिले के लगभग 01 लाख 79 हजार 692 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाई जानी है।

दवा पिलाते डीसी चंदन कुमार।

## घटना को अंजाम देने जा रहे बदमाशों को पुलिस ने दबोचा, हथियार बरामद

**PHOTON NEWS GIRIDIH :** बगोदर पुलिस ने चार देसी कट्टा, 19 जिंदा कारतूस और एक आईफोन के साथ चार अपराधियों को दबोचा है। पकड़े गए सभी अपराधी किसी बड़े आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। एसपी दीपक शर्मा को मिली गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए चारों अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।

एसपी दीपक शर्मा ने मामले की जानकारी दी है। एसपी ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि देवघर के मधुपुर थाना क्षेत्र से दो बाइक पर सवार होकर चार अपराधी अवैध हथियार खरीदारी कर बगोदर की ओर जा रहे हैं। अपराधियों के द्वारा अपराध की बड़ी घटना को अंजाम दिए जाने की योजना है। उन्होंने तत्काल बगोदर- सरिया अनुमंडल पुलिस पदाधिकारियों धनंजय कुमार राम को मामले से अवगत कराते हुए अपराधियों की धर - पकड़ का निर्देश दिया। इसके बाद एसडीपीओ के नेतृत्व में बगोदर के हरिहरधाम के निकट सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। इसी बीच दो बाइक से आ रहे चारों अपराधी पुलिस के द्वारा चलाए जा रहे वाहन चेकिंग अभियान को देखकर पुनः बाइक पीछे घूमाकर भागने लगे। इसी बीच एक बाइक के पीछे बैठे रंजीत कुमार साव को पुलिस ने दबोच लिया। उसकी सघन तलाशी लेने पर चार देसी कट्टा, 7। 55 एमएम 11 जिंदा कारतूस, 8 एमएम का 8 जिंदा कारतूस और आईफोन बरामद किया गया। पकड़े गए अपराधी ने पुलिस को बताया कि मधुपुर थाना क्षेत्र से हथियारों को खरीदारी की गई है। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने मधुपुर पहुंचकर अन्य तीनों को गिरफ्तार किया है। अपराधियों को धर दबोचने में एसडीपीओ धनंजय कुमार राम, पुलिस उपाधीक्षक कैलाश महतो, बगोदर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव, पुअनि जय प्रकाश एवं बगोदर थाना के सशस्त्र बल के जवानों का योगदान रहा। एसपी ने बताया कि पकड़े गए अपराधियों में सुधीर कुमार यादव, एंकर दास एवं मो आरिफ का अपराधिक इतिहास रहा है।

गिरफ्तार अपराधियों के बारे में जानकारी देते एसपी दीपक शर्मा। ● फोटोन न्यूज

## पलामू की विधानसभा सीटों पर जयराम महतो की नजर

**PALAMU :** टाइगर जयराम महतो की नजर पलामू की विधानसभा सीटों पर है। जयराम महतो की पार्टी झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा (जेएलकेएम) पलामू में विधानसभा चुनाव लड़ना चाहती है। चार विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों ने चुनाव लड़ने के लिए आवेदन दिया है। जिसमें छतरपुर विधानसभा सीट से प्रीति राज, डाल्टनगंज विधानसभा सीट से प्रोफेसर जगन्नाथ प्रसाद सिंह, बिश्रामपुर से नवल पांडे और पांकी विधानसभा क्षेत्र से विकास यादव ने आवेदन दिया है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा पलामू के इलाके के सभी विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी नियोजन नीति और अन्य मुद्दों पर चुनावी मैदान में उतरेगी। इसे लेकर पार्टी की ओर से लगातार बैठक की जा रही है। इस संबंध में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा के पलामू जिला प्रभारी विनोद बिहारी महतो ने बताया कि पलामू के इलाके से पार्टी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है।

## एसडीओ ऑफिस के नाजिर ने कर लिया 43 लाख का गबन

**PHOTON NEWS RAMGARH :** रामगढ़ एसडीओ ऑफिस में पदस्थापित नाजिर रामप्रवेश कुमार ने लगभग 43 लाख रुपए का गबन कर लिया है। उन्होंने उन रुपयों का ना तो कोई हिसाब दिया और ना ही उनसे जुड़े कोई वाउचर कार्यालय कर्मचारी को मिले। रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने इस मामले को काफी गंभीरता से लिया है और नाजिर राम प्रवेश कुमार के खिलाफ प्रपत्र को गठित कर दिया है। रामप्रवेश कुमार वर्तमान समय में अंचल कार्यालय, दुलमी में पदस्थापित हैं। उनके विरूद्ध अनुमण्डल कार्यालय, रामगढ़ के नजारत एवं अन्य प्रभार नहीं सौपने के आलोक में इन्भेन्ट्री के द्वारा कुल 4295916.60/- (बयालीस लाख पनचानवे हजार नौ सौ सोलह रूपया साठ पैसा) का अभिश्रव नहीं पाए जाने का मामला सामने आया। इस संबंध में इडीसी चंदन कुमार ने बताया कि अनुमंडल कार्यालय में पदस्थापित रहने के दौरान नाजिर राम प्रवेश कुमार के द्वारा विभिन्न व्यक्तियों से अनुमण्डल कार्यालय में नौकरी लगाने के नाम पर ठगी किये जाने से संबंधित मामले में सामने आए हैं। उनपर आरोप पत्र गठित कर प्रपत्र 'क' में प्रतिवेदित किया गया है। जिसके उपरांत रामप्रवेश कुमार, तत्कालीन नाजीर, अनुमण्डल कार्यालय, रामगढ़ सम्प्रति अंचल कार्यालय, दुलमी के विरूद्ध गठित प्रपत्र 'क' में आरोपों की जाँच हेतु विभागीय कार्यवाही संचालन किये जाने का निर्णय लिया गया है।

● नौकरी लगाने के नाम पर कई व्यक्तियों से की थी ठगी

### 15 दिनों के अंदर देना होगा लिखित बयान

रामप्रवेश कुमार को आदेश दिया गया है कि वे पंद्रह दिनों के अन्दर जाँच हेतु नियुक्त संचालन पदाधिकारी के समक्ष उपस्थित होकर अपना दावा/दस्तावेज स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि के माध्यम से लिखित बचाव बयान प्रस्तुत करेंगे।

## कोडरमा में दो गिरफ्तार चोरी की पिकअप बरामद

**KODERMA :** जिले के डोमचांच थाना क्षेत्र अंतर्गत चोरी हुए दो वाहनों को पुलिस ने बरामद कर लिया है। वहीं, घटना में शामिल दो आरोपितों को भी गिरफ्तार किया गया है। इस बाबत एसपी अनुदीप सिंह ने रविवार को बताया कि जिले के डोमचांच थाना काण्ड संख्या-65/24 में चोरी किये गये गये पिकअप वाहन संख्या (जेएच 12 ई 2336) एवं डोमचांच थाना काण्ड संख्या 76/24, में चोरी किये गये पिकअप वाहन संख्या (जेएच 12एक 4470) को पुलिस ने बरामद कर लिया गया है। घटना में शामिल आरोपित को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर ढाब थानान्तर्गत ग्राम बरहई के करमीकुण्ड जंगल से अप्राथमिकी अभियुक्त पप्पु कुमार उर्फ पप्पु कुमार मेहता (24) एवं रोहित कुमार उर्फ रोहित कुमार मेहता उर्फ धोनी (24) को गिरफ्तार किया गया। इनकी निशानदेही पर चोरी किये गये वाहनों को बरामद किया गया।

### परिजन जबरन करा रहे थे नाबालिग का विवाह

## झारखंड की बहादुर लड़की ने रुकवाई खुद की शादी

**PHOTON NEWS PALAMU :** जिले के तरहसी के इलाके के एक दशवीं की छात्रा की परिवार वाले जबरदस्ती उत्तर प्रदेश के इलाके में शादी करवा रहे थे। नाबालिग गर्भवती है। नाबालिग की जबरदस्ती शादी की सूचना चाइल्डलाइन को टोल फ्री नंबर पर मिली थी, जिसके बाद पलामू जिला प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए नाबालिग का रेस्क्यू किया था। रेस्क्यू के बाद नाबालिग ने प्रशासनिक टीम को बताया है कि वह गर्भवती है और उसका प्रेमी बगल के गांव का है। प्रशासनिक टीम को आशंका है कि नाबालिग की यूपी के इलाके में पैसे के लिए शादी कराई जा रही थी। रेस्क्यू करने के बाद नाबालिग को बालिका गृह में रखा गया है। जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी प्रकाश कुमार ने बताया कि सूचना मिली थी कि नाबालिग की जबरदस्ती शादी की जा रही है। इसी सूचना के आलोक में चाइल्डलाइन और पुलिस के सहयोग से नाबालिग को उसके घर से रेस्क्यू किया गया है।

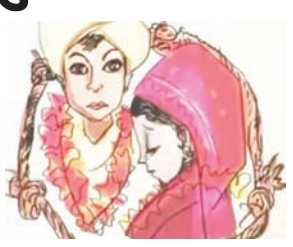

## गरीबों को धर्मशाला में रहने के लिए मिलेगी विशेष सुविधा : नीलकंठ मुंडा

**PHOTON NEWS KHUNTI :** रविवार को खूंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि आजादी से पूर्व हमारे पुरखों ने जिस उद्देश्य से खूंटी की हृदयस्थली में महात्मा गांधी स्मारक धर्मशाला का निर्माण कराया था, उसे सार्थक बनाने की आवश्यकता है। अनुमंडल पदाधिकारी अनिकेत सचान की अध्यक्षता में गठित नई कमेटी जिस प्रकार से इस धर्मशाला के पुराने स्वरूप को विकसित करने का काम कर रही है, वह सराहनीय है। मुझे पूरा विश्वास है कि धर्मशाला निर्माण का उद्देश्य निश्चित ही पूरा होगा। यह बातें उन्होंने महात्मा गांधी स्मारक धर्मशाला में अपनी विधायक निधि से बनने वाले 10 यूनिट शौचालय निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास करने के बाद आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि इस धर्मशाला में लोगों को हर तरह की सुविधा मिल सके, इसके लिए हर संभव सहयोग किया जाएगा। अगली बार जब वह विधायक चुने जाएंगे, तो इस धर्मशाला में जो भी कमियां रह गई हैं उन्हे प्राथमिकता के आधार पर पूरा कर इसे सुविधा संपन्न धर्मशाला के रूप में विकसित किया जाएगा। अनुमंडल पदाधिकारी सह धर्मशाला प्रबंध कमेटी के अध्यक्ष अनिकेत सचान ने कहा कि यह ऐतिहासिक धर्मशाला शहर की प्रमुख परिसंपत्ति है।

निर्माण कार्य का शिलान्यास करते विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा। ● फोटोन न्यूज

## सरना व सनातन दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू : निर्मलानंद

**PHOTON NEWS KHUNTI :** महर्षि मेंही आश्रम मलियादा मुरहू में कुप्पा घाट भागलपुर के संत स्वामी डॉ निर्मलानंद के सानिध्य में जारी तीन दिवसीय सत्संग का समापन रविवार को हुआ। सत्संग में स्वामी निर्मलानंद ने कहा कि हम सभी एक ही ईश्वर की संतान हैं। सरना और सनातन दोनों एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। मंदिर, मस्जिद या गुरुद्वारा सभी जगहों पर मानव जीवन को कल्याणकारी बनाने की बात बताई जाती हैं। निर्मलानंद ने कहा कि सत्संग श्रवण से जीवन के सभी दुःखों-समस्याओं का अंत हो जाता है। मनुष्य की उपादेयता सद्ग्रंथों में वर्णित हैं, जिसे हम सत्संग के माध्यम जान पाते हैं, अपना उद्धार कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सूरदास प्रतिदिन भगवान के दर्शन के लिए मंदिर जाते थे। लोगों ने उन्हें टोका कि आप तो देख नहीं सकते, फिर दर्शन कैसें करेंगे। सूरदास ने कहा कि माना मैं अंधा हूं लेकिन परमात्मा तो हमें देख सकते हैं। मेरी हाजिरी लगती है, सत्संग हो जाता है। स्वामी लक्ष्मण ने कहा कि सत्संग से संस्कार जागृत होता है, जिससे हमारा जीवन भक्तिमय और सुखमय बन जाता है। स्वामी अखिलेश बाबा ने कहा कि गुरु मंत्र का जप तथा ध्यान भजन और सत्संग नियमित करना चाहिए।

प्रवचन करते स्वामी निर्मलानंद।

### शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए कल्याण विभाग ने जिले में बनाए हैं तीन एकलव्य स्कूल

# लातेहार के आदिवासी बच्चों को मिलेगी बेहतर शिक्षा

**PHOTON NEWS LATEHAR :** जिले के होनहार आदिवासी छात्र-छात्राओं को अब उड़ाने के लिए पंख मिल सकेंगे। टैलेंटेड आदिवासी बच्चों को बेहतर शिक्षा देने के लिए लातेहार जिले में कल्याण विभाग के द्वारा तीन एकलव्य विद्यालय की स्थापना की गयी है। इन विद्यालयों में जवाहर नवोदय विद्यालय के तर्ज पर बच्चों को मॉडल शिक्षा उपलब्ध करायी जाएगी। दरअसल, लातेहार जिला आदिवासी बहुल जिला है। लेकिन ग्रामीण स्तर पर शिक्षा की स्थिति कुछ खास बेहतर नहीं है। यहां कई ऐसे आदिवासी बच्चे हैं जो काफी टैलेंटेड और होनहार होने के बावजूद बेहतर गाइडेंस नहीं मिलने के कारण आगे नहीं बढ़ पाते हैं। इस समस्या के समाधान और होनहार आदिवासी बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए कल्याण विभाग के द्वारा जवाहर नवोदय विद्यालय के तर्ज पर लातेहार जिले में तीन एकलव्य विद्यालय की स्थापना करायी गई है। इस विद्यालय में टैलेंटेड आदिवासी बच्चों का नामांकन किया जाएगा और उन्हें मॉडल शिक्षा दी जाएगी। संभावना जताई जा रही है कि सितंबर के पहले सप्ताह से यहां पढ़ाने का कार्य भी शुरू कर दिया जाएगा। प्रोजेक्ट डायरेक्टर ने बताया कि इस विद्यालय का लक्ष्य है कि जो बच्चे होनहार हैं, उन्हें बेहतर शिक्षा मिल सके। बच्चों को मॉडल शिक्षा उपलब्ध कराना इस विद्यालय का मुख्य मकसद है। विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों को पूरी तरह निःशुल्क सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। लातेहार के होनहार आदिवासी बच्चों के सुनहरे भविष्य के निर्माण में एकलव्य विद्यालय मिल का पत्थर साबित होगा।

### छठी व सातवीं क्लास में होगा नामांकन

लातेहार समेकित आदिवासी विकास परिषद के प्रोजेक्ट डायरेक्टर प्रवीण कुमार गागराई ने बताया कि स्कूल में जल्द ही पठन-पाठन आरंभ करवाने के लिए पूरी तरह सक्रिय हैं। उनका कहना है कि लातेहार जिले में लातेहार प्रखंड, बरवाडीह प्रखंड और गारू प्रखंड में एकलव्य विद्यालय की स्थापना की गई है। प्रत्येक विद्यालय में पहले चरण में छठी और सातवीं क्लास में छात्र-छात्राओं का नामांकन किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक कक्षा में 30 छात्र और 30 छात्राओं का नामांकन होगा। एंट्रेंस एग्जाम के तहत नामांकन के लिए बच्चों की सूची तैयार की गई है। विद्यालय में पढ़ाने के लिए शिक्षकों का भी चयन कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि यहां जवाहर नवोदय विद्यालय के तर्ज पर आवासीय व्यवस्था की गई है। छात्र और छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास बनाए गए हैं।

## बिहार-झारखंड की सीमा पर स्थित मेघातरी में बाढ़ ने मचाई भारी तबाही

**PHOTON NEWS KODERMA :** बिहार-झारखंड सीमा से सटे मेघातरी के कुसहना गांव में बारिश ने तबाही मचा रखी है। स्थिति ऐसी है कि हल्की बारिश होने पर भी गांव में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। दरअसल, पिछले रविवार को तेज बारिश में कुसहना गांव से सटे वन विभाग का चेक डैम टूट गया और पूरे कुसहना गांव में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई। हालांकि ग्रामीणों ने तो किसी तरह अपनी जान बचाने में सफल रही लेकिन उनके घर का सारा सामान और जानवर पानी की तेज धारा में बह गया। कई घरों को जमीदोंज कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि अगर रात होती तो कई ग्रामीणों की जान भी जा सकती थी। लोगों का कहना है कि बाढ़ ने उनका सब कुछ बर्बाद कर दिया। फिलहाल गांव के लोगों ने पंचायत भवन में शरण ले रखा हैं। ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद जो प्रशासन की ओर से जो राहत और बचाव कार्य किया जाना चाहिए था वह अब तक नहीं किया गया। हालांकि जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की ओर से उन्हें आश्वासन जरूर मिल रहा हैं। गांव के कई लोगों ने अपनी बेटी के विवाह के लिए समान खरीद रखा था जो बाढ़ में बह गया। वहीं, गांव के बच्चों ने बताया कि स्कूल में पानी भर गया है और उनकी किताब-कॉपियां बाढ़ में बह गई हैं, जिसके कारण पिछले एक सप्ताह से बच्चों की पढ़ाई बाधित हो गई है। दरअसल, बिहार-झारखंड की सीमा से सटे मेघातरी के कुसहना गांव में करीब 50 साल पहले वन विभाग की ओर से चेक डैम का निर्माण कराया गया था ताकि पहाड़ों से गिरने वाला पानी को सर्रक्षित किया जा सके। वन विभाग के द्वारा समय-समय पर डैम का निरीक्षण भी किया जाता है और डैम टूटने से ठीक 10 दिन पहले भी कोडरमा वन विभाग के रेंजर और वन कर्मियों ने डैम का निरीक्षण किया था।

BRIEF NEWS

## राष्ट्रीय खेल दिवस पर 29 को होंगे कई आयोजन

**RANCHI :** राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 29 अगस्त को रांची में खेलों का आयोजन किया जाएगा। रांची जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय खेल दिवस पर देसी और पारंपरिक खेलों का आयोजन किया जायेगा। दिन की शुरूआत पांच किमी के मैराथन से होगी, जो पुरूष और महिला दोनों वर्गों के लिए आयोजित होगी। मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबाल स्टेडियम में योग, मलखंब, कबड्डी, खोखो, रस्साकसी, गेड़ी दौड़, गुलेल से निशाना, पारंपरिक धनुष से तीरंदाजी का आयोजन किया जायेगा। प्रतियोगिता में रांची, खूंटी, रामगढ़, लोहरदगा के खिलाड़ी भाग लेंगे।

## राज्यकर्मी पांच तक जमा कर सकेंगे संपत्ति विवरण

**RANCHI :** राज्य कर्मियों को अपना संपत्ति विवरण जमा करने के लिए अंतिम अवसर दिया है। सभी सरकारी सेवकों समूह घ को छोड़कर वर्ष 2023 का संपत्ति विवरणी एचआरएमएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन अपलोड करने के लिए के लिए समयावधि बढ़ा दी है। इस संबंध में रविवार को कार्मिक विभाग ने आदेश जारी किया है। कार्मिक विभाग ने बताया क पूर्व में 1 जनवरी 2024 से 28 फरवरी 2024 तक समय दिया गया था। आवेदनों की समीक्षा में यह पाया गया कि अभी भी बड़ी संख्या में अधिकारी व कर्मियों ने अपनी संपत्ति का विवरण नहीं भरा है। सरकार ने पूरे मामले पर विचार करने के बाद राज्य कर्मियों को एक बार अवधि विस्तार देते हुए 5 सितंबर 2024 तक अंतिम मौका दिया है।

## आरपीएफ हटिया ने एक यात्री की बचाई जान

**RANCHI :** रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन पर एक यात्री की जान बचाई। आरपीएफ हटिया के उपनिरीक्षक सूरज राजबंशी और स्टाफ अमित सिन्हा ने ऑपरेशन जीवन रक्षा के तहत एक व्यक्ती की जान बचाई। रांची मंडल के मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार ने रविवार को बताया कि गाड़ी संख्या 18637 हटिया बंगलुरु के हटिया स्टेशन से रवाना होते ही एक यात्री चढ़ने की कोशिश में फिसलकर गिर पड़ा। ड्यूटी पर उपस्थित दोनों जवानों ने उस यात्री को अपनी तरफ खींचकर उसकी जान बचाई' यात्री ने अपना नाम फूलचंद कलाडिं बताया। वह बंगाल के पुरुलिया स्थित जयपुर का रहने वाला है।

## देवांश ने जीता ऑल इंडिया स्क्वैश चैंपियनशिप खिताब

**RANCHI :** द महाराष्ट्र स्क्वैश रैकेट स्टेशन के तत्वावधान में दूसरा गारवेया क्लब हाउस ऑल इंडिया स्क्वैश चैंपियनशिप का आयोजन मुंबई में किया गया। 19 से 24 अगस्त तक आयोजित प्रतियोगिता में रांची के देवांश अग्रवाल ने अंडर13 प्रतियोगिता का खिताब जीता। इस चैंपियनशिप में 19 राज्यों के कुल 460 खिलाड़ियों ने भाग लिया।

### असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने हेमंत पर साधा निशाना

# झारखंड में चल रही डिक्टेटरशिप सवाल पूछना भी हो गया गुनाह

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय के सामने स्थित एक रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम के मुख्यमंत्री और झारखंड में भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि राज्य में डिक्टेटरशिप चल रही है। सरकार से सवाल करना गुनाह हो गया है। सरकार खुद को भगवान समझ बैठी है।

वर्तमान डीजीपी को विधि की जानकारी नहीं है। उनके भरोसे राज्य में विधानसभा चुनाव संभव नहीं। हिमंता बिस्वा सरमा ने सवालिया लहजे में कहा कि आखिर इस हेमंत सरकार के अबतक के कार्यकाल में लोगों को मिला क्या? पूरा राज्य इस सरकार से पूछ रहा कि युवाओं को मिला क्या, महिलाओं को, किसानों को, सरकारी कर्मचारियों को मिला क्या? इस सरकार ने 2019 के चुनाव से पूर्व शहीद निर्मल महतो के शहादत स्थल पर जाकर कहा था कि 5 लाख युवाओं को नौकरी देंगे, नहीं तो संन्यास ले लेंगे। अब इस सरकार के पास मात्र एक महीना बचा है। एक महीना में जो करना है, कर लें। सरमा ने कहा कि शिबू सोरेन राज्य और देश की जनता के लिए सम्माननीय हैं। ऐसे में यदि उनका बेटा अपना वादा न पूरा करे तो दिशोम गुरु का नाम धूमिल होगा। सरकार या तो सितंबर तक पांच लाख युवाओं को नौकरी दे या फिर सितंबर के आखिर या दो अक्टूबर को राजनीति से संन्यास की घोषणा पर अमल करे। हिमंता ने आरोप लगाया कि सरकार की मंईयां योजना में जितना पैसा महिलाओं को दिया जा रहा, उससे अधिक पैसा प्रचार-प्रसार में जा रहा है। खिजरी की महिलाओं ने बताया कि उन्हें बालू नहीं मिल रहा। उल्टा बालू 5,500 से 6,000 रुपये सीएफटी हो गया है। सरकार जनता को पैसा नहीं दे रही, बल्कि उनसे पैसे वसूल रही है। सरकार जनता के पैसे की डकैती कर रही है। क्या हेमन्त सोरेन जनता के बीच जा कर पूछ सकते हैं कि उन्हें फ्री बालू मिल रहा है क्या? एक तरफ मुख्यमंत्री बालू फ्री देने की बात करते हैं, वहीं दूसरी तरफ बालू माफिया बालू फ्री होने नहीं दे रहे। सरकार चुप है। सरमा ने कहा कि राज्य की हालत ऐसी है कि यहां कोई सरकार से सवाल तक नहीं पूछ सकता। झारखंड में बांग्लादेश घुसपैठ की बात उन्होंने उठायी लेकिन सरकार नहीं मान रही। दो दिन पहले ही रांची से एक डॉक्टर अलकायदा का काम करते हुए गिरफ्तार हुआ है। उच्च न्यायालय भी घुसपैठ पर कह रहा है लेकिन सरकार मनाने को तैयार नहीं। राज्य के युवाओं ने अपने अधिकार के लिए जन आक्रोश रैली निकाला। बदले में सरकार युवाओं पर लाठियां, आंसू गैस फेंक रही है। सरमा ने कहा कि भाजपा के आक्रोश रैली के बाद सरकार ने भाजपा के 55 नेताओं पर एफआईआर दर्ज किया है। इससे भाजपा को कोई आपत्ति नहीं है लेकिन 12,000 अज्ञात लोगों पर भी प्राथमिकी दर्ज की गई है।

मीडिया से रूबरू होते हिमंता व अन्य भाजपा नेता। ● फोटोन न्यूज

### हर वर्ग के साथ हुआ धोखा : अमर कुमार बाउरी

नेता प्रतिपक्षा अमर कुमार बाउरी ने हेमंत सोरेन सरकार के पांच साल और उनके वादे, हकीकत को लेकर एक वीडियो जारी किया। साथ ही कहा कि महिला, किसान, युवा और दूसरे सभी वर्ग के लोगों के साथ इस सरकार ने वादाखिलाफी किया है। झामुमो के घोषणापत्र में हर साल एक लाख नौकरी, बिना गारंटर 50 हजार का लोन, 5000-7000 बेरोजगारी भत्ता सहित अन्य वादे थे। एक भी पूरा नहीं हुआ। विधानसभा में जब सरकार को भाजपा ने घेरा तो 18 विधायकों को निलंबित कर दिया गया। 23 अगस्त को युवा आक्रोश रैली रांची में आयोजित हुआ। इसमें आने से युवाओं को कंटीले तार लगाकर रोकने का प्रयास हुआ और 12,000 पर एफआईआर हुई।

### कैलाश पति की प्रतिमा हटाने का मामला

# आदिवासी संगठनों ने किया विरोध-प्रदर्शन

प्रदर्शन करते आदिवासी संगठनों के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** रविवार को रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र स्थित गोल चक्कर (पुराना विधानसभा मैदान) के पास कैलाश पति नाथ मिश्रा की स्थापित प्रतिमा को हटाने की मांग को लेकर विभिन्न आदिवासी संगठनों ने विरोध-प्रदर्शन किया।

विरोध-प्रदर्शन को देखते हुए सिटी एसपी राज कुमार मेहता, हटिया डीएसपी, कोतवाली डीएसपी सहित कई पुलिस और अधिकारी के साथ भारी संख्या में पुलिस बल मौके पर तैनात है। इससे पहले हजारों की संख्या में आदिवासी समाज के लोग पहाड़ी मंदिर के सामने जुटे। फिर वहां से बाइक से जुलूस के शक्ल में पुरानी विधानसभा मैदान के लिए निकले लेकिन उनको बिरसा चौक के पास स्थित पेट्रोल पंप के पास ही बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया गया। आदिवासी संगठनों का कहना है कि कैलाश पति नाथ मिश्रा का झारखंड में कोई योगदान नहीं है। इसलिए इस प्रतिमा को यहां से हटाना होगा। दूसरी ओर, प्रतिमा स्थापित करने वाले लोगों का कहना है कि संवैधानिक तरीके से 15 अगस्त को कैलाश पति नाथ मिश्रा की प्रतिमा स्थापित की गयी है।

# पहली प्राथमिकता सीटिंग सीटों पर जीत सुनिश्चित करने की : गुलाम अहमद मीर

**PHOTON NEWS RANCHI :** रांची के सर्किट हाउस में रविवार को कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर की अध्यक्षता में कांग्रेस विधायक दल की बैठक हुई। बैठक में विधानसभा चुनाव पर मंथन किया गया। विधायकों से चुनाव की तैयारियों पर फीडबैक भी लिये गये। साथ ही संयुक्त घोषणा पत्र के लिए विधायकों से सुझाव मांगे गये। प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर ने कहा कि पहली प्राथमिकता सीटिंग सीटों पर जीत सुनिश्चित करने की होनी चाहिए। इसके अलावा बैठक में राहुल गांधी के झारखंड दौरे को लेकर भी चर्चा की गयी। इसके लिए विधायकों को तैयारी करने का निर्देश दिया गया। बैठक में निजी कारणों से मंत्री दीपिका पांडे? सिंह, विधायक अंबा प्रसाद और पूर्णिमा नीरज सिंह बैठक में शामिल नहीं हो सकीं। बैठक के बाद विधायक बादल पत्रलेख ने मीडिया से बातचीत में कहा कि विधायकों से संयुक्त घोषणा पत्र के लिए सुझाव मांगे गये हैं। कांग्रेस संयुक्त घोषणा पत्र के साथ चुनावी अखाड़े में जाना चाहती है। कांग्रेस विधायक दल की बैठक में प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर के अलावा प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, डॉ रामेश्वर उरांव, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, बन्ना गुप्ता, इरफान अंसारी, बादल पत्रलेख, राजेश कच्छप, नमन विक्सल कोंगाड़ी, उमाशंकर अकेला व अन्य नेता थे।

बैठक करते गुलाम अहमद मीर व अन्य नेता। ● फोटोन न्यूज

### सीएम से मिले कांग्रेस के नेता

रविवार को सीएम हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में झारखंड कांग्रेस प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, झारखंड कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश एवं झारखंड कांग्रेस विधायक दल के नेता रामेश्वर उरांव ने औपचारिक मुलाकात की।

# झारखंड की राजनीति में मजबूत उपस्थिति दर्ज कराएगी लोजपा (आर) : चिराग पासवान

**PHOTON NEWS RANCHI :** लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की रविवार को होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान सेवा विमान से रांची पहुंचे थे। रांची एयरपोर्ट से लेकर होटल रेडिशन ब्लू तक पार्टी कार्यकताओं ने चिराग पासवान का जोरदार स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय कार्यकारणी की बैठक हिस्सा लिया, जहां सर्वसम्मति से उन्हें लोजपा का फिर से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। अध्यक्ष चुने जाने का बाद उन्होंने सभी नेताओं और कार्यकताओं के प्रति आभार प्रकट किया। इसके पूर्व एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि उनकी इच्छा है कि राज्य में उनकी पार्टी विधानसभा का चुनाव लड़े और अपनी पार्टी की मजबूत उपस्थिति झारखंड में दर्ज कराए। हम इस राज्य के लिए बेहतर सोचते हैं। चिराग पासवान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि वह बिहारी हैं और जब उन्होंने जन्म लिया था तब बिहार झारखंड एक था। आज वह केंद्र की सरकार में मजबूत विभाग के मंत्री हैं। ऐसे में वह चाहेंगे कि यह राज्य विकास के मामले में मजबूती से आगे बढ़े।

मीडिया से रूबरू होते केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान। ● फोटोन न्यूज

## मोरहाबादी के एकलव्य हॉकी हॉस्टल व किचेन को नया रंग-रूप देने की तैयारी

**RANCHI :** मोरहाबादी (रांची) स्थित एकलव्य हॉकी हॉस्टल को नया रंग रूप दिया जाना है। इसके लिए साझा (स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ झारखंड, खेल विभाग, झारखंड) ने पहल की है। साझा की ओर से इसके लिए टेंडर नोटिस भी जारी किया गया है। इसके मुताबिक एकलव्य हॉकी हॉस्टल (लड़का) तथा किचेन के रिनोवेशन कार्य पर करीब 50 लाख रुपये (49,12,798 रुपये) खर्च किए जाएंगे। इसके लिए इएमडी कॉस्ट 98300 रुपये तय किये गये हैं। इसी तरह एकलव्य हॉकी हॉस्टल (लड़की) तथा इसके किचेन के रिनोवेशन के काम पर 45,63,100 रुपये व्यय किए जाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए इएमडी कॉस्ट के तौर पर 91,300 रुपये व्यय किए जाने का अनुमान है।

# भारत आदिवासी पार्टी मजबूती से लड़ेगी विस चुनाव : प्रेमशाही

कार्यक्रम में उपस्थित प्रेमशाही मुंडा व अन्य। ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS RANCHI :** भारत आदिवासी पार्टी के तत्वावधान में तमाड़ स्थित अमलेसा मैदान में विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी महासमागम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में भगवान बिरसा मुंडा, जयपाल सिंह मुंडा, बाबा भीमराव अंबेडकर और बाबा कार्तिक उरांव के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि देकर नमन किया। इस दौरान झारखंड के विभिन्न आदिवासी संगठनों के लोगों ने अपने कार्यकताओं के साथ भारत आदिवासी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आदिवासी महासमागम में भारत आदिवासी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा, बबीता कच्छप, भारत आदिवासी पार्टी के उपाध्यक्ष अजय कच्छप, कुंदरसी मुंडा समेत कई लोग मौजूद थे। मौके पर प्रेमशाही मुंडा ने कहा कि यह आदिवासी महासमागम आदिवासी-मूलवासियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

## ईडी की टीम आज बबलू खान से करेगी पूछताछ

**RANCHI :** अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट के मॉडयूल से जुड़े केस में संदिग्ध डॉ इश्तियाक अहमद के तार जमीन घोटाले के आरोपियों से जुड़े हैं या नहीं इसकी पड़ताल ईडी करेगी। सोमवार को इस मामले को लेकर रांची के बरियातू के रहने वाले बबलू खान से ईडी पूछताछ करेगी। बबलू खान को ईडी ने समन जारी किया था। अलकायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट के मॉडयूल से जुड़े केस में संदिग्ध डॉ इश्तियाक अहमद को जमीन घोटाले के आरोपियों के द्वारा फंडिंग की आशंका है। ईडी ने इस मामले में रांची के कांग्रेस नेता और लेक व्यू अस्पताल के संचालक बबलू खान को समन किया है। ईडी ने 26 अगस्त यानी सोमवार को दिन के 11 बजे बबलू खान को रांची जोनल ऑफिस में उपस्थित होने को कहा है।

# 4,487 करोड़ के सात एनएच प्रोजेक्ट पर जल्द होगा काम

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड में 4,487 करोड़ की सात नेशनल हाईवे की परियोजनाएं बिडिंग प्रोसेस में आ गयी है। इनमें, नेशनल हाईवे 99 में बनने वाले चंदवा आरओबी के लिए आठवीं बार निविदा जारी किया गया है। 2020 से ही इसके निर्माण की तैयारी चल रही है, जिसे अब धरातल पर लाने के लिए एनएच डिविज तेजी से काम कर रहा है। इसके अलावा 2023 व 2024 में करीब छह परियोजनाओं की मंजूरी दी गयी है, जिसके लिए भू-अर्जन व वन भूमि क्लीयरेंस पर काम चल रहा है। पथ निर्माण विभाग अंतर्गत नेशनल हाईवे उपभाग के जरिये इनका काम कराया जाना है। सभी सड़कों पर निर्माण कार्य शुरू

हुआ तो राज्य में 191 किमी नया रोड नेटवर्क तैयार होगा। पथ निर्माण विभाग यह प्रयास कर रहा है कि केंद्र सरकार इन रोड परियोजनाओं के निर्माण के लिए आवश्यक राशि का आवंटन करें ताकि काम प्रारंभ कराया जाये। इसमें गिरिडीह, चाइबासा बाइपास भी शामिल है।

## आज श्रीकृष्ण के बाल रूप की झांकी का होगा उद्घाटन

**RANCHI :** श्री कृष्ण जन्मोत्सव समिति तत्वावधान में अल्बर्ट एक्का चौक, मेन रोड में 26 व 27 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव मनाया जाएगा। समिति के संरक्षक और केंद्रीय मंत्री संजय सेठ, पूर्व सांसद अजय मारू, अध्यक्ष मुकेश काबरा ने कहा कि समिति के द्वारा जन्माष्टमी महोत्सव 2009 में प्रथम बार प्रारम्भ किया गया था। अब 14 वर्ष हो गये। दो दिवसीय आयोजन के प्रथम दिन 26 अगस्त को अपराह्न चार बजे श्रीकृष्ण के बाल रूप में भव्य झांकी का उद्घाटन रांची की विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं सहित व्यापारिक संस्थाओं के अध्यक्ष, सचिव एवं पदाधिकारी करेंगे। इस संबंध में रविवार को पत्रकार वार्ता में संजय सेठ ने कहा कि धरित्री कला केंद्र की निर्देशिका गार्गी मलकानी के नेतृत्व में बाल कलाकारों के द्वारा नृत्य प्रस्तुति की जाएगी।

### अगले दो दिनों तक झारखंड में होगी झमाझम बारिश, चार जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी

# एक बार फिर मानसून के मिजाज ने लिया टर्न

**PHOTON NEWS RANCHI :** इधर कुछ कुछ दिनों से झारखंड में मानसून के मिजाज ने फिर से टर्म ले लिया है। दिन में धूप रहती है, लेकिन दोपहर समाप्त होते-होते मौसम का मिजाज बदलने लगता है और बारिश की स्थिति बन जाती है। शाम से लेकर रात तक राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य इलाकों में बारिश हो रही है। ऐसा पिछले एक सप्ताह से रोज हो रहा है। सामान्य रूप से देखा जाए तो कुछ जगहों को छोड़ पूरे राज्य में अच्छी बारिश हो रही है। पूवानुर्मान के अनुसार, अगले दो दिनों तक पूरे राज्य में झमाझम बारिश होगी। 5 जिलों में बहुत भारी बारिश का अलर्ट मौसम विभाग ने जारी किया है। 4 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है। जिन 5 जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है, वहां सोमवार को बहुत भारी बारिश होगी। जिन 4 जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, वहां भारी बारिश होगी। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के रांची स्थित मौसम केंद्र ने बताया है कि बोकारो, गिरिडीह, धनबाद, जामताड़ा और बाबानगरी देवघर में सोमवार को कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जिले में कहीं-कहीं भारी बारिश होगी, ऐसी मौसम विभाग ने संभावना व्यक्त की है। मौसम विभाग ने कहा है कि झारखंड में कहीं-कहीं गरज के साथ वर्षा होगी और कुछ जगहों पर वज्रपात भी हो सकती है। उन्होंने बताया कि अगले 5 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। यह भी कहा कि आज दक्षिणी बांग्लादेश और उससे सटे इलाके में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

### औसत से तीन गुना अधिक बरसा पानी

बीते 24 घंटे में पूरे राज्य में औसत से तीन गुना अधिक बारिश हुई। इससे राज्य में सामान्य बारिश जो 13 प्रतिशत कम थी, वह घटकर 11 प्रतिशत हो गई। राज्य में 20.5 मिमी बारिश हुई, जो 24 घंटे की औसत बारिश 6.2 मिमी के तीन गुना से भी अधिक है। एक जून से 24 अगस्त तक 661.7 मिमी बारिश हो चुकी है, जो इस अवधि की सामान्य बारिश 744.5 से 11 फीसदी कम रह गया है।

### चाकुलिया में सबसे ज्यादा 85.6 मिमी वर्षा

मौसम विभाग के मुताबिक, पिछले 24 घंटे के दौरान झारखंड में लगभग सभी जगहों पर गरज के साथ हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई. पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया और राजधानी रांची के कांके में भारी बारिश भी हुई। चाकुलिया में सबसे ज्यादा 85.6 मिलीमीटर और कांके के बीएयू में 70.3 मिलीमीटर वर्षा हुई। सबसे अधिक अधिकतम तापमान सायकेला में रिकॉर्ड किया गया।

## एसीबी में पदस्थापित 16 कर्मियों की पोस्टिंग रद्द

**RANCHI :** एसीबी में पदस्थापित किए गए 16 पुलिसकर्मियों की पोस्टिंग रद्द कर दी गयी है। डीजीपी के आदेश के बाद इसे लेकर डीआईजी कार्मिक ने पोस्टिंग रद्द करने से संबंधित आदेश जारी किया है। गौरतलब है कि एसीबी में कंप्यूटर का ज्ञान रखने वाले पुलिसकर्मियों को एसीबी में पदस्थापित किए जाने का निर्णय लिया गया था। जिसके बाद 22 अगस्त को 16 पुलिसकर्मियों को एसीबी में पदस्थापित किया था। जिन पुलिसकर्मियों की पोस्टिंग को रद्द किया गया, उसमें झ मनोज कुमार, किरण लकड़ा, ममता कुमारी, महजबीन प्रवीण, ममता तिर्की, दयामनी नाग, दामोदर साधु, नसीम अंसारी, सोनी कुमारी, अर्चना कुमारी, प्रियंका कुमारी, रविकांत कुमार, अनिला होरो, चंद्रशेखर तिवारी, नीरज कुमार सिंह और रोशन लकड़ा शामिल है।

# एफआईआर कराने के लिए हेमंत का आभार : बाबूलाल

**PHOTON NEWS RANCHI :** रांची के मोरहाबादी मैदान में 23 अगस्त को आयोजित युवा आक्रोश रैली के बाद भाजपा नेताओं पर हुए एफआईआर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा है। बाबूलाल ने रविवार को एक्स पर एक पोस्ट कर कहा कि सूचना मिली है कि मोरहाबादी मैदान में आयोजित युवा आक्रोश रैली की सफलता से तिलमिलाकर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मुझ पर और भाजपा के नेताओं व कार्यकताओं सहित हजारों युवा साथियों पर मुकदमा दर्ज कराया है। इस एफआईआर के लिये सोरेन राजघराने के एक्सीडेंटल राजकुमार हेमंत सोरेन और उनकी ह्व2020 खतियानधारी दलाल-बिचौलियाह्व मित्र मंडली का आभार। बाबूलाल ने कहा कि

हेमंत सोरेन जी ये केस-मुकदमे हमारे लिए पारितोषिक के समान है, जितना जोर लगाना है, लगा लीजिए, जितने केस मुकदमे दर्ज करने हैं, कर दीजिए। भाजपा युवाओं की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक और आंदोलन की रणभूमि से लेकर कोर्ट कचहरी तक पूरी मजबूती के साथ लड़ेगी। वैसे राजनैतिक विरोधियों पर मुकदमा दर्ज करने का दुरुपयोग करवाने में आप तो विश्व रिकॉर्ड कायम कर चुके हैं।

# चांडिल डैम में ही मिला सोनारी से लापता विमान, आज नौसेना निकालेगी मलबा

## बांध से छह किलोमीटर दूर 170 मीटर की गहराई में है विमान, बैलून की मदद से निकाला जाएगा

**PHOTON NEWS JSR:** सोनारी स्थित जमशेदपुर एयरपोर्ट से 20 अगस्त को उड़ान भरने के बाद लापता हुए ट्रेनी विमान की खोज छठे दिन पूरी हो गई। विमान चांडिल डैम में ही डूबा था। नौसेना की टीम ने रविवार को विमान का पता लगा लिया। यही नहीं, जिस स्थान पर विमान के डूबने की संभावना जताई गई थी, उसी जगह विमान मिलने की सबूत मिले हैं। हालांकि, तीखी धूप और पानी की वजह से दिन में उमस ज्यादा होने की वजह से विमान को पानी से बाहर नहीं निकाला जा सका। नौसेना सोमवार सुबह छह बजे से ही विमान को निकालने की प्रक्रिया में जुटेगी। नौसेना के एक अधिकारी ने बताया कि विमान चांडिल डैम से लगभग 6 किमी की दूरी पर मिला है। सोनार यंत्र की मदद से विमान के मलबे को


चांडिल डैम के पास रेस्क्यू अभियान चलाती नौसेना की टीम • फोटोन न्यूज

ढूंढ निकाला गया है। विमान पानी से 170 मीटर गहराई पर है। सोनार से को डाटा मिला है उसके हिसाब से विमान पानी में उल्टा पड़ा है। विमान के टायर ऊपर की ओर है।

**बैलून की मदद से विमान को ऊपर लाने की होगी तैयारी :** सेना के अधिकारी ने बताया कि सोमवार सुबह 9 बजे से विमान को निकालने का काम किया जाएगा। विमान में एक बड़ा सा बैलून बांधकर उसमें हवा भरी जाएगी, जिससे विमान पानी की सतह पर आ जाएगा। जानकारी के अनुसार चांडिल डैम पहुंची नौसेना की टीम के पास 300 किलोग्राम भार वाले वस्तु को डैम से बाहर निकालने की क्षमता वाले उपकरण हैं। वहीं पानी के अंदर मिले अल्केमिस्ट एवियशन प्राइवेट लिमिटेड के विमान का वजन 100 किलोग्राम बताया जा रहा है।


नहा रहे शख्स ने डूबते देखा, रेस्क्यू में जुटी पुलिस

चांडिल डैम में डूब गया जमशेदपुर से उड़ा जहाज

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : मंगलवार को दिन में करीब 11 बजे सोनारी एयरपोर्ट से उड़े ट्रेनी विमान के चांडिल डैम में डूबने की सूचना मिली है। डैम के पास नहा रहे स्थानीय निवासी रसु माझी ने जहाज को डैम में डूबते हुए देखा। ...

बता दें कि सोनारी स्थित जमशेदपुर एयरपोर्ट से मंगलवार दोपहर अल्केमिस्ट एविएशन का ट्रेनी विमान उड़ान भरने के कुछ मिनट बाद ही लापता हो गया था। विमान में कैप्टन जीत और ट्रेनी पायलट शुभ्रदीप दत्ता मौजूद थे। एविएशन कंपनी को पटमदा में विमान की इमरजेंसी लैंडिंग होने की सूचना मिली थी, जिसके बाद बोड़ाम थाना क्षेत्र के भुइयांसिनान स्थित बाटुलुका गांव के पास सर्च अभियान भी चलाया गया था। हालांकि, देर शाम चांडिल के पियालडीह गांव के एक ग्रामीण ने विमान के चांडिल डैम में डूबने की सूचना दी थी, जिसके बाद चांडिल डैम में विमान की तलाश शुरू की गई। यहां बता दें कि विमान के चांडिल डैम में डूबने की खबर 'द फोटोन न्यूज' ने 21 अगस्त को प्रमुखता से प्रकाशित की थी।

**असफल होकर लौट गई थी एनडीआरएफ की टीम :** विमान के लापता होने और चांडिल डैम में डूबने की आशंका पर सरायकेला-खरसावां जिला प्रशासन ने रांची से एनडीआरएफ की टीम को बुलाया था। टीम के 11 सदस्यों ने 21 अगस्त को सुबह से शाम तक अभियान चलाया, लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिली। हालांकि दूसरे दिन 22 अगस्त को जब नौसेना की टीम आई तो थोड़े-थोड़े अंतराल पर पहले ट्रेनी पायलट शुभ्रजीत, फिर कैप्टन जीत का शव पानी से मिला। इसके बाद नौसेना की टीम डटी रही। इसमें स्थानीय मछुआरों ने भी काफी मदद की।

### सोनार यंत्र से ही विमान के मलबे का पता लगा

चांडिल डैम के बीच में विमान के डूबने और काफी गहराई में होने की वजह से गोताखोरों को भी पता नहीं चल रहा था। ऐसे में नौसेना की टीम ने अपने साथ लाए सोनार (साउंड नेविगेशन एंड रेंजिंग) यंत्र की मदद ली, जिसकी सहायता से विमान को खोज निकाला गया। नौसेना का यह उपकरण समुद्र के अंदर बड़े जलीय जीव के अलावा धातु का पता लगाने में सहायक होता है।

# कोड़ा दंपती ने नोवामुंडी में निकाली पदयात्रा

## कहा- बंद माइंस खोले हेमंत सरकार



नारेबाजी करते पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा व पूर्व सांसद गीता कोड़ा • फोटोन न्यूज

**CHAIBASA :** भाजपा के 'घंटा बजाओ सरकार जगाओ' के तहत पूर्व सांसद गीता कोड़ा ने रविवार को नोवामुंडी में पदयात्रा निकाली। इस दौरान उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने विधानसभा चुनाव के पूर्व पूरे राज्य भर में घूम-घूम कर जनता से कई वादे किए थे, चाहे बेरोजगारों को 5 लाख नौकरी का मामला हो या फिर 5 से 7 हजार रुपये भत्ता का, चाहे गरीबों को अबुआ आवास देने का मामला हो, या रोजगार देने का। पलायन रोकने में फिसड्डी हेमंत सरकार अगर क्षेत्र के लोगों की भलाई चाहती है तो बंद पड़े माइंस को शीघ्र खुलवाए और यहां के निजी क्षेत्र में चलने वाले उद्योग धंधे में 75% स्थानियों को रोजगार दिलाए।

इस यात्रा में पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा के अलावा शंभू हाजरा, प्रफुल्ल महाकुड़, सुकेश सिंह, नसीब खान, मोनू साव, प्रदीप गोप, बिट्टू सामड मुंडा, कृष्णा दास, आकाश खंडाईत, सचिन बेहरा, टिंकू निषाद, डबलू वर्मा, चुन्नू खंडाईत, लडकु महाराणा, तुरी कुंकल सहित एवं काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

# डॉ. विजय सिंह गागराई ने की विस चुनाव लड़ने की घोषणा


चक्रधरपुर में पदयात्रा के दौरान माला से लदे डॉ. विजय गागराई • फोटोन न्यूज

**CHAKRADHARPUR :** लंबे समय से समाजसेवा कर रहे पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन के सचिव डॉ. विजय सिंह गागराई ने रविवार को शक्ति प्रदर्शन कर विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी। चक्रधरपुर के पोड़ाहाट स्टेडियम में पीपुल्स वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा चक्रधरपुर विधानसभा के उत्थान, विकास और नवनिर्माण पर परिचर्चा सह जनसभा में गागराई ने आगामी विधानसभा चुनाव चक्रधरपुर सीट से लड़ने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा आगे भी करता रहूंगा। कुछ ऐसे अधिकार हैं जो समाजसेवा से नहीं हो सकता। इसलिए एक ईमानदार, जुझारू, कर्मठ सुशिक्षित प्रोफेसर के रूप एक बार मौका दें। चक्रधरपुर विधानसभा क्षेत्र की दशा और दिशा बदल दूंगा। मैंने मंत्री विधायक से भी ज्यादा सेवा की।

### नक्सलियों ने लगाए थे 4 आईईडी, सुरक्षाबलों ने किया नष्ट



**CHAKRADHARPUR :** पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सलियों ने 5 किलो के 4 आईईडी लगाए थे, जिसे सुरक्षाबलों ने सर्च ऑपरेशन के दौरान बरामद किया। उसे जंगल में ही नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार पश्चिमी सिंहभूम जिले के नक्सल प्रभावित क्षेत्र में नक्सली संगठनों के खिलाफ सुरक्षाबलों द्वारा लगातार सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। रविवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान गोइलकेरा और टोंटो थाना क्षेत्र सीमावर्ती जिमकी, इकिर-मुरुंबुरा, हुसिपी के आसपास नक्सलियों द्वारा पूर्व में पुलिस को नुकसान पहुंचाने के लिए 5-5 किलो का अलग अलग 4 आईईडी लगाया था।

# बहन से छेड़खानी का बदला लेने के लिए कर दी थी लोकनाथ की हत्या

**PHOTON NEWS JSR:** परसुडीह थाना अंतर्गत गदड़ा विकास भवन के पास 12 अगस्त को लोकनाथ ठाकुर उर्फ पुक्की की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी रांची जिला के तमाड़ निवासी मनीष मछुआ और गदड़ा पंचायत भवन के पास रहने वाले राजन मिश्रा उर्फ वेद प्रकाश को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने एक पिस्टल और दो गोली बरामद की है। रविवार को मामले का खुलासा करते हुए ग्रामीण एसपी सह सिटी एसपी ऋषभ गर्ग ने बताया कि 12 अगस्त को बाइक से आए अपराधियों ने लोकनाथ की गोली मारकर हत्या कर दी थी। घटना के बाद लोकनाथ की मां ने राजन मिश्रा, सूरज नाग, कौशल श्रीवास्तव और मनीष के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। सिटी एसपी ने बताया कि मृतक लोकनाथ के खिलाफ थानों में सात मामले दर्ज हैं।



हत्याकांड की जानकारी देते एसपी ऋषभ गर्ग • फोटोन न्यूज

### घटना से कुछ देर पूर्व हुआ था विवाद

एसपी ने बताया कि घटना से कुछ देर पूर्व आरोपियों और लोकनाथ के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद आरोपियों ने लोकनाथ का पीछा कर उसकी हत्या कर दी। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि लोकनाथ ठाकुल और राजन मिश्रा के बीच का विवाद काफी पुराना है। मृतक लोकनाथ राजन मिश्रा की बहन से छेड़खानी करता था। इसकी जानकारी मिलने पर राजन मिश्रा ने लोकनाथ को बुलाया था। बातचीत के बीच दोनों में विवाद बढ़ गया जिसके बाद पीछा कर लोकनाथ की हत्या कर दी गई। इस मामले में फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए छापेमारी की जा रही है।

## समाचार सार

### अंशु को मिला 'आइकोनिक कम्युनिटी इम्पैक्ट' अवार्ड



**JAMSHEDPUR :** शहर के अंतरराष्ट्रीय योगगुरु अंशु सरकार को श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में 'आइकोनिक कम्युनिटी इम्पैक्ट' अवार्ड से सम्मानित किया गया है। ज्ञात हो कि अंशु सरकार डब्ल्यूएफएफवाईएस के इंडिया अध्यक्ष हैं।

### कदमा में उत्कल दुर्गापूजा कमेटी का भूमिपूजन

**JAMSHEDPUR :** उत्कल दुर्गा पूजा कमेटी, कदमा का भूमिपूजन रविवार को हुआ। आर्ट स्कूल तथा कदमा पोस्टऑफिस के समीप मैदान में बतौर यजमान रंजनचंद्र पांडा, देवी प्रसाद दास, चेयरमैन बिभूति भूषण मोहंती, अध्यक्ष सत्यब्रत महापात्र, देवी प्रसाद दास, सुकांत दास, विजय किशोर मिश्रा, असीम प्रधान, रजनीकांत राउल, प्रदीप दास, बिरेन मोहंती, सूर्यकांत पाणि, सुदर्शन मोहंती, राजीव दास, सिफन मोहंती, श्यामा प्रसाद दास, मिहिर मंगराज, मानस मंगराज, गिरिजा बल्लव महान्ती, सरोज गौड बिभुती मिश्रा, संतोष चौधरी आदि उपस्थित थे।

### नेताजी की आदमकद मूर्ति का हुआ अनावरण



**GHATSILA :** नेताजी सुभाष चंद्र बोस बर्थ एनिवर्सरी सेलिब्रेशन कमेटी, घाटशिला की ओर से रविवार को दाहीगोड़ा में नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आदमकद मूर्ति का अनावरण किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्कूल के बच्चे विभिन्न मार्ग से बैंड-बाजे के साथ प्रभातफेरी लेकर नेताजी मूर्ति स्थल पहुंचे। बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। मूर्ति का अनावरण डॉ. शांतनु राय (पूर्व प्रोफेसर आईआईटी, मद्रास), जबकि समारोह का उद्घाटन एचसीएल-आईसीसी के यूनिट हेड एसएस सेट्टी ने किया।

### धालभूमगढ़ में कई ने थामा झामुमो का दामन

**GHATSILA :** धालभूमगढ़ प्रखंड अंतर्गत जोनबुनी पंचायत के हरीनदुकड़ी क्लब भवन में रविवार को ग्राम प्रधान मंगल मानकी की अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें बतौर मुख्य अतिथि घाटशिला के विधायक रामदास सोरेन उपस्थित थे। इस मौके पर ग्राम प्रधान मंगल मानकी के नेतृत्व में मंजू रानी मान्ना, लालमोहन सिंह, मनसा मुंडा, अशोक नामाता, बबलू नामाता, लखीन्द्र मुंडा, दिलीप मान्ना, देवाशीष मान्ना, रबी मान्ना, पवन मान्ना सहित कई महिला-पुरुषों ने झारखंड मुक्ति मोर्चा का दामन थामा। बैठक में जिला कोषाध्यक्ष कालीपद गोराई, विधायक प्रतिनिधि जगदीश भकत, धालभूमगढ़ प्रखंड अध्यक्ष अर्जुन हांसदा, मुखिया विक्रम मुर्मू, घाटशिला प्रखंड उपाध्यक्ष सुखलाल हांसदा आदि उपस्थित थे।

### छतीसगढ़ी महिलाओं ने की कमरछठ पूजा

**JAMSHEDPUR :** भगवान बलराम की जयंती और भादो मास के कृष्णपक्ष की षष्ठी के अवसर पर छत्तीसगढ़ी समाज की महिलाओं ने कमरछठ हलषष्ठी का व्रत और पूजन किया। टुइलाडुंगरी स्थित श्रीश्री शीतला माता मंदिर में रविवार को महिलाओं ने संतान प्राप्ति, संतान के स्वास्थ्य और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर पूजा अर्चना की। इस पूजा को महिलाएं मंदिर अथवा किसी के घर पर एकत्रित होकर जमीन में गड्ढा खोद कर या अस्थायी सागरी बनाकर ब्राह्मण से कथा सुन गौरी गणेश की पूजा-अर्चना करके आरंभ किया। पूजन सामग्री में भैंस का दूध, दही, घी, लाई, महुआ, कांसी, पसहर का चावल, फूल, दूब, रोली, चंदन, नारियल, सुहाग की सामग्री, बच्चों के खिलौने और छह प्रकार की भाजी से पूजा की गई।

### केंद्र सरकार ने गरीबों को भी नहीं छोड़ा : यादव

**GHATSILA :** ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस (एटक), कोल्हान प्रमंडल का चतुर्थ सम्मेलन रविवार को मउभंडार में हुआ। इसे संबोधित करते हुए एटक के राज्य महासचिव अशोक यादव ने कहा कि केंद्र सरकार कभी लोगों को एकाउंट में 15 लाख रुपये देने का झांसा देती है, तो कभी लोगों को विभिन्न प्रलोभन देकर वोट लेती है, लेकिन काम कुछ नही करती। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार गरीबों की कितनी चिंता करती है, इस बात का पता इसी से चलता है कि किसानों के खेती उपकरण, खाद्य बीज पर 18 प्रतिशत जीएससी और अमीरों के लग्जरी गाड़ी पर पांच प्रतिशत टैक्स ले रही है, लेकिन जनता सबकुछ समक्ष रही है।

# बिष्टुपुर व साकची की तरह चमकेंगी बस्तियां : सरयू

## विधानसभा चुनाव के लिए डट जाएं कार्यकर्ता, मिलेगी सफलता

**PHOTON NEWS JSR:** भारतीय जनतंत्र मोर्चा, जमशेदपुर पूर्वी क्षेत्र का कार्यकर्ता सम्मेलन रविवार को सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल में हुआ। इसमें बूथ स्तर एवं भवन स्तर के लगभग 2000 कार्यकर्ता शामिल हुए। सम्मेलन को मुख्य अतिथि के रूप में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि सरयू ने कहा कि मैंने जमशेदपुर में नाला आधारित विकास योजना बनाने का प्रस्ताव सरकार के सामने रखा है, ताकि इंदौर नगर निगम की तरह जमशेदपुर की गलियां और नालियां साफ रहें। घरों का गंदा पानी बिना बाधा के बड़े नालों तक पहुंचता रहे और बड़े नालों का पानी साफ होकर नदी में जाए। इसके बारे में मैं नगर विकास विभाग और टाटा स्टील को भी विशेष निधि आवंटित करने के लिए कह रहा हूं, ताकि जमशेदपुर को साफ-सफाई के मामले में आदर्श शहर बनाया जा सके। यहां की बस्तियां भी बिष्टुपुर और साकची की तरह साफ रहे। टाटा स्टील ने लीज के बाहर की बस्तियों की सफाई का जिम्मा भी लेने के लिए तैयार हो गया है, परंतु व्यवहारिक रूप में जेएनएसी से साफ-सफाई का जिम्मा लेकर स्वयं इसे करना आरंभ नहीं किया है।



सिदगोड़ा स्थित टाउन हॉल में विधायक सरयू राय व अन्य • फोटोन न्यूज

### रथींद्रनाथ दास दूसरी बार बने बार एसोसिएशन के अध्यक्ष

**JAMSHEDPUR :** जिला बार एसोसिएशन के चुनाव में रथींद्रनाथ दास दूसरी बार अध्यक्ष के पद पर निर्वाचित हुए। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी मलकीत सिंह सैनी को हराया, उन्हें 567 वोट मिले, जबकि सैनी को 346 मतों से संतोष करना पड़ा। इस चुनाव में वरिष्ठ अधिवक्ता बलाई पंडा उपाध्यक्ष, बिनीता सिंह व संजीव रंजन बरियार संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष जयप्रकाश भगत, पुष्पा कुमारी सहायक कोषाध्यक्ष, महासचिव के पद पर अधिवक्ता राजेश रंजन व अजय सिंह राठौर के बीच कड़ी टक्कर रही। हालांकि, राजेश रंजन का पलड़ा भारी प्रतीत हो रहा है। 24 अगस्त को एसोसिएशन के द्विवार्षिक (2024-2026) चुनाव के लिए मतदान शांतिपूर्वक संपन्न हुआ। कुल 1520 मतदाताओं में से 1322 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

# ब्राजील से आए छात्र विटोर को डीबीएमएस में मिला दाखिला


ब्राजील के छात्र का स्वागत करते रोटेरियन • फोटोन न्यूज

**JAMSHEDPUR :** रोटरी यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के तहत ब्राजील के साओ पाउलो से विटोर नामक एक छात्र जमशेदपुर आया है। वे ब्राजील से कोलकाता होते हुए मेजबान भाई भव्य आडेसरा के साथ जमशेदपुर पहुंचे। विटोर का मेजबान आडेसरा परिवार है। विटोर का एडमिशन डीबीएमएस इंग्लिश स्कूल में 11वीं कक्षा में हुआ है। वे अगली सप्ताह से स्कूल जाएंगे। इस पूरे कार्यक्रम का संचालन पीडीजी रोनाल्ड डिकोस्टा और सतनाम कपुला द्वारा किया जा रहा है रोटरी क्लब ऑफ जमशेदपुर फेमिना की चार्टर अध्यक्ष पसम आडेसरा, मेजबान मां जास्मिन आडेसरा और अन्य रोटरी सदस्य ने पारंपरिक भारतीय तरीके से स्वागत किया। विटोर ब्राजील से जमशेदपुरवासी किआ आडेसरा के बदले आए हैं। किआ आडेसरा भी 11वीं कक्षा की छात्रा हैं और एक वर्ष के लिए साओ पाउलो गईं हैं।

## मारवाड़ी युवा मंच के आयोजन में 350 से ज्यादा प्रतिभागी हुए शामिल, कान्वेंट स्कूल के सामने हुआ समापन

# राष्ट्रीय खेल दिवस पर जमशेदपुर में हुआ भव्य साइक्लोथॉन

**PHOTON NEWS JSR :** राष्ट्रीय खेल दिवस पर रविवार को मारवाड़ी युवा मंच की जमशेदपुर शाखा, टाटानगर अचीवर्स शाखा, स्टील सिटी शाखा और अग्रवाल युवा मंच जमशेदपुर द्वारा पहली बार संयुक्त रूप से साइक्लोथॉन का भव्य आयोजन किया गया। इसमें 350 से अधिक लोग शामिल हुए, जिनमें 250 प्रतिभागियों ने निःशुल्क पंजीकरण कराया। 100 को विशिष्ट इवेंट टीशर्ट प्रदान की गईं, जबकि सभी 250 प्रतिभागियों को रिस्टबैंड व पार्टिसिपेशन सर्टिफिकेट दिया गया। यह आयोजन सर दोराबजी टाटा पार्क (मोदी पार्क) बिष्टुपुर से बाग-ए-जमशेद गोलचक्कर, रेडक्रॉस सोसाइटी, जुबिली पार्क गेट और डीसी ऑफिस गोलचक्कर से होते हुए कॉन्वेंट स्कूल के सामने समाप्त हुआ। मालूम हो कि इसका आयोजन देश भर में एक साथ मंच की 851 शाखाओं द्वारा किया गया था, जिसमें 1,50,000 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।


बिष्टुपुर में साइक्लोथॉन में शामिल छात्र व युवा • फोटोन न्यूज

**विजयी प्रतिभागियों को मिला सम्मान :** साइक्लोथॉन को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया था। बच्चे (15 वर्ष से कम), पुरुष और महिलाएं। प्रत्येक वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजयी प्रतिभागियों को विधिवत पदक और चांदी का सिक्का और द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विजयी प्रतिभागियों को पदक दिया गया। बच्चों की श्रेणी (15 वर्ष और उससे कम) में यश कुमार प्रथम, निखिल सिंह दूसरे और जयप्रकाश तीसरे स्थान पर रहे। महिलाओं में ऋचा केडिया प्रथम, वाटिका शाह द्वितीय और संस्कृति शर्मा तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों में सायन कच्छप प्रथम, राजेश मलिक द्वितीय और निर्माण मंडल तीसरे स्थान पर रहे।

**इनकी रही मौजूदगी :** कार्यक्रम में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरभ तिवारी, पूर्व विधायक कुणाल षाड़ंगी, मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष अरुण गुप्ता, सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका, महासचिव मानव केडिया, कोषाध्यक्ष सीए अनिल रिंगसिया, उपाध्यक्ष राजीव अग्रवाल, सचिव विनोद शर्मा, मारवाड़ी सम्मेलन जुगसलाई शाखा अध्यक्ष सुरेश शर्मा लिप्पू, मंच के प्रदेश महासचिव सार्थक अग्रवाल, संयोजक विष्णु गोयल एवं मोहित मूनका, राजीव अग्रवाल दीपक चेतनी आदि उपस्थित थे।

**इनका रहा योगदान:** आयोजन को सफल बनाने में प्रमुख रूप से मायुमं जमशेदपुर शाखा अध्यक्ष अश्विनी अग्रवाल, टाटानगर अचीवर्स शाखा अध्यक्ष अंशुल रिंगसिया, स्टील सिटी शाखा अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल तथा अग्रवाल युवा मंच जमशेदपुर के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल सहित चारो शाखाओं के सचिव विकास शर्मा, विजय सोनी, आलोक अग्रवाल, महेश भाऊका, कोषाध्यक्ष प्रकाश बजाज, प्रतीक अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, गौरव अग्रवाल सहित चारो शाखाओं के सभी सम्मानित सदस्यों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

# भगवान श्रीकृष्ण का प्राकट्य उत्सव

# जन्माष्टमी

**कृष्ण जन्माष्टमी भगवान श्री कृष्ण का जनमोत्सव है। योगेश्वर कृष्ण के भगवद गीता के उपदेश अनादि काल से जनमानस के लिए जीवन दर्शन प्रस्तुत करते रहे हैं। जन्माष्टमी को भारत में हीं नहीं बल्कि विदेशों में बसे भारतीय भी इसे पूरी आस्था व उल्लास से मनाते हैं। श्रीकृष्ण ने अपना अवतार भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मध्यरात्रि को अत्याचारी कंस का विनाश करने के लिए मथुरा में लिया। चूंकि भगवान स्वयं इस दिन पृथ्वी पर अवतरित हुए थे अत- इस दिन को कृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाते हैं। इसीलिए श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर मथुरा नगरी भक्ति के रंगों से सराबोर हो उठती है।**

भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का दिन बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। कृष्ण जन्मभूमि पर देश विदेश से लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती हें और पूरे दिन व्रत रखकर नर-नारी तथा बच्चे रात्रि 12 बजे मन्दिरों में अभिषेक होने पर पंचामृत ग्रहण कर व्रत खोलते हैं। कृष्ण जन्म स्थान के अलावा द्वारकाधीश, बिहारीजी एवं अन्य सभी मन्दिरों में इसका भव्य आयोजन होता हैं, जिनमें भारी भीड़ होती है।

## माखनचोर कृष्ण

भगवान श्रीकृष्ण ही थे, जिन्होंने अर्जुन को कायरता से वीरता, विषाद से प्रसाद की ओर जाने का दिव्य संदेश श्रीमदभगवदगीता के माध्यम से दिया। कालिया नाग के फन पर नृत्य किया, विदुराणी का साग खाया और गोवर्धन पर्वत को उठाकर गिरिधारी कहलाये। समय पड़ने पर उन्होंने दुर्योधन की जंघा पर भीम से प्रहार करवाया, शिशुपाल की गालियाँ सुनी, पर क्रोध आने पर सुदर्शन चक्र भी उठाया।

अर्जुन के सारथी बनकर उन्होंने पाण्डवों को महाभारत के संग्राम में जीत दिलवायी। सोलह कलाओं से पूर्ण वह भगवान श्रीकृष्ण ही थे, जिन्होंने मित्र धर्म के निर्वाह के लिए ग़रीब सुदामा के पोटली के कच्चे चावलों को खाया और बदले में उन्हें राज्य दिया। उन्हीं परमदयालु प्रभु के जन्म उत्सव को जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है।

## विष्णु के आठवें अवतार

भगवान श्रीकृष्ण विष्णुजी के आठवें अवतार माने जाते हैं। यह श्रीविष्णु का सोलह कलाओं से पूर्ण भव्यतम अवतार है। श्रीराम तो राजा दशरथ के यहाँ एक राजकुमार के रूप में अवतरित हुए थे, जबकि श्रीकृष्ण का प्राकट्य आततायी कंस के कारागार में हुआ था। श्रीकृष्ण का जन्म भाद्रपद कृष्ण अष्टमी की मध्यरात्रि को रोहिणी नक्षत्र में देवकी व श्रीवसुदेव के पुत्ररूप में हुआ था। कंस ने अपनी मृत्यु के भय से बहिन देवकी और वसुदेव को कारागार में क़ैद किया हुआ था।

कृष्ण जन्म के समय घनघोर वर्षा हो रही थी। चारों तरफ़ घना अंधकार छाया हुआ था। श्रीकृष्ण का अवतरण होते ही वसुदेवङ्कदेवकी की बेड़ियाँ खुल गईं, कारागार के द्वार स्वयं ही खुल गए, पहरेदार गहरी निद्रा में सो गए। वसुदेव किसी तरह श्रीकृष्ण को उफनती यमुना के पार गोकुल में अपने मित्र नन्दगोप के घर ले गए। वहाँ पर नन्द की पत्नी यशोदा को भी एक कन्या उत्पन्न हुई थी। वसुदेव श्रीकृष्ण को यशोदा के पास सुलाकर उस कन्या को ले गए। कंस ने उस कन्या को पटककर मार डालना चाहा। किन्तु वह इस कार्य में असफल ही रहा। श्रीकृष्ण का लालनङ्कपालन यशोदा व नन्द ने किया। बाल्यकाल में ही श्रीकृष्ण ने अपने मामा के द्वारा भेजे गए अनेक राक्षसों को मार डाला और उसके सभी कुप्रयासों को विफल कर दिया। अन्त में श्रीकृष्ण ने आतातायी कंस को ही मार दिया। श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का नाम ही जन्माष्टमी है। गोकुल में यह त्योहार गोकुलाष्टमी के नाम से मनाया जाता है।

श्रावण (अमान्त) कृष्ण पक्ष की अष्टमी को कृष्ण जन्माष्टमी या जन्माष्टमी व्रत एवं उत्सव प्रचलित है, जो भारत में सर्वत्र मनाया जाता है और सभी व्रतों एवं उत्सवों में श्रेष्ठ माना जाता है। कुछ पुराणों में ऐसा आया है कि यह भाद्रपद के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को मनाया जाता है। इसकी व्याख्या इस प्रकार है कि पौराणक वचनों में मास पूर्णिमान्त है तथा इन मासों में कृष्ण पक्ष प्रथम पक्ष है। पद्म पुराण, मत्स्य पुराण, अग्नि पुराण में कृष्ण जन्माष्टमी के माहात्म्य का विशिष्ट उल्लेख है।

संकल्प और प्राणप्रतिष्ठा

व्रती को किसी नदी (या तालाब या कहीं भी) में तिल के साथ दोपहर में स्नान करके यह संकल्प करना चाहिएङ्क मैं कृष्ण की पूजा उनके सहगामियों के साथ करूँगा। उसे सोने या चाँदी आदि की कृष्ण प्रतिमा बनवानी चाहिए, प्रतिमा के गालों का स्पर्श करना चाहिए और मंत्रों के साथ उसकी प्राण प्रतिष्ठा करनी चाहिए। उसे मंत्र के साथ देवकी व उनके शिशु श्री कृष्ण का ध्यान करना चाहिए तथा वसुदेव, देवकी, नन्द, यशोदा, बलदेव एवं चण्डिका की पूजा स्नान, धूप, गंध, नैवेद्य आदि के साथ एवं मंत्रों के साथ करनी चाहिए। तब उसे प्रतीकात्मक ढंक से जातकर्म, नाभि छेदन, षष्ठीपूजा एवं नामकरण संस्कार आदि करने चाहिए। तब चन्द्रोदय (या अर्धरात्रि के थोड़ी देर उपरान्त) के समय किसी वेदिका पर अर्घ्य देना चाहिए, यह अर्घ्य रोहिणी युक्त चन्द्र को भी दिया जा सकता है, अर्घ्य में शंख से जल अर्पण होता है, जिसमें पुष्प, कुश, चन्दन लेप डाले हुए रहते हैं। यह सब एक मंत्र के साथ में होता है। इसके उपरान्त व्रती को चन्द्र का नमन करना चाहिए और दण्डवत झुक जाना चाहिए तथा वासुदेव के विभिन्न नामों वाले श्लोकों का पाठ करना चाहिए और अन्त में प्रार्थनाएँ करनी चाहिए।

रात्रि जागरण और पूजन

व्रती को रात्रि भर कृष्ण की प्रशंसा के स्रोतों, पौराणिक कथाओं, गानों एवं नृत्यों में संलग्न रहना चाहिए। दूसरे दिन प्रात- काल के कृत्यों के सम्पादन के उपरान्त, कृष्ण प्रतिमा का पूजन करना चाहिए, ब्राह्मणों को भोजन देना चाहिए, सोना, गौ, वस्त्रों का दान, मुझ पर कृष्ण प्रसन्न हों शब्दों के साथ करना चाहिए।

## श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

देश भर के श्रद्धालु जन्माष्टमी पर्व को बड़े भव्य तरीक़े से एक महान पर्व के रूप में मनाते हैं।सभी कृष्ण मन्दिरों में अति शोभावान महोत्सव मनाए जाते हैं। विशेष रूप से यह महोत्सव वृन्दावन, मथुरा (उत्तर प्रदेश), द्वारका (गुजरात), गुरुवयूर (केरल), उड्डपी (कर्नाटक) तथा इस्कॉन के मन्दिरों में होते हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का उत्सव सम्पूर्ण ब्रजमण्डल में, घर-घर में, मन्दिर-मन्दिर में मनाया जाता है। अधिकतर लोग व्रत रखते हैं और रात को बारह बजे ही पंचामृत या फलाहार ग्रहण करते हैं। मथुरा के जन्मस्थान में विशेष आयोजन होता है। सवारी निकाली जाती है। दूसरे दिन नन्दोत्सव मन्दिरों में दधिकाँदों होता है। फल, मिष्ठान, वस्त्र, बर्तन, खिलौने और रुपये लुटाए जाते हैं। जिन्हें प्राय: सभी श्रद्धालु लूटकर धन्य होते हैं। गोकुल, नन्दगाँव, वृन्दावन आदि में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की बड़ी धूम-धाम होती है।

## छबीले का छप्पन भोग

श्रीकृष्ण आजीवन सुख तथा विलास में रहे, इसलिए जन्माष्टमी को इतने शानदार ढंग से मनाया जाता है। इस दिन अनेक प्रकार के मिष्ठान बनाए जाते हैं। जैसे लड्डू, चकली, पायसम (खीर) इत्यादि। इसके अतिरिक्त दूध से बने पकवान, विशेष रूप से मक्खन (जो श्रीकृष्ण के बाल्यकाल का सबसे प्रिय भोजन था), श्रीकृष्ण को अर्पित किया जाता है। तरह-तरह के फल भी अर्पित किए जाते हैं। परन्तु लगभग सभी लोग लड्डू या खीर बनाना व श्रीकृष्ण को अर्पित करना श्रेष्ठ समझते हैं। विभिन्न प्रकार के पकवानों का भोजन तैयार किया जाता है तथा उसे श्रीकृष्ण को समर्पित किया जाता है।

# कृष्ण जन्माष्टमी पर कैसे करें पूजन

सभी दृष्टि से कृष्ण पूर्णावतार हैं। आध्यात्मिक, नैतिक या दूसरी किसी भी दृष्टि से देखेंगे तो मालूम होगा कि कृष्ण जैसा समाज उद्धारक दूसरा कोई पैदा हुआ ही नहीं है। जब-जब भी धर्म का पतन हुआ है और धरती पर असुरों के अत्याचार बढ़े हैं तब-तब भगवान ने पृथ्वी पर अवतार लेकर सत्य और धर्म की स्थापना की है। भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी की मध्यरात्रि को अत्याचारी कंस का विनाश करने के लिए मथुरा में भगवान श्रीकृष्ण ने अवतार लिया था। ऐसे भगवान कृष्ण के व्रत-पूजन से संबंधित जानकारी प्रस्तुत है -

## कैसे करें व्रत-पूजन

- उपवास की पूर्व रात्रि को हल्का भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें।
- उपवास के दिन प्रात:काल स्नानादि नित्यकर्मों से निवृत्त हो जाएं। पश्चात सूर्य, सोम, यम, काल, संधि, भूत, पवन, दिक्पति, भूमि, आकाश, खेचर, अमर और ब्रह्मादि को नमस्कार कर पूर्व या उत्तर मुख बैठें।
- इसके बाद जल, फल, कुश और गंध लेकर संकल्प करें -

ममखिलपापप्रशमनपूर्वक सर्वाभीष्ट सिद्धये

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं करिष्ये॥

अब मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकीजी के लिए सूतिकागृह नियत करें।

- तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।
- मूर्ति में बालक श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती हुई देवकी हों और लक्ष्मीजी उनके चरण स्पर्श किए हों अथवा ऐसे भाव हो।
- इसके बाद विधि-विधान से पूजन करें।
- पूजन में देवकी, वासुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमश: निर्दिष्ट करना चाहिए।

फिर निम्न मंत्र से पुष्पांजलि अर्पण करें -

प्रणमे देव जननी त्वया जातस्तु वामन:।

वसुदेवात तथा कृष्णो नमस्तुभ्यं नमो नम:।

सुपुत्रार्घ्यं प्रदतं में गृहाणेमं नमोऽस्तुते।

अंत में रतजगा रखकर भजन-कीर्तन करें। साथ ही प्रसाद वितरण करके कृष्ण जन्माष्टमी पर्व मनाएं।

## जन्माष्टमी पूजन सामग्री की सूची

**पूजन सामग्री** - श्रीकृष्ण का पाना (अथवा मूर्ति), गणेशजी की मूर्ति, अम्बिका की मूर्ति, सिंहासन (चौकी, आसन), पंच पल्लव, (बड़, गूलर, पीपल, आम और पाकर के पत्ते), पंचामृत, तुलसी दल, केले के पत्ते, (यदि उपलब्ध हों तो खंभे सहित), औषधि, (जटामॉसी, शिलाजीत आदि) दीपक, बड़े दीपक के लिए तेल, बन्दनवार, अर्घ्य पात्र सहित अन्य सभी पात्र।

**सुगंधित एवं अन्य सामग्री** - इत्र की शीशी, धूप बत्ती (अगरबत्ती), कपूर, केसर, चंदन, यज्ञोपवीत 5, कुंकु, चावल, अबीर, गुलाल, अभ्रक, हल्दी, आभूषण, नाड़ा, रुई, रोली, सिंदूर, सुपारी, मौली, पान के पत्ते, पुष्पमाला, कमलगट्टे, तुलसीमाला।

**धन धान्य** - धनिया खड़ा, सप्तमृतिका, सप्तधान्य, कुशा व दूर्वा, पंच मेवा, गंगाजल, शहद (मधु), शक्कर, घृत (शुद्ध घी), दही, दूध, ऋतुफल, नैवेद्य या मिष्ठान्न, (पेड़ा, मालपुए इत्यादि), इलायची (छोटी), लौंग, ताम्बूल (लौंग लगा पान का बीड़ा), श्रीफल (नारियल), धान्य (चावल, गेहूं), पुष्प (गुलाब एवं लाल कमल), एक नई थैली में हल्दी की गांठ आदि।

**वस्त्र** - श्रीकृष्ण को अर्पित करने हेतु वस्त्र, गणेशजी को अर्पित करने हेतु वस्त्र, अम्बिका को अर्पित करने हेतु वस्त्र, जल कलश (तांबे या मिट्टी का), सफेद कपड़ा (आधा मीटर), लाल कपड़ा (आधा मीटर), पंच रत्न (सामर्थ्य अनुसार)।

# श्रीकृष्ण वर्तमान संदर्भ में

गीता के उपदेश की सार्थकता इसी में थी कि अर्जुन युद्ध करने के लिए तैयार हो जाए। वह पूरे मनोयोग से युद्ध करने के लिए न केवल तत्पर ही हुआ अपितु महाभारत युद्ध के विजेता का गौरव भी प्राप्त कर सका। उस समय केवल एक अर्जुन था, परन्तु आज की परिस्थिति में प्रत्येक भारतवासी को अर्जुन बनना पड़ेगा तभी भगवान श्रीकृष्ण की आराधना एवं गीता का अध्ययन-मनन सार्थक हो सकेगा। महाभारत काल में वैदिक ज्ञान-विज्ञान प्राय: लुप्त हो चुका था और तात्कालीन सामाजिक व्यवस्था लड़खड़ा गई थी।

गीता के उपदेश की सार्थकता इसी में थी कि अर्जुन युद्ध करने के लिए तैयार हो जाए। वह पूरे मनोयोग से युद्ध करने के लिए न केवल तत्पर ही हुआ अपितु महाभारत युद्ध के विजेता का गौरव भी प्राप्त कर सका।

उस समय केवल एक अर्जुन था, परन्तु आज की परिस्थिति में प्रत्येक भारतवासी को अर्जुन बनना पड़ेगा तभी भगवान श्रीकृष्ण की आराधना एवं गीता का अध्ययन-मनन सार्थक हो सकेगा। महाभारत काल में वैदिक ज्ञान-विज्ञान प्राय: लुप्त हो चुका था और तात्कालीन सामाजिक व्यवस्था लड़खड़ा गई थी। इनके स्थान पर आत्मा के सच्चे स्वरूप के विषय में सामाजिक कर्तव्य के विषय में उस युग के तत्ववादियों के विभिन्न मतों का एक जंजाल ही दिखाई देने लगा था, उदाहरणार्थ प्रज्ञावाद, नियतिवाद, भूतवाद,स्वभाववाद, यदृच्छावाद, सद्सद्वाद, योनिवाद आदि चिन्तनधाराएँ उस काल में जन्म ले चुकी थीं, परिणामत: समाज लड़खड़ा रहा था और मतिभ्रम उत्पन्न हो गया था।

## हर एक बने अर्जुन

यदि अर्जुन युद्ध से पलायन कर जाता तो क्या स्थिति बनती। द्रौपदियों की लाज सरेआम नीलाम होती दिखाई देती। आज हर एक क ओ अर्जुन बनना होगा। जैसा कि वर्तमान में वैदिक ज्ञान के अभाव में अनेक मत, पंथ, संप्रदायों ने समाज को छिन्न-भिन्न और मृतप्राय बना रखा है। तात्पर्य यह है कि वैचारिक क्षेत्र में वर्तमान का परिदृश्य महाभारत काल के परिदृश्य से काफी कुछ मिलता-जुलता है। इन सभी मत-वादों के कारण उस काल में समाज विभिन्न वर्गों में विभाजित तो हो ही चुका था अपितु अकर्मण्यता भी बढ़ती जा रही थी। उस काल की विभिन्न विचारधाराओं में कुछ धाराएँ उन ज्ञानमार्गियों की थीं, जो कर्म को त्याज्य व बन्धन का कारण मानते थे। आज भी हमें इस स्थिति के दर्शन होते हैं। समाज टुकड़ों में विभाजित है और समाज, संस्कृति और देश हित के प्रति उदासीन अकर्मण्यों की जमात बड़ी संख्या में दिखाई दे रही है। मान लीजिए, यदि अर्जुन युद्ध से पलायन कर जाता तो क्या स्थिति बनती? स्पष्ट है दुर्बुद्धि दुर्योधन जैसे स्वार्थी, अनाचारी और अधर्मियों की जमात बढ़ जाती और भीष्म, द्रोणाचार्य जैसे व्यक्ति उनकी हाँ में हाँ मिलाते दिखाई देते। द्रौपदियों की लाज सरेआम नीलाम होती दिखाई देती। अन्याय और हठधर्मिता का सर्वत्र साम्राज्य हो जाता। सोचिए और अपने अन्त:करण में विश्लेषण कीजिए कि अर्जुन का युद्ध करना कितना उचित था?

# विकारी कंस का अंत करने के लिए ही जन्मे थे भगवान श्रीकृष्ण!

डॉ श्रीगोपाल नारसन

**वृंदावन, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली कहा जाता है, में जन्माष्टमी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के दिन ही विशेष मंगला आरती की जाती है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।**

भाद्रपद महीने के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रात 12 बजे के समय श्रीकृष्ण ने कंस का अंत करने के लिए ही धरती पर जन्म लिया था। तभी से उनके जन्मदिन को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के रूप में मनाया जाता है।इस बार पंचांग के अनुसार, सुबह 5 बजकर 55 मिनट से 7 बजकर 36 मिनट तक अमृत चौघड़िया रहने वाला है। ये योग पूजा के लिए शुभ है। इसके बाद अमृत चौघड़िया पूजन का मुहूर्त 3 बजकर 36 मिनट 6 बजकर 48 मिनट तक है।

निशीथ काल में भी आप पूजा कर सकते हैं, जो रात में 12 बजकर 1 मिनट से 11 बजकर 44 मिनट तक है।भगवान के जन्मोत्सव को लेकर भक्तों में अलग ही उत्साह और धूम देखने को मिलती है। इस दिन भक्त सच्चे मन से भगवान की पूजा-अर्चना कर उनके नाम का उपवास रखते हैं, रात्रि के समय भगवान को स्नान आदि करा 56 भोग का प्रसाद चढ़ाया जाता है, इसके बाद श्रीकृष्ण के जन्म के समय विशेष पूजा की जाती है।इस बार जन्माष्टमी पर चंद्रमा वृषभ राशि में ही विराजमान रहेंगे, माना जाता है कि जब कृष्ण भगवान का जन्म हुआ था तब भी ऐसा ही योग बना था। इस बार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सोमवार को मनाई जा रही है, सोमवार के दिन ही भगवान कृष्ण का नामकरण हुआ था। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग का संयोग भी बन रहा है।जन्माष्टमी भले ही रंगों का त्यौहार न हो,लेकिन इस दिन अलग अलग रंग के कपड़ों का अलग महत्व होता है। कुछ रंगों के कपड़ों को पहनना बहुत शुभ माना जाता है। कुछ रंग तो भगवान श्रीकृष्ण को बेहद प्रिय रहे हैं और इन रंगों को पहनने से व्यक्ति को मानसिक शांति और आध्यात्मिक उन्नति की प्राप्ति होती है। वैसे तो त्योहार के दिन किसी भी हल्के रंग के कपड़ों को पहनना शुभ माना जाता है, मगर कुछ रंगों का चयन अत्यंत लाभकारी होता है। भगवान श्री कृष्ण के प्रति अपने मन में श्रद्धा और भक्ति रखकर अपने कपड़ों के लिए मनमुताबिक रंग का ड्रेस खरीद सकते

हैं।गुलाबी रंग प्रेम और सुख का प्रतीक है। इस रंग को शुक्र ग्रह से भी जोड़कर देखा जाता है। जन्माष्टमी के दिन गुलाबी रंग के कपड़े पहन सकते हैं ,जो जीवन में प्रेम और सुख-समृद्धि का प्रतीक है।जन्माष्टमी के त्योहार के लिए लाल रंग को बेहद शुभ माना जाता है। लाल रंग ऊर्जा और साहस का प्रतीक भी माना जाता है। लाल रंग को मंगल ग्रह से भी जोड़ कर देखा जाता है। ऐसे में इस साल कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार पर लाल रंग के कपड़े पहनते हैं तो जीवन में भी अकूत उत्साह और ऊर्जा की वृद्धि होगी।पीला रंग भगवान विष्णु का प्रिय रंग है, धर्मिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण उन्हीं के अवतार हैं। ऐसे में अगर जन्माष्टमी के दिन पीले रंग के कपड़े पहनते हैं तो जीवन में खुशियां और समृद्धि बनी रहती है। साथ ही भगवान कृष्ण की विशेष कृपा बनी रहती है।सफेद रंग शांति का प्रतीक है और इसे चंद्रमा से जोड़कर देखा जाता है। ऐसे में सफेद रंग के कपड़े पहने तो जीवन में सुख-शांति और समृद्धि बढ़ती है।नीला रंग को सीधे तौर पर भगवान श्रीकृष्ण से जोड़कर देखा जाता है।नीले रंग का कपड़ा पहनने से मानसिक शांति मिलती है, साथ ही जीवन की अन्य परिस्थितियों में भी संतुलन बना रहता है।हरे रंग को हरियाली से जोड़कर देखा जाता है। साथ ही हरे रंग को खुशहाली का प्रतीक भी माना जाता है। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन अगर आप हरे रंग का कपड़ा पहते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा हमेशा बनी रहती है।जन्माष्टमी पर लाखों कृष्ण भक्त मंदिर में ठाकुर जी के बाल रूप के दर्शन करने पहुंचते हैं। मथुरा और वृंदावन में तो जन्माष्टमी की धूम रहती है। जन्माष्टमी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का प्रतीक है, जो अधर्म पर धर्म की विजय और प्रेम, भक्ति, और ज्ञान का संदेश देता है।जन्माष्टमी पर गायन है,नन्द के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कन्हैया लाल की।श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार, जन्माष्टमी के उत्सव की शुरूआत 26 अगस्त को सुबह 5.30 बजे मंगला आरती से होगी। इसके बाद, सुबह 8.00 बजे भगवान का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। रात्रि 11.00 बजे से मुख्य कार्यक्रमों का शुभारंभ होगा, जिसमें श्रीकृष्ण के जन्म की महाआरती का आयोजन विशेष आकर्षण होगा। मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों को भव्य रूप से सजाया गया है, जिससे श्रद्धालु यहां आकर आस्था और भक्ति के वातावरण में डूब सकें।

वृंदावन, जिसे भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली कहा जाता है, में जन्माष्टमी का पर्व 27 अगस्त को मनाया जाएगा। वृंदावन के प्रसिद्ध बांके बिहारी मंदिर में इस अवसर पर विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन होगा। बांके बिहारी मंदिर में जन्माष्टमी के दिन ही विशेष मंगला आरती की जाती है, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं।जन्माष्टमी की रात 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण का बाला महाभिषेक किया जाएगा, जो कि करीब 2 घंटे तक चलेगा। यह अभिषेक केवल एक बार, इसी दिन किया जाता है। इसके बाद ठाकुर जी को पीतांबरी पोशाक और चिरौंजी मेवे से बनी पंजीरी का भोग लगाया जाएगा। इस महाभिषेक और मंगला आरती को देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ेगी, जिससे पूरे वृंदावन का वातावरण भक्तिमय हो जाएगा।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

## संपादकीय

## चुनाव और राजनीति

शासित प्रदेश जम्मूझकश्मीर में विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद से अब तक यहां दो महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटनाएं हुई हैं जो किसी-न-किसी रूप में चुनाव परिणामों को प्रभावित करने वाले साबित हो सकते हैं। पहला राम माधव की भाजपा की मुख्यधारा की राजनीति में वापसी और दूसरा कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी की जम्मू-कश्मीर की यात्रा। आतंकवाद से पीड़ित इस सूबे में एक दशक बाद चुनाव होने जा रहा है। 2014 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 25 सीटों पर विजय हासिल थी। पार्टी के लिए यह भारी जीत थी क्योंकि 2008 के चुनाव में उसे केवल 11 सीटें मिली थीं। 2014 के चुनाव में भाजपा को जो जीत हासिल हुई थी उसका श्रेय राम माधव को दिया गया था। वह तब सूबे के चुनाव प्रभारी थे। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के साथ भाजपा के गठबंधन का सूत्रधार भी उन्हें ही माना जाता है। उनकी इसी प्रतिभा के कारण शायद भाजपा ने फिर से उन्हें सूबे का चुनाव प्रभारी बनाया है। संविधान के अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद सूबे की प्रकृति काफी बदल गई है। जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश है और परिसीमन के बाद विधानसभा की सीटें बढ़कर 90 हो गई हैं। जम्मू संभाग में पहले ३७ सीटें थीं, जो अब बढ़कर 43 हो गई हैं। कश्मीर घाटी में 47 सीटें हैं। सूबे में पहली बार अनुसूचित जनजाति के लिए 9 सीटें आरक्षित हैं। जाहिर है अब नई तरह की परिस्थितियां हैं ऐसे में सभी राजनीतिक दलों को नई चुनौतियों का सामना करना होगा। राहुल गांधी की कश्मीर यात्रा के बाद कांग्रेस और नेशनल कांफ्रेंस के बीच चुनावी गठबंधन को लेकर जो धुंध की चादर पड़ी हुई थी वह छंट गई है। फारुख ने अनु. 370 बहाल करने की बात कही जबकि राहुल ने इसका जिक्र नहीं किया। अलबत्ता दोनों ने राज्य का दर्जा बहाल करने को प्राथमिकता बताया। चुनाव परिणामों की दृष्टि से देखा जाए तो घाटी में भाजपा की स्थिति कमजोर है जबकि जम्मू संभाग में कांग्रेस, एनसी और पीड़ीपी का जनाधार मजबूत नहीं है। यह सुनिश्चित है कि सूबे में किसी एक दल को बहुमत नहीं मिलने वाला।

## चिंतन-मनन

## सुख की उपेक्षा क्यों?

मेरे पास लोग आते हैं। जब वे अपने दुख की कथा रोने लगते हैं, तो बड़े प्रसन्न मालूम होते हैं। उनकी आंखों में चमक मालूम होती है। जैसे कोई बड़ा गीत गा रहे हों! अपने घाव खोलते हैं, लेकिन लगता है जैसे कमल के फूल ले आए हैं। सुख की तो कोई बात ही नहीं करता। और ऐसा नहीं है कि सुख नहीं है; हम सुख पर पर ध्यान नहीं देते हैं। हम दुःख-दुख चुन लेते हैं; हम सुख की उपेक्षा कर देते हैं। फिर जिसकी उपेक्षा कर देते हैं, स्वभावतः धीरे-धीरे वह दूर चला जाता है और जिसमें हम रस लेते हैं वह पास होता चला जाता है। संतों की बात तुम्हें तभी जमेगी, रुचेगी, भली लगेगी, प्रीतिकर मालूम होगी-जब तुम दुख को पकड़ना छोड़ दोगे; जब तुम जागोगे और सुख की सचेष्ट खोज शुरू करोगे। तुम्हारे भीतर अगर अभी भी दुख को पकड़ने का आयोजन चल रहा है, तो संतों के वचन तुम्हारे कानों में गूजेंगे और खो जाएंगे। तुम्हारे हृदय तक नहीं पहुंचेंगे। क्योंकि संतों के वचनों में बड़ा सुख भरा है। तुम सुखोन्मुख हो जाओ, तुम आनंद की खोज में लग जाओ; तो ये एक-एक शब्द ऐसे जाएंगे तुम्हारे भीतर जैसे तीर चले जाएं। और ये एक-एक शब्द तुम्हारे भीतर ऐसे-ऐसे हजार-हजार फूल खिला देंगे, जैसे कभी न खिले थे। तुम्हारे भीतर बड़ी रोशनी होगी।

ये छोटे-छोटे शब्द हैं। मगर ये बड़े सार्थक शब्द हैं। सुनो- ह्यबोलू हरिनाम तू छोड़ि दे काम सब, सहज में मुक्ति होई जाय तेरी।काम यानी कामना। काम यानी वासना। काम यानी इच्छा, तृष्णा। यह मिले वह मिले-कुछ मिले! जब तक हम मिलने की दौड़ में होते हैं, हम भिखमंगे होते हैं। और जब तक हम भिखमंगे होते हैं, तब तक परमात्मा नहीं मिलता। परमात्मा भिखमंगों को मिलता ही नहीं। परमात्मा सम्राटों को मिलता है। परमात्मा उनको मिलता है जो अपने मालिक है। परमात्मा उनको मिलता है जो कुछ मांगते ही नहीं। असल में वे ही परमात्मा को मांगने में कुछ सफल हो पाते हैं, जो और कुछ नहीं मांगते। जिन्होंने कुछ और मांगा, वे परमात्मा को कैसे मांगेंगे। वह जबान फिर परमात्मा को मांगने के योग्य न रह गई। वह जबान अपवित्र हो गई। जिस जबान से बेटा मांगा, बेटी मांगी, धन मांगा, पद मांगा, प्रतिष्ठा मांगी-उसी जबान से परमात्मा को मांगोगे? इस जहर भरे पात्र में अमृत रखोगे? यह जबान जब तक मांगती है तब तक संसार है। जिस दिन यह जबान मांगती नहीं, उस दिन परमात्मा की यात्रा शुरू हुई। उस दिन बिन मांगे मिलता है। ऐसे तो मांगे-मांगे भी नहीं मिलता।

# शासन और प्रशासन के सामने न्यायपालिका का समर्पण?

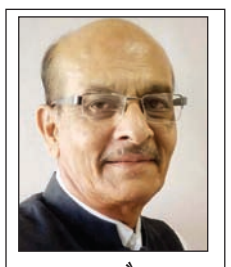

सनत जैन

पिछले कुछ वर्षों से सरकार और प्रशासन के निर्देश पर तुरंत दान महाकल्याण की तरह, घटनास्थल पर ही फैसला करने की प्रवृत्ति बढ़ती ही जा रही है। भीड़तंत्र भी सरकार और प्रशासन से जो चाहता है वह करा लेता है। कानून के नाम पर शासन और प्रशासन को जो अधिकार मिले हैं यदि उनके द्वारा इनका दुरुपयोग किया जाता है तो ऐसी स्थिति में जनता का विश्वास शासन और प्रशासन पर खत्म होने लगता है। शासन और प्रशासन अपने ही बनाए गए कानून का पालन नहीं कर रहे हैं। न्यायपालिका के अधिकारों का उपयोग प्रशासन खुलकर करने लगा है। इसके बाद भी भारत की न्यायपालिका मौन साध करके तमाशा देख रही है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा रहा है, न्यायपालिका ने सरकार और प्रशासन के सामने समर्पण कर दिया है। भारत में संविधान लागू है। किसी भी मामले में विवाद अथवा अपराध होने पर जांच एजेंसी जांच करती हैं। जांच करने के बाद न्यायालय में मामले को पेश करती हैं। फैसला न्यायपालिका को ही करना होता है। शासन को कानून और नियम बनाने का अधिकार है। संविधान के दायरे में नागरिकों के मौलिक अधिकारों को सुरक्षित रखते हुए, कानून और नियम बनाने के अधिकार सरकार के पास हैं। सरकार द्वारा बनाए गए कानून और नियमों का पालन कराने का अधिकार संविधान ने प्रशासन को दिया है। कानून का उल्लंघन करने के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाता है। फैसला न्यायालय ही कर सकती है। फैसला करने का अधिकार शासन और प्रशासन को नहीं है। पिछले कुछ वर्षों में बुलडोजर संस्कृति और भीड़तंत्र तुरत-फुरत फैसला कर रहा है। शासन और प्रशासन किसी को भी अपराधी घोषित कर, कुछ ही घंटों में उसके मकान और संपत्ति को बुलडोजर से गिरा देती है। एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को बिना किसी अपराध के दे देती है। अपराध व्यक्ति द्वारा किया गया है। जांच किए बिना एक व्यक्ति के अपराध की सजा पूरे परिवार को देने की बुलडोजर संस्कृति उत्तर प्रदेश से शुरू हुई थी। जो अब कई राज्यों में फैल गई है। विशेष बात यह है, कि एक धर्म समुदाय के लोगों पर ही इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। राजनीतिक कारणों से अभी कोई विपक्षी दलों के राजनेता इस संबंध में कोई प्रतिक्रिया नहीं देते थे, लेकिन जिस तरह से आए दिन बुलडोजर से घटना के कुछ ही घंटे बाद आरोपी की संपत्ति और उसके मकान को गिराया जा रहा है। उसकी प्रतिक्रिया अब पूरे देश में हो रही है। हाल ही में मध्य प्रदेश के छतरपुर में जिस तरह की घटना हुई है। उस मामले ने अब तूल पकड़ लिया है। आरोपी का करोड़ों रुपए की लागत का मकान एवं अन्य संपत्ति को अतिक्रमण मानते हुए बुलडोजर से ढहाया गया है। जिस मकान को गिराया गया है, उसको बनाने के लिए बैंक ने लोन दिया था। बैंक ने सारे कागज सर्च किए थे। सारी परमिशन उसके पास थी, उसके बाद भी शासन और प्रशासन की नाराजगी के चलते आरोपी का मकान गिरा दिया गया। वहां पर जो गाड़ियां खड़ी थीं, उन्हें बुलडोजर से तोड़ दिया गया। यह घटना टीवी पर दिखाई गई। इस घटना के माध्यम से शासन और प्रशासन ने एक धर्म समुदाय के लोगों को आतंकित करने का काम किया है। अब इसकी जो जानकारी सामने आई है, उसके बाद विपक्षी दलों ने इस मामले में तीखी प्रतिक्रिया देते हुए विरोध जताया है। बुलडोजर एक्शन पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, प्रियंका गांधी, दिग्विजय सिंह और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश सिंह ने कार्यवाही का विरोध किया है। विपक्षी दल के नेताओं ने कहा, अपराध पर सजा देने का काम न्यायालयों का है। पुलिस द्वारा मामले की जांच नहीं की गई और आरोपी का मकान गिरा दिया गया। सही मायने में यह अन्याय की पराकाष्ठा है। कानून के रखवाले ही यदि कानून को तोड़ने का काम कर रहे हैं। संविधान, लोकतंत्र और मानवता का पालन नहीं कर रहे हैं। अपने ही बनाए गए कानून और नियमों का पालन नहीं करके आम जनता को आतंकित कर रहे हैं। शासन और प्रशासन की देखा-देखी भीड़ भी मौके पर न्याय करने लगी है। भीड़ सरेआम लोगों की हत्या कर रही है। देश में कई मावलीचिंग की घटनाएं हो चुकी हैं। इस तरह की घटनाओं में कई लोग मारे जा चुके हैं। उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में घटना के तुरंत बाद सैकड़ों आरोपियों के मकान पिछले कुछ समय से तोड़े जा रहे हैं। आरोपी के परिवार को घर से बेघर कर दिया गया है। इस तरह की घटनाओं पर अब विपक्ष ने तो मोर्चा संभाला है। अदालतों के अधिकारों का उपयोग प्रशासन करने लगा है। शासन और प्रशासन न्यायपालिका और उसके आदेशों को ठेंगा दिखा रहे हैं। ऐसी स्थिति में न्यायपालिकाएं अपने अस्तित्व की रक्षा कैसे कर पाएंगी? इसे आसानी से समझा जा सकता है। जब आदमी हर तरह से हार जाता है, तब वह न्यायालय और मीडिया की शरण में जाता है। यदि न्यायालय पर आम आदमी का विश्वास खत्म हो गया। तो, जो स्थिति हाल ही में बांग्लादेश और श्रीलंका में देखने को मिली है, वह भारत में भी जल्द ही देखने को मिल सकती है। अन्याय अब पराकाष्ठा पर पहुंच गया है। जब आम नागरिकों का न्याय व्यवस्था को लेकर विश्वास खत्म हो जाता है। शासन और प्रशासन पर भी विश्वास नहीं रहता है। तभी नक्सलवाद, आतंकवाद और फूलन देवी जैसे डकैत पैदा होते हैं। बांग्लादेश, श्रीलंका ही क्यों 1917 में रूस की जार क्रांति भी जनरोष के कारण ही तो हुई थी। जब-जब इस तरह की स्थिति बनती है, तब-तब जनता ही न्याय करने लगती है। अराजकता की यह स्थिति तब बनती है, जब जनता का न्याय व्यवस्था और राजा के ऊपर विश्वास खत्म हो जाता है। समय रहते न्यायपालिका को अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को समझना होगा। यदि विलंब हुआ तो न्यायपालिका के अस्तित्व पर भी संकट खड़ा होना तय है। भारत की संवैधानिक व्यवस्था में न्याय करने का अधिकार केवल और केवल न्यायपालिका के पास है।

# महिला समानता दिवसः महिलाओं को समानता एवं सक्षमता के पंख देने होंगे

ललित गर्ग

दुनिया भर में, महिलाओं को सशक्त बनाने, शिक्षा से लेकर राजनीति और आर्थिक भागीदारी तक विभिन्न क्षेत्रों में लैंगिक असमानताओं को दूर करने के प्रयासों को तीव्र गति देने के लिये महिला समानता दिवस 26 अगस्त को मनाया जाता है। सन 1920 में इस दिन संयुक्त राज्य अमेरिका के संविधान में 19वां संशोधन स्वीकार किया गया था। यह दिन महिलाओं को पुरुषों के समान मानने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। न्यूजीलैंड विश्व का पहला देश है, जिसने 1893 में महिला समानता की शुरूआत की। महिलाओं को समानता का दर्जा दिलाने के लिए लगातार संघर्ष करने वाली एक महिला वकील बेल्ला अब्जुग के प्रयास से 1971 से 26 अगस्त को ह्यमहिला समानता दिवसह्न के रूप में मनाया जाने इस वर्ष की थीम है समता को अपनाएं, जो न केवल महिलाओं की व्यक्तिगत उन्नति के लिए बल्कि समाज की समग्र प्रगति के लिए भी महिलाओं को सशक्त बनाने के महत्व पर केन्द्रित है। यह व्यापक मानवाधिकारों और सतत विकास के साथ लैंगिक समानता के परस्पर संबंध पर जोर देता है।

महिला समानता दिवस से जुड़ा हुआ रंग बैंगनी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त, बैंगनी रंग महिलाओं और लैंगिक समानता का प्रतीक है। यह न्याय और गरिमा का प्रतिनिधित्व करता है, और अक्सर दूरदर्शी सोच और महिलाओं के अधिकारों के लिए चल रही लड़ाई को दशार्ने के लिए उपयोग किया जाता है। महिलाएं ही समस्त मानव प्रजाति की धुरी हैं। वो न केवल बच्चे को जन्म देती हैं बल्कि उनका भरण-पोषण और उन्हें संस्कार भी देती हैं। महिलाएं अपने जीवन में एक साथ कई भूमिकाएं जैसे- मां, पत्नी, बहन, शिक्षक, दोस्त बहुत ही खूबसूरती के साथ निभाती हैं। बावजूद क्या कारण है कि आज हमें महिला समानता दिवस मनाये जाने की आवश्यकता है। महिलाओं के सशक्तिकरण के लिये जरूरी है कि अधिक महिलाओं को रोजगार दिलाने के लिए भारत सरकार को जरूरी कदम उठाने होंगे। सरकार को अपनी लैंगिकवादी सोच को छोड़ना पड़ेगा।

भारत में महिलाओं की उपेक्षा, भेदभाव, अत्याचार एवं असमानता के कारण महिला समानता ज्यादा अपेक्षित है। भारत ने महिलाओं को आजादी के बाद से ही मतदान का अधिकार पुरुषों के बराबर दिया, परन्तु यदि वास्तविक समानता की बात करें तो भारत में आजादी के 78 वर्ष बीत जाने के बाद भी महिलाओं की स्थिति चिन्ताजनक एवं विसंगतिपूर्ण है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शासन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में काफी प्रगति देखी गयी है, खासकर शिक्षा और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे क्षेत्रों में। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम-2023 के माध्यम से नारी शक्ति को राजनीति में समानता देने की शुरूआत हुई है। बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी पहलों ने समाज में महिलाओं और लड़कियों की स्थिति को सुधारने पर ध्यान केंद्रित किया है। इसके अतिरिक्त, कार्यबल और नेतृत्व की भूमिकाओं में महिलाओं की भागीदारी धीरे-धीरे बढ़ रही है। इन प्रगतियों के बावजूद, महत्वपूर्ण चुनौतियाँ बनी हुई हैं। भारत में लैंगिक असमानता अभी भी व्याप्त है, खासकर ग्रामीण इलाकों में, जहाँ महिलाओं को अक्सर शिक्षा, रोजगार और स्वास्थ्य सेवा में बाधाओं का सामना करना पड़ता है। बाल विवाह, घरेलू हिंसा और लैंगिक वेतन अंतर जैसे मुद्दे समानता की दिशा में प्रगति में बाधा डालते रहते हैं। कार्यस्थल पर लैंगिक समानता हासिल करना भारत सहित विश्व भर में एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बना हुआ है। समान कार्य के लिए समान वेतन को बढ़ावा देने वाली नीतियों के माध्यम से इस असमानता को दूर करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

भारत सरकार के खुद के कर्मचारियों में केवल 11 प्रतिशत महिलाएं हैं। सरकारी नौकरियों में महिलाओं के लिये अधिक एवं नये अवसर सामने आने जरूरी है। क्योंकि देश में ऐसी महिलाएं नजर आती हैं, जो सभी प्रकार के भेदभाव के बावजूद प्रत्येक क्षेत्र में एक मुकाम हासिल कर चुकी हैं और सभी उन पर गर्व भी महसूस करते हैं। परन्तु इस कतार में उन सभी महिलाओं को भी शामिल करने की जरूरत है, जो हर दिन अपने घर में और समाज में महिला होने के कारण असमानता, अत्याचार एवं उपेक्षा को झेलने के लिए विवश है। आये दिन समाचार पत्रों में लड़कियों के साथ होने वाली छेड़छाड़ और बलात्कार जैसी खबरों को पढ़ा जा सकता है, परन्तु इन सभी के बीच वे महिलाएं जो अपने ही घर में सिर्फ इसीलिए प्रताड़ित हो रही हैं, क्योंकि वह एक औरत है। सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकॉनमी (सीएमआईई) नाम के थिंक टैंक ने बताया है कि भारत में केवल 7 प्रतिशत शहरी महिलाएं ऐसी हैं, जिनके पास रोजगार है या वे उसकी तलाश कर रही हैं। सीएमआईई के मुताबिक, महिलाओं को रोजगार देने के मामले में हमारा देश इंडोनेशिया और सऊदी अरब से भी पीछे है। किसी देश या समाज में अचानक या सुनियोजित उथल-पुथल होती है, कोई आपदा, युद्ध एवं राजनीतिक या मनुष्यजनित समस्या खड़ी होती है तो उसका सबसे ज्यादा नकारात्मक असर स्त्रियों पर पड़ता है और उन्हें ही इसका खामियाजा उठाना पड़ता है।

दावोस में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में ऑक्सफैम ने अपनी एक रिपोर्ट ह्यटाइम टू केयरह्न में घरेलू औरतों की आर्थिक स्थितियों का खुलासा करते हुए दुनिया को चौका दिया था। वे महिलाएं जो अपने घर को संभालती हैं, परिवार का ख्याल रखती हैं, वह सुबह उठने से लेकर रात के सोने तक अनगिनत सबसे मुश्किल कामों को करती है। अगर हम यह कहें कि घर संभालना दुनिया का सबसे मुश्किल काम है तो शायद गलत नहीं होगा। दुनिया में सिर्फ यही एक ऐसा पेशा है, जिसमें 24 घंटे, सातों दिन आप काम पर रहते हैं, हर रोज क्राइसिस झेलते हैं, हर डेडलाइन को पूरा करते हैं और वह भी बिना छुट्टी के। सोचिए, इतने सारे कार्य-संपादन के बदले में वह कोई वेतन नहीं लेती। उसके परिश्रम को सामान्यतः घर का नियमित काम-काज कहकर विशेष महत्व नहीं दिया जाता। साथ ही उसके इस काम को राष्ट्र की उन्नति में योगभूत होने की संज्ञा भी नहीं मिलती। प्रश्न है कि घरेलू कामकाजी महिलाओं के श्रम का आर्थिक मूल्यांकन क्यों नहीं किया जाता? घरेलू महिलाओं के साथ यह दोगला व्यवहार क्यों? दरअसल, इस तरह के हालात की वजह सामाजिक एवं संकीर्ण सोच रही है। पितृसत्तात्मक समाज-व्यवस्था में आमतौर पर सत्ता के केंद्र पुरुष रहे और श्रम और संसाधनों के बंटवारे में स्त्रियों को हाशिये पर रखा गया है। सदियों पहले इस तरह की परंपरा विकसित हुई, लेकिन अफसोस इस बात पर है कि आज जब दुनिया अपने आधुनिक और सभ्य होने का दावा कर रही है। एक बड़ा प्रश्न है कि आखिर कब तक सभी वंचनाओं,

महामारियों एवं राष्ट्र-संकटों की गाज स्त्रियों पर गिरती रहेगी।

जहां देश में प्रधानमंत्री के पद पर इंदिरा गांधी और वर्तमान में राष्ट्रपति के पद पर द्रोपदी मुर्मू हैं। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष ममता बनर्जी राज्य की बागडोर संभाल रही हैं। बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष भी एक महिला मायावती हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को तो विश्व की ताकतवर महिलाओं में शुमार किया ही जा चुका है। पूर्व में लोकसभा में विपक्ष की नेता के पद पर सुषमा स्वराज और लोकसभा अध्यक्ष के पद पर मीरा कुमार ने भी महिला के गौरव को बढ़ाया हैं। कॉरपोरेट सेक्टर, बैंकिंग सेक्टर जैसे क्षेत्रों में इंदिरा नूई और चंदा कोचर जैसी महिलाओं ने अपना लोहा मनवाया है। वर्तमान में निर्मला सीतारमण सहित अनेक महिलाओं ने राजनीति में अपनी छाप छोड़ रही है। हमारी सेना में महिलाओं की यथोचित भागीदारी उसे ज्यादा शालीन, सामाजिक, योग्य और कारगर ही बनाएगी।

युगों से आत्मविस्मृत महिलाओं को अपनी अस्मिता और कर्तृत्वशक्ति का तो अहसास हुआ ही है, साथ ही उसकी व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व चेतना में क्रांति का ऐसा ज्वालामुखी फूटा है, जिससे भेदभाव, असमानता, रूढ़संस्कार जैसे उन्हें कमतर समझने की मानसिकता पर प्रहार हुआ है। पुरुषवर्ग महिलाओं को देह रूप में स्वीकार करता है, किन्तु आधुनिक महिलाओं ने अपनी विविधआयामी प्रतिभा एवं कौशल के बल पर उनके सामने मस्तिष्क एवं शक्ति बनकर अपनी क्षमताओं का परिचय दिया है, वही अपने प्रति होने वाले भेदभाव का जबाव सरकार, समाज एवं पुरुषों को देने में सक्षम है, महिला समानता दिवस यदि उनकी सक्षमता को पंख दे रहा है तो यह जागरूक एवं समानतामूलक विश्व-समाज की संरचना का अभ्युदय है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

# J&K witnessed landmark elections in 2002

THE Election Commission of India's (ECI) announcement on holding the three-phase Assembly elections in Jammu and Kashmir brought back memories of the landmark polls held in September-October 2002. While the forthcoming elections would be the first in the Union Territory, the one in 2002 was also significant for several reasons.

While there has been a rise in terror attacks in the Jammu region in the recent past, it was the Kashmir valley that had witnessed an escalation of terror activities in 2002. It was the first time that the Jammu and Kashmir Peoples Democratic Party (PDP) participated in the Assembly polls. There was a call for boycotting the elections, given by the Tehreek-e-Hurriyat. This was also the first poll in J&K in which EVMs (electronic voting machines) were used.

Even before the announcement o the dates of the four-phase elections was made, it was widely known that they were in the offing. While the PDP had pulled out all stops to reach out to the electorate, the J&K National Conference appeared to be relying on its solid organisational structure down to the grassroots level in its traditional strongholds. While the political parties had already begun their preparations, the official machinery had also started gearing up for the important event. It included, besides the Central and state governments, various security forces and intelligence services. The dynamic security situation was being closely watched and discussed regularly at the Unified Command Headquarters.It was apparent that the security situation was widely different in urban and rural areas. The terrorists, wanting to make their presence felt, were more active in towns and cities, which had a large concentration of population, rather than in sparsely populated villages and hamlets. The urban population, which enjoyed better civic amenities, had more time to participate in political activities. In those areas, it was relatively easier for terrorists to enlist overground workers and quasi-political organisations like the Hurriyat. In mofussil areas, daily life was hard in the absence of basic facilities like medical treatment, supply of water and electricity which left little time for politics, except at the local level. The urban population was thus more polarised along existing political lines, whereas rural folk looked forward to the polls as an opportunity to have their say to improve their lives. In the rural areas, the enthusiasm to vote in the elections was palpable, especially among the youth and first-time voters. Interestingly, the rural population showed greater inclination to participate at the hustings, even defying threats and intimidation from terrorists and at times tearing posters warning voters of dire consequences.The first phase of the elections was to be held on September 16, 2002. James Michael Lyngdoh, then Chief Election Commissioner, visited Srinagar a few times in the weeks prior to that to hold detailed discussions with the state administration and oversee polling arrangements. He was unequivocal in emphasising that he would accept no mismanagement at booths and would order repolling as many times as needed to ensure free and fair polling.After the official announcement of the election schedule, the elected state government went into suspended animation and the Governor, Girish Saxena, took charge. About a week prior to the first round of polling, he held a meeting to take stock of the situation and satisfy himself that all was in readiness for the big event. Apart from officials directly involved in the conduct of polling, the meeting was attended by local heads of various security forces, intelligence agencies, senior bureaucrats of the state government and a few others. At the end of the meeting, the Governor wanted to know what in our estimate would be the percentage of polling (voter turnout).

# Modi's Ukraine visit is the message

## THE GREAT GAME: The West wants to win India over — despite its grime, it's a nation of gritty people

CHANTS of 'Har, Har Modi' and 'Jai Shri Ram' by overenthusiastic Indians in Kyiv on Friday may have somewhat marred Prime Minister Modi's solemn visit to the garden in the Ukrainian capital where Mahatma Gandhi's statue stands. Minutes later, though, the visible emotion that marked the meeting between Modi and Volodymyr Zelenskyy in front of a memorial that commemorates some of the fallen in the ongoing Russia-Ukraine war was emblematic of the difficulty that India faces as it seeks to follow the middle path in this war.On the face of it, it's a no-brainer. Russia invaded Ukraine and must be roundly condemned — many Indians as well as Russians do. But look closely, and the context creeps in. Two years ago, Russia ostensibly went to war because it was insecure about NATO expanding to its frontiers.

Today, the war is less about victory or defeat between Russia and Ukraine, old partners and co-religionists, but much more about the ongoing argument between Russia and the US about Russia's place in the world.

Everyone, especially the Ukrainians, knows that if it were not for the sophisticated weaponry being supplied by the US as well as large parts of the Western world to Zelenskyy's men, the war would have been long over. But it isn't and innocent people are continuing to die. Big power politics has taken over.This is what this Ukraine war is about. Kaun banega duniya ka dada? The Americans clearly are unwilling to relinquish the top spot since the Soviet Union collapsed in 1991-end. The Russians, still not as strong as the Americans today but strong enough, insist that there's place for more than one. And as always, the Chinese watch and wait, eager and willing to play both sides — expanding trade with the US, even as they support Vladimir Putin's anxious need to remain relevant both at home and abroad.What of PM Modi and India? The answer to where India stands in this ongoing great game is complex. On the one hand, Modi told Zelenskyy in Kyiv, one of the most beautiful cities in the world, that India is ready to "play an active role in any effort towards peace". Just before, the two had embraced each other warmly — a bit like the long hug into which Modi and Putin had collapsed six weeks ago in the latter's dacha outside Moscow, which Zelenskyy had, openly, admitted to being upset about. Moments later, Modi placed his left hand on Zelenskyy's left shoulder, like elder brothers often do with younger ones, and left it there for many moments while the photographers took many pictures.Seems Modi was genuinely moved — it's a good thing he was. India usually stands with the underdog — its defence of the Mukti Bahini in the former East Pakistan is a good example. But something else seems to be happening here. It seems as if Modi was quite persuaded that he should be seen to be standing with the Ukrainians – and therefore, the US. The Americans had made no bones about their displeasure with Modi's visit to Moscow. The fact remains that India-US trade is still double that of between India and Russia, notwithstanding the jumped-up volumes due to the purchase of discounted oil by Delhi from Moscow in the last two years.

Those in the West condemning India for refusing to condemn the Russian invasion of Ukraine need to look inwards — and at the risk of being accused of whataboutery, we must ask, for example, if they are doing anything to prevent Israel from bombing hospitals or schools or UN compounds in Gaza.

Or if, any of these Western nations, most of them Permanent-Five members of the UN Security Council, raised one little finger of dissent when the US decided to bomb Iraq in 2003, in ostensible anticipation of Saddam Hussein using weapons of mass destruction. Wait, one second — Saddam didn't have any.

Meanwhile, the visit of Defence Minister Rajnath Singh to Washington DC, at the exact minute that Modi was in Ukraine, may be a coincidence — signing a defence pact or two with the Americans is a fine thing to do. But if it's not a coincidence, then two other conclusions may be made.First, that America is not comfortable about dissent, including by a fellow democracy. There would have been a lot of conversation between Delhi and Washington DC as well as several other Western capitals, seeking to persuade Modi to meet Zelenskyy in Kyiv.

And second, it's clear that Ukraine is turning into Modi's toughest foreign policy challenge so far. Remember, again, that Ukraine is just an alibi, rather a notable cat's paw for the Americans. Nothing wrong with going to Kyiv — much better to check things out for yourself, no matter what Putin or Joe Biden have said. If the PM is able to manouevre between the cat's claws, like many of his predecessors have ably done, he will succeed in re-establishing India's unique place in the world.

Certainly, the world will be watching — like it watched the Modi visit to Moscow — for any telltale signs of shift. The West wants to win India over — despite its grime, it's a nation of gritty people.

Moreover, unlike Biden, Rishi Sunak, Emmanuel Macron, Olaf Scholz and some others, all of whom belong to the same side, India has always belonged to itself — its long and arduous walk between national interest and high morality is a challenge that it owes to itself. And so, for the moment, as the PM takes the train back from Kyiv, the inescapable conclusion is that Modi's Ukraine visit itself is the message, both to India and the world.

# Ram Madhav returns

## J&K polls a challenging assignment

IN the last Assembly elections held in Jammu and Kashmir in 2014, the Bharatiya Janata Party won 25 seats, more than double the 11 it got in 2008. With a three-seat lead, Peoples Democratic Party patriarch Mufti Mohammad Sayeed became the Chief Minister, but the man of the moment was Ram Madhav. The RSS's poster boy was credited with the BJP's electoral success and for engineering an alliance with the PDP. Out of favour for nearly five years, Madhav's induction as BJP's election incharge in the UT, along with Union minister G Kishan Reddy, marks an end to his political hiatus. Madhav is back in familiar territory — but with a vastly altered political, geographical and electoral landscape. The abrogation of Article 370, bifurcation of the state into UTs and the delimitation exercise have changed the dynamics. The BJP may fancy its chances with the Jammu division gaining seats in the redrawn electoral map, but the new assignment, and at such short notice,

will test Madhav's skills.Madhav's return is being attributed to the RSS asserting itself and the BJP being pragmatic. His recent opinion piece, suggesting that the 2024 Lok Sabha election result was a mandate for humility, is a sign of the times. A pushback is apparent against the BJP's perceived brand of politics that reeks of arrogance, with no room for accommodating contrary views. Madhav has a point to prove on a personal level, and his experience in building bridges with the unlikeliest of candidates could come in handy for the party.

J&K has been without an elected government since 2018. The restoration of the democratic process through three-phase elections provides an opportunity to all political parties to let people's issues take centre stage. What the UT deserves is a campaign that offers hope.

# The road to Viksit Bharat is peppered with challenges

## One major policy challenge will be to find rural migrants better-paying jobs in the organised sector in urban areas.

PRIME Minister Narendra Modi's Independence Day speech offered a useful insight into his key goals to take the economy forward. One is to transform agriculture and make it more robust so as to combat the growing unpredictability of monsoon and address climate change.In the manufacturing sector, the aim is to utilise the PLI (production-linked incentive) schemes in order to design in India for the world, thus making the country a global manufacturing hub.

The overall aim of economic development will be to uplift the poor. Significantly, there was no mention in the speech of the sharp disparity between the few who are extremely wealthy and the vast number of people who are poor.In 2022-23, the top 1 per cent of the Indians earned Rs 53 lakh each. In stark contrast, those falling in the bottom 50 per cent earned merely

Rs 75,000 each. Likewise, in 2022, the top 1 per cent pocketed 22.6 per cent of the income, while the bottom 50 per cent managed to get just 15 per cent of it.

Notably, the top 1 per cent controls 40 per cent of the country's total wealth. And the disparity is only growing bigger with time. The richest 1 per cent of India's population currently has the highest concentration of wealth it has had in six decades.

While inequality soars, the economy has a lot going for it. India is the fastest-growing large country in the world, with the economy growing at an average rate of around 8 per cent. Besides, the inflation rate is well within the RBI's range. The Indian stock market is among the most preferred in the world, surpassing the sentiment for the Chinese stock market. The Union Budget has also addressed one of the laggards, consumption, allowing infrastructure spending to take a back seat.So, where do we go from here if the foremost goal is to address the severe inequality, which is underlined by widespread poverty? According to the Asian Development Review (2017),

extreme poverty stood at 18.5 per cent in Bangladesh, while in India, it was 21.6 per cent. In contrast, Sri Lanka recorded just 1.9 per cent poverty.The quickest and surest way to address poverty is to create more jobs, offering people better-paying employment over time. Since rural areas witness a higher level of poverty, the key will be to create more and better jobs there.But we have to sort out a contraction. As agriculture is made more robust, better seeds, pesticides and tillage will be arranged with the help of greater mechanisation. This will modernise agriculture. But the resulting higher output will be delivered through fewer hands. So, even if we raise farm incomes, what will those rendered jobless do?The workers thrown out of farms will have to find employment in rural services. As rural agricultural incomes grow, there will be a rise in the number of rural roads, TV sets, smartphones, motorbikes and fast-moving consumer goods like soaps and hair oil. These will have to be sold and serviced. In rural areas, more and more people will be engaged in this exercise than in actual farming.

But the rise in rural services will not be able to take care of all the farmhands who are made redundant. A significant number of people will have to move to urban areas in search of employment. We are witnessing a steady flow of unskilled workers into urban areas, looking for jobs. And they stay wherever they can, resulting in the mushrooming of unplanned urban slums with little or no amenities.One major policy challenge will be to find rural migrants better-paying jobs in the organised sector in urban areas. Over time, the jobs in this sector will enable the workers to afford basic needs and lead a decent life. The migrants from rural areas generally join microbusinesses, which are mostly not incorporated. They function on a day-to-day basis. Inputs are acquired and workers are paid when cash comes in. But if they run out of cash, it could mean the end of the business. And the workers will then have to look for other equally unstable jobs.

For the bottom 50 per cent to earn more, the policy will have to work on several fronts. It would require workers in the informal sector to make more money. But in order to earn more, they must possess basic skills. For that, it is necessary for them to receive a minimum level of education and acquire rudimentary skills.There are some state and Central schemes, like Ayushman Bharat, that cover one's basic healthcare needs. Plus, efforts are on to provide at least middle-school-level education to all. It seeks to ensure that everyone can master basic language comprehension exercises and do simple arithmetic calculations. Besides, there is a push to improve the standards of industrial training institutes.

The PM has announced the setting up of 75,000 medical seats so that the country can become a global hub for international students. While the plan is welcome, there is a need to first deliver on the basics highlighted above. The PM has outlined his vision to make India a developed nation (Viksit Bharat) by 2047. But for that to happen, steps will have to be taken today.

## Zomato CEO Deepinder Goyal announces Dua Lipa to headline Zomato Feeding India Concert

**New Delhi.** Zomato's CEO, Deepinder Goyal, has announced the return of the Zomato Feeding India Concert (ZFIC), with global pop sensation Dua Lipa headlining the event. Goyal took to X (formerly Twitter) to share his excitement, writing, "ZFIC is back! Headlining this year's event is my favourite global pop icon Dua Lipa, an inspiration to millions worldwide!"

The concert, scheduled for November 30, 2024, in Mumbai, marks a significant milestone in Zomato's ongoing mission to combat hunger and malnutrition across India. Although the exact venue is yet to be announced, tickets will go on sale starting August 27.

The Zomato Feeding India Concert is more than just a musical event; it serves as a powerful catalyst for community mobilisation. By uniting artists, philanthropists, and the public, the concert aims to create a hunger-free India. Proceeds from ticket sales and donations will directly support Zomato's Feeding India initiative, which has been instrumental in addressing critical food security issues in the country.

Dua Lipa's involvement is expected to elevate the concert's profile, drawing international attention to the cause. The ZFIC has a history of featuring prominent global artists, making it a key event in the fight against hunger. Through the concert, Zomato continues to leverage the influence of popular culture to drive meaningful change and impact the lives of those in need.

## Passenger vehicle sales stagnate in FY25 amid waning demand, high inventory

**NEW DELHI.** After three years of blockbuster growth, passenger vehicle (PV) sales have come under pressure in FY25. Due to waning pent-up demand and lack of interest shown by new consumers, dealer showrooms are filled with inventory of unsold vehicles despite steep discounts and promotional schemes.

"PV wholesale volumes grew 3% in Q1FY25 on a YoY basis, but retail volumes fell 7% amid factors like heat conditions, implementation of model code of conduct and the General elections impacting retail footfalls. While the underlying demand drivers remain supportive, ICRA expects domestic PV sales volume growth to fall to 3-6% in FY25 on waning replacement demand and effects of a high base," said Srikumar Krishnamurthy, senior VP & co-Group head - corporate ratings, ICRA.PV industry saw sales of 42.3 lakh units in FY24 as against 38.9 lakh units sold in FY23, up 8.7% YoY. Puneet Gupta, director, S&P Global Mobility, said while the industry is expected to grow in FY25 over a high base, absence of pent-up demand, geopolitical uncertainties and delay in rate cut by the RBI remain concerns.He said to create fresh demand,

OEMs will have to realign consumer-reaching strategy. "For the last 3-4 years, it was a supply-driven market. A lot has changed now. EMIs have gone up, prices have gone up, there is no pent-up demand and inventory at showrooms has piled up. Automakers will have to rethink needs of customers, realign pricing strategy and spend heavily on marketing," said Gupta.

Amid the softening demand, especially for entry-level vehicles, inventory levels at dealer showrooms have risen to 67-72 days in July 2024, as per the Federation of Automobile Dealers Association. Earlier this month, the association said dealers are sitting on 730,000 unsold vehicles. This inventory, whose valuation pegged at Rs 73,000 crore, can meet demand for two months.

## Hero Motors files for 900 crore IPO with SEBI

NEW DELHI: Hero Motors, the auto-components firm of Hero Motors Company (HMC) Group, on Saturday filed preliminary papers with markets regulator Sebi to raise Rs 900 crore via an initial public offering (IPO).

The IPO is a combination of a fresh issue of equity shares worth Rs 500 crore and an offer-for-sale (OFS) at Rs 400 crore by promoters, as per the draft red herring prospectus.The OFS includes Rs 250 crore worth shares by O P Munjal Holdings, and Rs 75 crore each by Bhagyoday Investments and Hero Cycles. It may consider a pre-IPO placement of Rs 100 crore. Proceeds from the fresh issue of Rs 202 crore will be used for debt payment, Rs 124 crore for buying equipment for expansion in capacity of the company's facility in Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh. Hero Motors is India's leading automotive technology company engaged in designing, developing, manufacturing and supplying high engineered powertrain solutions provider to automotive OEMs in the United States, Europe, India, and the ASEAN region.

# FPIs Inject Rs 11,366 Cr In Debt Market In Aug; Inflow Tally Crosses Rs 1 Lakh Cr For 2024

**FPIs pulled out over Rs 16,305 crore from equities so far this month, due to unwinding of the yen carry trade, recession fears in the US and ongoing geopolitical conflicts.**

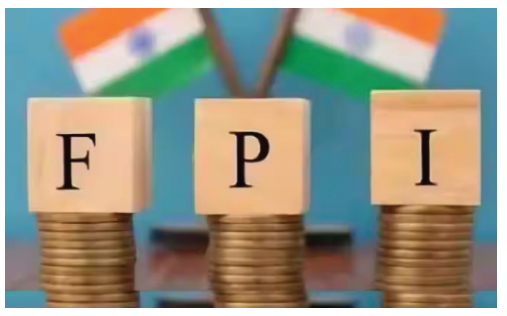


**New Delhi.** Foreign investors infused Rs 11,366 crore in the Indian debt market so far this month, pushing the net inflow tally in the debt segment to over the Rs 1-lakh-crore mark. Foreign investors' strong buying interest in the Indian debt market can be attributed to India's inclusion in JP Morgan's Emerging Market government bond indices in June this year.According to data from the depositories, Foreign Portfolio Investors (FPIs) injected Rs 11,366 crore in the debt market this month (till August 24). This inflow came following a net investment of Rs 22,363 crore into the Indian debt market in July, Rs 14,955 crore in June and Rs 8,760 crore in May. Before that, they pulled out Rs 10,949 crore in April.With the latest flow, FPIs net investment in debt has reached Rs 1.02 lakh crore in 2024 so far. Market analysts said that ever since the announcement of India's inclusion came in October 2023 year, FPIs have been front-loading their investments in Indian debt markets in anticipation of the inclusion in global bond indices.Even after the inclusion, their inflows have continued to remain robust. On the other hand, FPIs pulled out over Rs 16,305 crore from equities so far this month, due to unwinding of the yen carry trade, recession fears in the US and ongoing geopolitical conflicts.Himanshu Srivastava, Associate Director, Manager Research, Morningstar Investment Research India, said the post-budget announcement of an increase in capital gains tax on equity investments has largely fueled this selling spree.In addition, FPIs have been cautious because of the high valuations of Indian stocks, coupled with global economic concerns such as rising recession fears in the US amid weak jobs data, uncertainty over the timing of interest rate cuts, and the unwinding of yen carry trade, he added.Overall, India remains in a favourable position, attracting long-term investments from FPIs. "Amidst a global slowdown, the geo-political crisis in the Middle East and neighbouring countries, India still stands at a sweet spot compelling the foreign fraternity to take a bet for a long-term investment horizon," Manoj Purohit, Partner & Leader, Financial Services Tax, Tax & Regulatory Services, BDO India, said.

In terms of sectors, FPIs were big sellers in financials in India in the first fortnight of August. Vipul Bhowar, Director of Listed Investments, Waterfield Advisors, said that FPIs are selling banking shares due to concerns over slow deposit growth.

"There are also challenges in Q1FY25 for banks with shrinking margins, deteriorating asset quality, and rising provisions, especially in credit cards, personal loans, and agriculture portfolios," he said.Besides, selling was witnessed in many other sectors including metals on fears that the economic slowdown in the US and China will keep metal prices soft, V K Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Financial Services, said. Conversely, foreign investors were buyers in telecom and health care where the growth and earnings prospects are safe and bright, he added.

# What is the Unified Pension Scheme Explained in 5 simple points with examples

**Check how the Unified Pension Scheme works, broken down into five easy-to-understand points with examples.**

**New Delhi.** The Unified Pension Scheme (UPS) is a game-changing policy introduced by the central government, offering government employees a secure and predictable pension after retirement.

Set to launch on April 1, 2025, the UPS is designed to ensure that employees and their families receive a stable income after retirement, providing financial security for life.Here's how the scheme works, broken down into five easy-to-understand points with examples:

1. Assured pension for government employees

Under the UPS, government employees who retire with at least 25 years of service will receive a pension that is 50% of their average basic pay during their last 12 months of service. For employees with fewer than 25 years of service, the pension will be proportionate to the years served, with a minimum of 10 years required to qualify.Example: If Mr. Singh retires after 30 years of service with an average monthly basic pay of Rs 50,000 in his last year, his pension will be Rs 25,000 per month (50% of his average pay).

2. Family pension for dependents

In the unfortunate event of a government employee's death after retirement, their dependents will receive a family pension equivalent to 60% of the employee's last drawn pension.

Example: If Mrs. Verma was receiving a pension of Rs 20,000 before her death, her family will now receive Rs 12,000 per month as a family pension.

3. Assured minimum pension for all retirees

The UPS ensures that no retired employee will receive less than Rs 10,000 per month, regardless of their earnings during service. This provision offers a safety net for those who may have lower salaries during their career.

Example: If Mr. Gupta retires with a relatively low average basic pay of Rs 18,000 per month, his calculated pension would be Rs 9,000. However, due to the minimum pension rule, he will still receive Rs 10,000 per month.

4. Lump-sum retirement payment

In addition to the monthly pension, retirees will also receive a lump-sum payment calculated as 1/10th of their last drawn monthly pay (including DA) for every six months of service completed.

## Commerce Minister Piyush criticises E-commerce giants for predatory pricing practices

**New Delhi.** Union Commerce and industry minister Piyush Goyal has stirred up the pot by letting go a broadside against Amazon and other ecommerce players. Attacking these e-retailers for 'predatory pricing', Goyal alleged they were slowly killing the vast network of small, mom-and-pop shops through unfair competition. He also suggested Amazon was passing off fund infusions to cover Rs 6,000 crore of losses by disguising them as investments.

"If you make Rs 6,000 crore loss in one year, does it not smell of predatory pricing?" he asked, claiming many e-tailers were violating foreign direct invest (FDI) laws.

It is ironical the minister for commerce and industry should be complaining of the bad ways of the big e-tailers! Traders through their apex body – the Confederation of All India Traders (CAIT) – have been begging the government for years to take action against predatory pricing. To no avail!

It is ironical that Goyal was speaking at an event where a think tank, Pahle Foundation, released a report that showed ecommerce was still small play in India, and that in fact retailers had benefited hugely from combining brick-and-mortar stores with ecommerce sales.As per the report, while e-commerce is indeed growing at a fast pace, it comprised only 7.8% of total retail sales in 2022. The report estimated that there were 1.76 million online vendors, who had added 16 million jobs, including 3.5 million for women. It report also said 60% of small city vendors had reported increased sales since they had started selling online.Loopholes in the lawComing to 'predatory pricing'… Well, that's a real problem! And it is as old as the hills. And the government has done nothing about it.For years, small retailers have been complaining ecommerce operatives like Amazon and Walmart-acquired Flipkart have been pricing goods below cost of production as a strategy to kill competition. While they incur a loss in the short term,once competitors have shut shop, the big retailers acquire a monopoly, and fix prices to the detriment of millions of consumers.Free competition is the life blood of a market economy. Section 4 of the Competition Act, 2002 forbids 'unfair or discriminatory' pricing, by the abuse of a 'dominant position'. To ensure fair competition and to weed out monopolies and trusts, the Act has set up a regulator – the Competition Commission of India (CCI) mandated to act against monopolies.

# Economists predict diverging growth rates for India's June quarter, range from 6% to 7%

**MUMBAI**.Ahead of the official release of June quarter growth numbers next week, economists have offered differing forecasts, with rating agency Icra pegging the lowest at 6% and German brokerage Duestche Bank at the highest at 7% and Goldman Sachs seeing growth moderating to 6.6% on account of lower government capex and tepid consumption demand.

Thus far, the RBI's forecast of 7.1% is the highest but that is 20 bps lower than its June estimate. Icra cheif economist Aditi Nayar forecasting for the six quarter low growth of 6% attributed the same to the reduction in government capex and a fall in urban consumer demand. For the full fiscal year 2025, she expects the economy clipping at 6.8%, down from 8.2% in the previous fiscal. Official growth data for the June quarter will be released by the Ministry of Statistics and Programme Implementation on August 30. In the first quarter, the economy grew at 8.2%.Nayar noted several contributing factors for the projected moderation in the June quarter such as temporary lull in various sectors due to the parliamentary elections and sluggish government capital expenditure at both central and state levels. "Lower volume growth combined with diminishing gains from commodity prices weighed upon the profitability of some industrial sectors. The heat wave also affected footfalls in service sectors, even as it provided a major boost to electricity demand. On balance, we foresee a transient moderation in gross value added (GVA) and GDP growth in Q1 to 5.7% and 6%, respectively."

eanwhile, Goldman Sachs has lowered its growth forecast by 80 bps to 6.6% for Q1 on fiscal drag and retail credit slowdown."We lower growth estimate for Q1, reflecting fall in government capex (-35% YoY) in the election quarter, and a slight fall in urban demand, partly offset by nascent recovery in rural consumption."

"As a result of these, we lower full-year growth forecast by 20 bps to 6.7%. We cut FY26 forecast by 20 bps to 6.4% as we expect a fiscal drag from Q1 of next fiscal given fiscal consolidation target at sub-4.5%," economists of the brokerage said.Easier monetary policy

hey expect easier monetary policy to offset some of the drags on growth in 2025 as we expect the RBI to start its easing cycle in December 2024. In another report.

# Unified Pension Scheme: Check key benefits, assured pension details and more

**New Delhi.** The central government has introduced the Unified Pension Scheme (UPS), aimed at providing an assured pension, family pension, and a guaranteed minimum pension for government employees.The UPS, set to take effect from April 1, 2025, promises enhanced financial security by offering a pension equivalent to 50% of the average basic pay drawn over the last 12 months for those with at least 25 years of service.Additionally, it ensures a family pension at 60% of the employee's pension and guarantees a minimum pension of Rs 10,000 per month.The scheme also includes inflation-linked increases based on the All India Consumer Price Index for Industrial Workers (AICPI-IW), further safeguarding retirees against rising costs.

Now, let's break down how the scheme works and its benefits in detail:

What is the Unified Pension Scheme (UPS)?The UPS is a new pension policy for government employees that guarantees:An assured pension based on the employee's average basic pay.A family pension to support the employee's dependents in case of death.

A minimum pension to ensure no retired employee receives less than Rs 10,000 per month.When does it start?The UPS will come into effect on April 1, 2025.What are the key benefits?Employees who have completed at least 25 years of service will get a pension equal to 50% of their average basic pay over the last 12 months before retiring.

For those under 25 years of service, the pension will be proportionate to the years served, with a minimum of 10 years of service required for eligibility.Assured family pension: In case of an employee's death, their family will receive a pension worth 60% of their last drawn pension.ssured minimum pension: Retired employees with at least 10 years of service will receive a minimum pension of Rs 10,000 per month, regardless of their earnings during service.ump-sum payment: In addition to the pension, employees will receive a lump-sum payment at retirement.This will be calculated as 1/10th of their last drawn monthly pay (including DA) for every six months of service completed.

This lump sum will not reduce the amount of assured pension.nflation protection: The pension will be indexed to inflation, ensuring it rises with the cost of living, similar to how serving employees' pay increases with inflation (Dearness Relief).

What about past retirees?

Past retirees who were under the National Pension System (NPS) will have the option to switch to UPS. They will also receive arrears with interest, calculated at Public Provident Fund (PPF) rates.Contribution structure: Employee contributions will remain the same under the UPS. The government's contribution will increase from 14% to 18.5%, ensuring stronger support for employees.

Who benefits?

Approximately 23 lakh central government employees will benefit from this scheme. State governments are also encouraged to adopt UPS, which could extend the benefits to over 90 lakh employees currently under NPS.To sum up, the Unified Pension Scheme or UPS is designed to offer better financial security to government employees by guaranteeing fixed pensions and family pensions, all while protecting against inflation.With UPS, employees can look forward to a dignified and stable retirement.his new scheme offers employees a choice between continuing with NPS or switching to UPS, but the choice, once made, will be final.The government will provide all necessary support to implement this scheme by 2025.

# In Drishyam re-run, ex-cop kills Greater Noida businessman over flat possession

**The dispute between accused Praveen and the victim Ankush Sharma started when the latter demanded Rs 20 lakh more than the amount earlier agreed upon by both the parties.**

**New Delhi:** Taking a cue from Ajay Devgn-starrer Bollywood crime thriller Drishyam and several crime series, a former police constable allegedly bludgeoned a Greater Noida businessman to death over a property dispute, police said on Saturday.The accused, suspended constable Praveen, had signed an agreement with the victim, identified as Ankush Sharma, to buy a flat in Greater Noida's in Sector Eta 2 on February 2 through a broker named Sanchit.

"Accused Praveen fixed the deal for Ankush Sharma's flat for Rs 1.18 crore, of which Rs 88 lakh was decided as A payment and Rs 30 lakh as cash B payment. After that, Praveen transferred Rs 51 thousand online to Sharma's account as token money. Praveen transferred Rs 7 lakh in two installments and after seeing Ankush, they both signed an agreement on March 14", Saad Miya Khan, DCP Greater Noida, said."Later, the process of Transfer Memorandum (TM) started on April 27 and on May 10, the Transfer Memorandum letter was received from the Greater Noida Industrial Development Authority, following which, the deceased went to Canada due to which the registration could not be completed", he added.When Ankush Sharma returned from Canada in July, he demanded Rs 20 lakh more than the agreement for his flat from Praveen, which he refused to pay. However, Ankush kept on pressing Praveen to pay the amount sought by him, which upset the accused as the date of the transfer memorandum came close to expiry.Subsequently, Praveen hatched a plan to kill Ankush. On August 5, Praveen, accompanied by broker Sanchit, went to Ankush's office and picked him up in his car saying that he would pay him the amount.

"When the deceased asked for the increased price several times and the accused did not pay that price, the date of the transfer memorandum came close to expiry. Due to which, Praveen got upset because Ankush Sharma was repeatedly demanding money. After this, Praveen made a plan to kill Ankush Sharma and on August 5, Praveen went to the deceased's office with Sanchit, where they agreed on an amount of Rs 11 lakh to be paid. But Praveen did not have money to give to Ankush", DCP Khan added.

As per the police statement, Praveen made Ankush sit in his car, telling him that he was going to pay the amount. Praveen offered lassi (buttermilk) laced with sedatives to Ankush, who drank it, not growing suspicious about it as the accused often did that."Accused Praveen took Ankush Sharma in his car and drove towards his house and took him to the car park of society. Ankush had fallen unconscious on the seat.

Praveen then took out a hammer from underneath the seat of the car and hit the victim in the head, which resulted in his death", it added.Following this, Praveen buried Ankush's body under the gravel in the jungle of T-Series so that his murder could not be exposed. The deceased's family registered his missing report with Beta 2 police station on August 10.The Thana Beta 2 Police and SWAT team arrested the accused Delhi Police constable from near the drain of LG Gol Chakkar.

"The body has been sent for post-mortem and further investigation is underway", police said.

## Manipur Chief Minister to urge Centre to end Suspension of Operation agreement

**Imphal.** Manipur Chief Minister N Biren Singh has called for the withdrawal of the Suspension of Operation (SoO) agreement with certain militant groups, citing violations of the agreement's ground rules.Speaking at a press conference at the Chief Minister's Durbar Hall in Imphal on Saturday, Biren Singh emphasised that the SoO agreement, initially signed to maintain peace and improve law and order in Manipur, has been compromised by some militant groups who have disrupted peace and tranquillity in the region.The Chief Minister informed that the Manipur Legislative Assembly has resolved to urge the Centre to terminate the SoO agreement with those militant groups that are currently violating the terms amid the ongoing crisis.

"Some militant groups under SoO have already violated the ground rules and disrupted peace and tranquillity in Manipur. We are keen to expel these militant groups from the agreement, but no official update has been received from the Centre yet. However, we have received information that the Central government is discussing the matter," Singh said.The SoO agreement, which includes 25 armed Kuki militant groups in Manipur, was initially signed with both the Central Government and the Manipur government in August 2008.

## Cheetahs at Kuno to be released into wild a year after enclosure stay

**New Delhi:**After spending a year inside enclosures, the African cheetahs brought to India as part of the world's first intercontinental translocation of the big cats are set to be released into the wild again at Kuno national park.The cheetahs were brought to the enclosures on August 13, 2023 after three adult cheetahs "died due to septicaemia after wounds beneath their dense winter coat on the back and neck regions became infested with maggots" in July. It was a major setback to the translocation project, which began in September 2022.Head of the Cheetah Steering Committee, Dr Rajesh Gopal, told The Indian Express the cheetahs will be released in a phased manner. "I was at the meeting with the National Tiger Conservation Authority (NTCA) officials where we arrived at the decision to release the cheetahs into the wild. This will be undertaken in a phased manner as the monsoons come to an end," he said.

In Madhya Pradesh, the monsoon usually withdraws from most parts by the beginning of October.Currently, there are 25 cheetahs at Kuno — 13 adults and 12 cubs, born at the national park. Under the translocation project, 20 cheetahs were brought to India in two batches — eight from Namibia in September 2022 and 12 from South Africa last February — of which seven have died until this January. The adult cheetahs gave birth to 17 cubs, of which 12 survived.

All the cheetahs are doing well, officials said, adding the animals are able to hunt chitals (spotted deer) inside their enclosures and have been designated "fit for release". Kuno officials will also be sending a compilation of the best practices learnt over the year to the NTCA for further post-release strategies, they said.

Giving details of the sequence of the phase-wise release, Dr Gopal said the coalitions (group that lives together) will be released first followed by individual cheetahs and then, at last, the mothers along with their cubs. The oldest of the cubs is around 8 months old and has begun climbing trees and following its mother on a hunt.

Said Dr Gopal: "The cheetah cubs and their mothers will be released in the last week of December. By this time, the cubs will reach a stage in their life where they will be able to hunt for themselves."The only exceptions could be two elderly cheetahs and an orphaned cub abandoned by its mother. While the old cheetahs are not expected to be released at all, Kuno officials said the cub may not be released until it is "rewilded".

After the male coalitions are released, Dr Gopal said their behaviour will be studied before the others are set into the wild. "We anticipate some unpredictable circumstances may arise. They may not immediately leave their enclosures or strat far away. We will study their behaviour and see if they are able to localise and release the other cheetahs," he said.

## Uddhav Sena leader claims new pension scheme's announcement violates code of conduct

**Mumbai.** Shiv Sena (Uddhav Balasaheb Thackeray) leader Anand Dubey said on Saturday that the BJP-led central government had breached the Model Code of Conduct (MCC) by announcing the Unified Pension Scheme (UPS)He said that although the pension scheme is being brought for the betterment of the employees, and it was demanded by the Opposition as well, by announcing the scheme just ahead of the Assembly elections in four states and Union Territory, the BJP-led Centre breached the MCC.Notably, the Centre announced the UPS on Saturday, through which government employees will get an assured pension, family pension and an assured minimum pension. The new pension scheme will come into force from April 1, 2025.

The BJP-led Centre understood that they needed to bring a pension scheme for 23 lakh government employees. This was a demand by the Opposition as well. However, on the other hand, Assembly elections will be held in four states and Union Territory soon and the polling dates for Haryana and Jammu and Kashmir have already been announced," Dubey said.

Dubey added that bringing any scheme, although it was being brought for betterment for the employees, after the Code of Conduct was in place, was a breach of the Model Code of Conduct.

The scheme guarantees a pension of 50 per cent of the average basic pay drawn over the last 12 months, provided the employee has completed a minimum of 25 years of service. For those with lesser service, the pension will be proportionate.

## YouTuber Bobby Kataria, associate chargesheeted in human trafficking case

**New Delhi:** The National Investigation Agency (NIA) on Saturday chargesheeted two accused in an organised human trafficking case involving Chinese companies based in the Golden Triangle Special Economic Zone (SEZ) in Laos, officials said.While accused Balwant aka Bobby Kataria, a social media influencer, has been arrested, his associate Ankit Shokeen, currently based in Laos, is absconding, as per the chargesheet filed before the Special NIA Court Panchkula, Haryana.

NIA investigations have revealed that both the accused, along with others, were involved in recruiting and transporting innocent jobseekers using deception and false inducements. The victims so lured, were being handed over to Chinese companies in Laos, where they were forced to carry out cyber frauds/scams under harsh, strenuous and restrictive conditions.The Chinese companies used to confiscate passports of the victims, and they were also subjected to physical and mental torture in the event of non-performance or refusal to carry out cyber frauds, investigations have revealed.The conspiracy was hatched by Bobby Kataria along with co-accused Ankit Shokeen and others. Together, they had incorporated MBK Global Visa Private Limited, a visa consultancy, and by taking advantage of his popularity among youth, Bobby was attracting job-seeking youth with lucrative job offers in countries like Singapore. After taking advance payments, he would persuade the victims to go to Laos.Many of the victims were eventually rescued from the scammers' clutches by the joint efforts of the Indian Embassy at Laos and the local law enforcement.Investigations in the case are continuing, in order to identify the other accused involved in the racket and demolish the entire syndicate.

## CBI raids premises of ex-principal Sanjay Ghosh in RG Kar corruption probe

**New Delhi:**The CBI on Sunday launched searches at 15 locations, including the premises of former RG Kar Medical College principal Sandip Ghosh, in connection with a corruption case registered by the agency.The action comes a day after the probe agency filed a case alleging financial irregularities at the Kolkata hospital, where a trainee doctor was raped and murdered on August 9. The agency took over the investigation from the special investigation team formed by the West Bengal government, following a directive from the Calcutta High Court.The court had ordered a CBI probe based on a plea by Akhtar Ali, former Deputy Superintendent of the hospital, who alleged financial misconduct during Ghosh's tenure as principal.

The High Court had previously handed over the investigation into the rape and murder of the trainee doctor to the CBI, and it has now also transferred

the corruption probe to the central agency."This Court directs that the investigation be transferred to the CBI, given that the case involved serious allegations and multiple agencies handling different aspects of the case could lead to inefficiencies or inconsistency for comprehensive justice, unnecessary delays in the judicial process, and potential misinterpretation of information, thereby undermining effective and credible enforcement. Therefore, the investigation should not be fragmented between different agencies. Handing over the investigation to the CBI ensures consistency," Justice Rajarshi Bharadwaj stated in his order.

The High Court has directed the CBI to submit a progress report on the investigation within three weeks.On Saturday, Sandip Ghosh and four others underwent polygraph tests at CBI's office in Kolkata. A team of polygraph specialists from the Central Forensic Science Laboratory in Delhi were called in to conduct the tests.Besides Ghosh, lie detection tests were conducted on two doctors, an intern and a hospital staffer who were on duty on the night the woman trainee doctor was raped and murdered in a seminar hall at RG Kar.

# CBI conducts polygraph test on Kolkata rape-murder accused

**Accused Sanjoy Roy's polygraph test, postponed due to technical issues, is underway. The CBI also registered a case of alleged financial irregularities at Kolkata's RG Kar Medical College and Hospital.**

**New Delhi:**The CBI is conducting a polygraph test on Sanjoy Roy, the key accused in the rape and murder of a trainee doctor at a Kolkata hospital, sources said on Sunday. Earlier, the polygraph test on Roy was postponed due to technical issues.On Saturday, CBI conducted lie detection tests on RG Kar Medical College and Hospital's former principal Sandip Ghosh and five others as part of their probe into the case and also registered a case of alleged financial irregularities at the same facility.

The polygraph tests are being conducted on Ghosh and five others, including interns, doctors, and a person connected to Roy. Technical glitches prevented civic volunteer Roy's test from being conducted as scheduled. We will soon decide when to carry out the test," an officer said.A CBI source told PTI that the test on Roy may be held on Sunday at the Presidency Correctional Home, where he is currently lodged.Due to the time-consuming nature of the polygraph tests and the limited availability of devices — only two are currently available — it may take a few more days for the CBI to complete testing all seven persons involved, the source added.On Saturday, the CBI also interrogated over 15 people, including 10 police officers and civic volunteers, as part of their ongoing probe into the brutal rape and murder of the postgradute trainee doctor.

**CBI PROBES CORRUPTION AT RG KAR**

Additionally, the CBI registered a case of alleged financial irregularities at RG Kar Medical College, where the woman medic was found dead on August 9. The case, initially investigated by a Special Investigation Team (SIT) formed by the West Bengal government, was transferred to the CBI by the Calcutta High Court.The High Court's decision to transfer the investigation was based on a plea by former Deputy Superintendent of RG Kar Medical College, Akhtar Ali, who alleged financial misconduct during Ghosh's tenure as principal.

The High Court has directed the CBI to submit a progress report within three weeks.Meanwhile, Kolkata Police has extended prohibitory orders near RG Kar Medical College and Hospital for another week, until August 31. The orders, which were first imposed on August 18, restrict gatherings of more than five people in the area, covering the Belgachia Road-JK Mitra crossing to parts of Shyambazar in North Kolkata.

**DOCTORS' PROTEST ON**

Healthcare services at state-run hospitals across West Bengal continue to be affected as junior doctors protest the alleged rape and murder. Senior doctors have been attending to patients in emergency services at government hospitals.

News box

## US military official makes surprise visit to Middle East amid regional tensions

**World** The top US general began an unannounced visit to the Middle East on Saturday to discuss ways to avoid any new escalation in tensions that could spiral into a broader conflict, as the region braces for a threatened Iranian attack against Israel.Air Force General C.Q. Brown, Chairman of the Joint Chiefs of Staff, began his trip in Jordan and said he will also travel to Egypt and Israel in the coming days to hear the perspectives of military leaders.The top US general began an unannounced visit to the Middle East on Saturday to discuss ways to avoid any new escalation in tensions that could spiral into a broader conflict, as the region braces for a threatened Iranian attack against Israel.Air Force General C.Q. Brown, Chairman of the Joint Chiefs of Staff, began his trip in Jordan and said he will also travel to Egypt and Israel in the coming days to hear the perspectives of military leaders.At the same time, as I talk to my counterparts, what are the things we can do to deter any type of broader escalation and ensure we're taking all the appropriate steps to (avoid) ... a broader conflict," Brown told Reuters before landing in Jordan.

US President Joe Biden's administration has been seeking to limit the fallout from the war in Gaza between Hamas and Israel, now in its 11th month. The conflict has leveled huge swathes of Gaza, triggered border clashes between Israel and Lebanon's Iranian-backed Hezbollah movement and sparked attacks by Yemen's Houthis on Red Sea shipping.Meanwhile, US troops have been attacked by Iran-aligned militia in Syria, Iraq and Jordan.

## Ex-Bangladesh PM Sheikh Hasina's close aides placed on remand in murder cases

**Dhaka.** A court on Saturday placed Salman F Rahman, private industry affairs adviser to ousted prime minister Sheikh Hasina, former law minister Anisul Huq, former social welfare minister Dipu Moni and two others on different terms of remand for interrogation in four murder cases.Dhaka Metropolitan Magistrate Mohammad Jashim passed the orders in the cases, Daily Star Newspaper quoted a sub-inspector working in the court as saying.Apart from the three, former chief whip ASM Feroz and former army officer Major General Ziaul Ahsan were also placed on remand in murder cases.Salman, Anisul and Ziaul were placed on a fresh 10-day remand in two murder cases filed with New Market and Lalbagh police stations.

Dipu Moni was placed on a four-day remand in a case filed with Badda Police Station and Feroz was placed on a seven-day remand in a case filed at Bhatara Police Station.

Cases have been filed against many officials or ministers of the ousted Hasina-led government after she resigned and fled to India on August 5 following massive protests against the quota reform system in Bangladesh.Many Hasina-led Awami League party members are in jail after the new interim government led by Nobel Laureate Muhammad Yunus took charge on August 8 following the fall of the previous government.

## US's ex-Covid advisor Anthony Fauci infected with West Nile virus: Spokesperson

**USA.** Dr. Anthony Fauci, the former top US infectious disease expert, spent time in the hospital after being infected with West Nile virus and is now recovering at home, a spokesperson confirmed on Saturday.

Fauci is expected to make a full recovery, the spokesperson said on condition of anonymity due to security concerns.West Nile virus is commonly spread through the bite of an infected mosquito. While most people don't experience symptoms, about 1 in 5 can develop a fever, headache, body aches, vomiting, diarrhoea, or rash, according to the Centres for Disease Control and Prevention. About 1 out of 150 infected people develop a serious, sometimes fatal,

illness.CBS News' chief medical correspondent, Dr. Jonathan LaPook, wrote in a social media post that he spoke Saturday with Fauci, who said he was likely infected from a mosquito bite that he got in his backyard."Dr. Fauci was hospitalised about ten days ago after developing fever, chills, and severe fatigue," the post on X said. It said Fauci spent a week in the hospital.

As chief White House medical adviser, Fauci was the public face of the US government during the Covid-19 pandemic, a role that made him both a trusted voice to millions and also the target of partisan anger.

# Venezuelan opposition candidate summoned in criminal probe after disputed polls

**World** Citizen Edmundo Gonzalez Urrutia" is summoned "on August 26 at 10 am for an interview," prosecutors said Saturday, as part of an investigation into the opposition's publishing of electoral records which it claims show Maduro was clearly defeated.Attorney General Tarek William Saab, a Maduro ally, had foreshadowed the summoning Friday, saying Gonzalez Urrutia would have to explain his "disobedience."

Saab said the opposition's website, where it has posted a detailed breakdown of election results, had "usurped" the powers of the Maduro-aligned CNE electoral council.Opposition leader Maria Corina Machado was defiant, calling in a post on X for Venezuelans to take to the streets again on Wednesday."One month after our glorious victory, in which Edmundo Gonzalez was elected President, Venezuelans again take to the streets," she said, calling for supporters to come "with family, with your children, with your grandchildren and with your voting record in hand."The CNE declared Maduro the winner of the July 28 election with 52 percent of votes cast, but has refused to publish detailed results, claiming hackers had corrupted the data.

An observer mission from the US-based Carter Centre said there was no evidence of a cyberattack.The polling station-level results published by the opposition show that Gonzalez Urrutia, a 74-year-old retired diplomat, defeated Maduro with 67 percent of the vote.Maduro has called for the arres of Gonzalez Urrutia, who has not been seen in public since he led a march on July 30 with Machado.Machado, banned from running in the election, is also in hiding. She has demanded that Maduro enters into transition negotiations, which he has rejected outright.

On Saturday, she said in a televised Fox News interview that Maduro had unleashed a brutal "campaign of terror."She pledged to "keep on fighting, peacefully protesting, increasing pressure domestically and internationally, until Maduro understands that his best option is to accept the terms of a negotiation that would bring us to a transition to democracy."

SUPREME COURT RULING

Venezuela's top court, widely regarded as loyal to Maduro, on Thursday certified his reelection to a third, six-year term, and

reprimanded Gonzalez Urrutia for not appearing as ordered.The opposition candidate refused to attend the hearings, saying doing so would risk his freedom.

Protests following the disputed vote left 27 people dead, including two military members, and nearly 200 injured.

More than 2,400 people have also been arrested in the wake of the election, including some high-profile opposition members.The United States, European Union, several Latin American countries and multilateral bodies have refused to recognize Maduro's victory claim without seeing the detailed results.Mexico, Brazil and Colombia have been promoting negotiations to find a way out of the Venezuelan crisis.The leaders of Brazil and Colombia on Saturday issued a joint statement reiterating a call for the CNE to release detailed vote results, while saying they "take note" of the Supreme Court ruling.

"Both presidents remain convinced that the credibility of the electoral process can only be restored through the transparent publication of disaggregated and verifiable data," the statement said.

The EU's top diplomat Josep Borrell on Saturday reiterated that the CNE is the Venezuelan "body legally and constitutionally responsible" for publishing results."Only complete and independently verifiable results will be accepted and recognized to ensure that the will of the Venezuelan people is respected," he said in a statement. "The Venezuelan people have to decide their own destiny. Their will must prevail."

# Zelenskyy calls Putin 'sick old man' during Independence Day address

**World** President Volodymyr Zelenskyy touted a newly developed Ukrainian "drone missile" on Saturday that he said would take the war back to Russia and scornfully derided Russia's Vladimir Putin as a "sick old man from Red Square".

As Ukraine marked 33 years of post-Soviet independence, Zelenskyy said the new weapon, Palianytsia, was faster and more powerful than the domestically made drones that Kyiv has so far used to fight back against Russia, striking its oil refineries and military airfields."Our enemy will ... know what the Ukrainian way of retaliation is. Worthy, symmetrical, long-ranged," he said."Our enemy will ... know what the Ukrainian way of retaliation is. Worthy, symmetrical, long-ranged," he said.Zelenskyy said the new class of Ukrainian weapon had been used for a successful strike on a target in Russia, but did not say where.He used derisive language to describe Russia's 71-year-old president and the nuclear rhetoric coming out of Moscow."A sick old man from Red Square who constantly threatens everyone with the red button will not dictate any of his red lines to us," he said in a video on the Telegram messaging app.Russia, which has attacked Ukraine with many thousands of missiles and drones since it invaded in February 2022, has decried Ukraine's drone attacks as terrorism. Moscow's troops are advancing in Ukraine's east and occupy 18% of the country.Zelenskyy has been pressing Kyiv's allies to allow him to use Western weapons deeper in Russian territory, such as to strike airbases used by Russian warplanes that pound Ukraine with missiles and glide bombs."I want to stress once more that our new weapon decisions, including Palianytsia, is our realistic way to act while some of our partners are unfortunately delaying decisions," Zelenskyy told a news conference.Ukrainians say the word "Palianytsia", a type of Ukrainian bread, is too difficult to pronounce for Russians and it has been used - sometimes humorously - during the war as a way to tell Ukrainians and Russians apart."It will be very difficult for Russia, difficult to even pronounce what exactly has hit it,.

# Israel Declares 48-Hour Emergency After Lebanon Strikes Spike Middle East Tensions; US Ready To Defend Ally

**Jerusalem, Israel** Israeli Defence Minister Yoav Gallant announced a 48-hour nationwide state of emergency on Sunday after the country's military launched "pre-emptive strikes" in Lebanon that escalated tensions in the Middle East.The region has been on edge for weeks after Hezbollah and Iran promised to respond to an Israeli strike in Beirut that killed a senior commander of the group as well as the assassination in Tehran of Hamas's political leader, also blamed on Israel.The declaration on the state of emergency enables the IDF (Israeli military) to issue instructions to the citizens of Israel, including limiting gatherings and closing sites where it may be relevant," Gallant said, in a statement issued by his office."I am convinced that there is a high probability of an attack against the civilian population in areas of the country where the declaration of a

special situation did not apply," he said, referring to previous local emergency measures. "I hereby declare a special situation on the home front in other areas of the country. The situation is valid for 48 hours starting at 6:00 am," Gallant said.In a separate statement, the defence ministry said Gallant briefed US Secretary of Defence Lloyd Austin on the overall situation. "We have conducted precise strikes in Lebanon in order to thwart an imminent threat against the citizens of Israel," Gallant told Austin, according to the statement. "We are closely following developments in Beirut, and we are determined to use all the means at our disposal in order to defend our citizens."320 ROCKETS AT ISRAEL OVERNIGHT

Hezbollah said Sunday it had launched more than 320 rockets at Israel overnight, targeting a string of military positions, even as Israel's military said it was carrying out pre-emptive strikes against the group."The number of Katyusha rockets launched until now is more than 320… towards enemy positions," a Hezbollah statement said, adding it had targeted 11 Israeli bases and barracks. The group said the "first phase has ended with total success", adding that this phase sought to "target Israeli barracks and positions to facilitate the passage of attack drones towards targets" deep inside Israel.

## Gaza ceasefire, hostage release talks resume in Cairo; deadlock remain

**World** Gaza ceasefire and hostage negotiators discussed new compromise proposals in Cairo on Saturday, seeking to bridge gaps between Israel and Hamas, but there was no indication of progress after hours of talks."The talks in Cairo didn't make any progress. Israel is insisting on keeping eight positions along the Philadelphi corridor," one Palestinian official close to the mediation effort told Reuters, asking not to be named due to the sensitivity of the subject.The Cairo talks came as the humanitarian situation in Gaza deteriorated, with malnutrition soaring and polio discovered in the Palestinian enclave.Israeli military strikes in Gaza killed 50 people on Saturday, Palestinian health authorities said, with victims trapped under rubble or lying on roads where fighting continued.

A Hamas delegation had arrived in Cairo on Saturday to be nearer at hand to review any proposals that emerged in the main talks between Israel and mediators Egypt, Qatar and the United States, two Egyptian security sources said.

A US official said negotiators from the United States met with Egypt, then with Egypt and Qatar on Saturday, and believed that representatives from Egypt and Qatar were meeting with Hamas.

The Hamas delegation returned to Doha, Qatar, after the briefing on the round of talks ended, the Palestinian official said.Months of on-off talks have failed to produce a breakthrough to end Israel's devastating military campaign in Gaza or free the remaining hostages seized by Hamas in the militant group's October 7 attack that triggered the war.The Egyptian sources said the new proposals include compromises on outstanding points such as how to secure key areas and the return of people to north Gaza.However, there was no sign of any breakthrough on key sticking points, including Israel's insistence that it must retain control of the so-called Philadelphi Corridor, on the border between Gaza and Egypt.

# Italian authorities open manslaughter probe in superyacht capsize case

**World** Sicilian prosecutors said Saturday they were investigating possible manslaughter after a superyacht sank, killing seven people, as it emerged that trapped passengers scrabbled for air pockets after it went down.

UK tech tycoon Mike Lynch, his 18-year-old daughter Hannah, four friends and the yacht's cook died when the British-flagged Bayesian sank in a storm before dawn on Monday."The Public Prosecutor's Office of Termini Imerese has registered a file with the state against unknown persons, hypothesising the crimes of negligent shipwreck and multiple negligent manslaughter," state prosecutor Ambrogio Cartosio told reporters on the Italian island.

But he said he was only announcing the probe due to the huge international interest in the case, stressing: "We are only in the initial phase of the investigation. At this stage, precisely because the investigation could develop in any way, we are absolutely not ruling anything out."Lynch, 59, had invited friends and family onto the boat to celebrate his recent acquittal in a massive US fraud case.But the 56-metre (185-foot) yacht was struck by something akin to a mini-tornado before dawn on Monday as it was anchored off Porticello, near Palermo.Fifteen people were rescued and the body of the yacht's chef was found shortly afterwards. Six passengers were reported missing.A major search operation including specialist divers subsequently identified the bodies of four of Lynch's friends on Wednesday.

Lynch's body was found on Thursday and that of his daughter, who had been preparing to go to Oxford University, on Friday.

SCRAMBLING FOR AIR

The bodies were found in two cabins on the side of the ship closest to the surface, and officials said they believed the trapped passengers had moved there in a bid to find pockets of air.The ship sank by its stern -- the back -- and came to rest on its right side on

the sea bed, some 50 metres down, Girolamo Bentivoglio Fiandra of the fire service said.

He told reporters the passengers inside "took refuge to seek safety in the cabins on the left side where somehow the last air bubbles formed"."We found the first five bodies in the first cabin on the left side, and the last body in the third cabin on the left side," he said.56Bayesian's emergency flare had gone up at 4.38 am (0238 GMT) on Monday morning, and the coastguard immediately deployed -- but when they got there, it had already sunk.

SUDDEN, UNEXPECTED

Contrary to previous reports, Raffaele Macauda, from the Sicilian coastguard, said there had been no storm warning that night.

"It was a sudden and unexpected event," added Raffaele Cammarano, another state prosecutor.The officials said the crew were free to leave Sicily during the investigation.

Information on whether the yacht's doors were open -- which might explain why it sank so fast -- would not be possible to confirm until the wreck was recovered, the officials said.

This could take weeks.

Lynch, once dubbed the British "Bill Gates", founded software firm Autonomy in the 1990s. Its $11 billion sale to Hewlett-Packard in 2011 saw him face fraud charges in the United States.A jury in San Francisco acquitted the 59-year-old and a co-defendant of all charges in June

# California sees 'unusual' cold weather, heavy snow shuts part of highway

**Sacramento, California** An unusually cold weather system from the Gulf of Alaska interrupted summer along the West Coast on Saturday, bringing snow to mountains in California and the Pacific Northwest and prompting the closure of part of a highway that runs through a national park.Parts of Highway 89 through Lassen Volcanic National Park in California were shut down after an estimated 3 inches (7.6 centimetres) of snow fell overnight, according to the National Weather Service.Photos posted by the agency and local authorities showed a high-elevation blanket of white on Mount Rainier in Washington along with a dusting of snow at Minaret Vista, a lookout point southeast of Yosemite National Park in California's Sierra Nevada.Madera County Deputy Sheriff Larry Rich said it was "definitely unexpected" to see snow at Minaret Vista in August."It's not every day you get to spend your birthday surrounded by a winter wonderland in the middle of summer," he said in a statement. "It made for a day I won't soon forget, and a unique reminder of why I love serving in this area. It's just one of those moments that makes working up here so special."In northern Nevada, rain fell in the runup to the annual Burning Man festival, prompting organisers to close the entrance gate for most of Saturday before reopening. Torrential rains upended last year's festival, turning the celebration and its temporary city into a muddy quagmire.It also snowed overnight on Mammoth Mountain, a ski destination in California, with the National Weather Service warning hikers and campers to prepare for slick roads.

Record rainfall moved through Redding, Red Bluff and Stockton in Northern California on Saturday, the weather service said, and rain showers south of Lake Oroville were expected to continue into the evening.A dusting of snow fell overnight on the crest of the Sierra Nevada around Tioga Pass, the weather service said. August snow has not occurred there since 2003, forecasters said.

Tioga Pass rises to more than 9,900 feet (3,017 metres) and serves as the eastern entryway to Yosemite. But it is usually closed much of each year by winter snow that can take one or two months to clear.While the start of ski season is at least several months away, the hint of winter was welcomed by resorts.

"It's a cool and blustery August day here at Palisades Tahoe, as a storm that could bring our first snowfall of the season moves in this afternoon!" the resort said in a social media post Friday.Madera County Deputy Sheriff Larry Rich said it was "definitely unexpected" to see snow at Minaret Vista in August."It's not every day you get to spend your birthday surrounded by a winter wonderland in the middle of summer," he said in a statement. "It made for a day I won't soon forget, and a unique reminder of why I love serving in this area. It's just one of those moments that makes working up here so special."In northern Nevada, rain fell in the runup to the annual Burning Man festival, prompting organisers to close the entrance gate for most of Saturday before reopening. Torrential rains upended last year's festival, turning the celebration and its temporary city into a muddy quagmire.It also snowed overnight on Mammoth Mountain, a ski destination in California, with the National Weather Service warning hikers and campers to prepare for slick roads.

Record rainfall moved through Redding, Red Bluff and Stockton in Northern California on Saturday, the weather service said, and rain showers south of Lake Oroville were expected to continue into the evening.

A dusting of snow fell overnight on the crest of the Sierra Nevada around Tioga Pass, the weather service said. August snow has not occurred there since 2003, forecasters said.

Tioga Pass rises to more than 9,900 feet (3,017 metres) and serves as the eastern entryway to Yosemite.

NEWS BOX

## Swapnil Kusale feels lack of physical fitness made him miss gold medal in Paris

**New Delhi.** India shooter Swapnil Kusale revealed that lack of physical fitness cost him the gold medal at the Paris Olympics 2024. Notably, Kusale won a bronze medal in the Men's 50m rifle 3 Positions event in Paris with a final score of 451.4. As a result, he became the first Indian to win a medal in the event.

He also won the third medal in shooting for India in Paris after Manu Bhaker and Sarabjot Singh. Recently, the 29-year-old opened up on his challenges during the medal match and mentioned that lack of physical fitness made him miss out on the gold medal. However, he assured that he will give his best to clinch it in the next edition.

"I didn't saw any target on the screen board when I was at sixth position. I was just focusing to hit the target. I lacked physical fitness, that is one of the reason I missed onto the gold medal. I will work on this and will try to win it next time around," Kusale told ANI.Further speaking ahead, Kusale thanked Sports Authority of India for their continuous support throughout his journey. He also recalled his chat with Prime Minister

Modi who had called him to congratulate on his medal victory at the Games.

"SAI, TOPS have supported me throughout my journey financially as in my sport the equipment are very expensive. PM Modi interacted with me and applauded me for my performance in the medal match and he said that it was a proud moment as I brought a medal for the country," the shooter concluded.Meanwhile, the Indian shooting contingent were successful in ending the 12-year drought of a medal in the sport at the Games. Manu Bhaker opened the medal tally for India by clinching bronze in the Women's 10m air pistol event. She further helped the nation clinch their second medal by winning another bronze alongside Sarabjot Singh in the 10m air pistol mixed team event. India won a total of six medals at the Olympics including five bronze and one silver.

## Barcelona coach Flick delighted with Lewndowski after 2-1 win vs Athletic Bilbao

**New Delhi.** FC Barcelona manager Hansi Flick heaped praise on Robert Lewandowski after his team's 2-1 win against Athletic Club on Saturday, 24 August. Lewandowski scored the winner in the team's first home game of the new LaLiga season, taking his goal tally up to 3 in 2 games. The striker was deterred by the bar multiple times before his goal, but showed incredible resilience for a cool finish, assisted by Pedri in the second half of the game.Speaking after the match, Flick lauded the Polish striker. The German coach has worked with the striker before, at Bayern Munich. Under Flick's management at Bayern Munich in the 2019-20 and 2020-21 seasons, Lewandowski scored 83 goals in 71 matches, winning several major titles including the 2020 Champions League.

"I know Robert (Lewandowski) really well and I don't think he has returned to form because that's how I have always seen him as a player," Flick told DAZN."I'm happy with him because it's not only the goals he scores, it's his collective effort, the way he dedicates

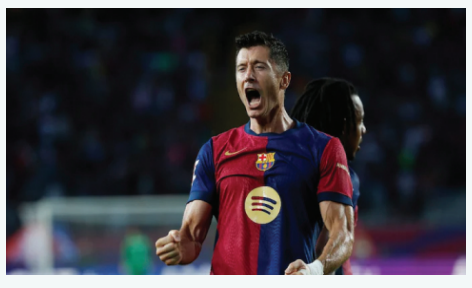

himself to pressing high and very effectively," Flick said."Physically, he is 100%. He is a total professional, who takes fitness very seriously. He knows how to handle pressure and we saw that after the equaliser in the second half. He is a great player."Flick also commended Brazilian winger Raphinha, who excelled again playing as an attacking midfielder. Raphinha has been moved away from the right wing this season. The decision paid dividends for Barcelona, where the attacker used his dynamism to create multiple chances in the game."Rafa can play in any attacking position. He can play as a 10 or he can change positions, he is phenomenal in pressing. We needed someone like him as we are still missing some players," Flick said."I must be very happy after two wins against such tough opponents and under the circumstances," Flick said."We have injuries and players who can't play but what we can't control we don't have to ignore.

# Delhi Premier League: Central Delhi Kings hammer West Delhi Lions by 10 wickets

- Central Delhi Kings beat West Delhi Lions by ten wickets in Match 12 of the Delhi Premier League T20 2024. Dhruv Kaushik was adjudged Player of the Match for scoring 68* (52).

**New Delhi,** Central Delhi Kings beat West Delhi Lions by 10 wickets at the Arun Jaitley Stadium, New Delhi, in the ongoing Delhi Premier League T20 on Saturday, August 24. After being put in to bat first, West Delhi could only score 123/8 in their allotted 20 overs. In reply, Centra Delhi butchered the opposition's bowling chasing down the target of 124 in just 14.5 overs.

Chasing a modest target of 124, Central Delhi Kings openers Dhruv Kaushik and Lakshay Thareja came out all guns blazing. Right from the start, both the openers were aggressive in their approach and were finding it comfortable in finding the boundaries.

At the end of the powerplay, Central Delhi Kings were 60/0. With both Dhruv and Lakshay in good momentum, they chased down the target in 14.5 overs with all 10 wickets in hand. Dhruv remained unbeaten at 68 off 52 balls. His innings included six boundaries and two sixes. He was well supported by Lakshay Thareja, who made 46 off 37 balls with the help of three boundaries and one six.Earlier in the contest, Central Delhi Kings won the toss and elected to bowl first. Coming into the game on the back of consecutive losses, openers Ankit Kumar and Vivek Yadav hoped tp get their team off to a good start. However, their wishes were denied as Central Delhi Kings' Sumit Kumar dismissed both the openers.

Amit Kumar made 9 off 7 balls, while Vivek Yadav could only score 3 off 9 balls. With both the openers back to the pavilion, responsibility came on Yugal Saini and Krish Yadav. With Central Delhi Kings bowlers sticking to their line and length, West Delhi Lions struggled to keep the scoreboard ticking.

entral Delhi bowlers run riot

Yugal Saini also failed to leave a mark and got dismissed by Yogesh Sharma for 7 runs. At the end of the powerplay, West Delhi Lions were struggling at 33/3. Krish Yadav along with Ayush Doseja then slowly started rotating strikes and kept the score ticking steadily. At the halfway stage of their innings, West Delhi Lions were 53/3.

However, the 38-run partnership from 43 balls between Krish and Ayush was broken as Ayush was stumped by Lakshay Thareja off Prince Choudhary bowling for 21 (25). With pressure mounting, West Delhi Lions Captain Hrithik Shokeen came to the crease. However, his stint was short as Yogesh Sharma dismissed him for four runs. Krish Yadav, who was looking in form was next one to go as Prince Choudhary picked up his second wicket after scoring 19 (25).With wicket falling at regular intervals, West Delhi Lions struggled find boundaries. Towards the end of the innings, Tishant Pawan Dabla and Aryan Dalal contributed with 27 and 22 runs respectively to guide their team to 123/8 in their allotted 20 overs.For Central Delhi Kings, Prince Choudhary, Sumit Kumar and Yogesh Sharma picked two wickets each, while Money Grewal picked one.

Brief Scores:

Central Delhi Kings beat West Delhi Lions by 10 wickets.West Delhi Lions: 123/8 in 20 overs (Tishant Dabla 27* off 22 balls, Aryan Dala; 22 off 16 balls; Sumit Kumar 2/18, Yogesh Sharma 2/12, Prince Choudhary 2/22).Central Delhi Kings: 124/0 in 14.5 overs (Dhruv Kaushik 68 off 52 balls, Lakshay Thareja 46 off 37 balls).

All Delhi Premier League matches will be streamed live on JioCinema for free and telecasted on Sports18 – 2.

# Shikhar, your passion and smile will be missed, but legacy lives on: Virat Kohli

- Inter Miami head coach Tata Martino has announced that Lionel Messi will soon rejoin the team's training sessions. Messi is expected to be back on the pitch before the end of the MLS regular season.

**New Delhi.** Senior India batter Virat Kohli penned a heartfelt note for his long-time teammate and friend Shikhar Dhawan. Kohli took to social media early on August 25, Sunday to pen down some lovely words for Dhawan, who retired from international and domestic cricket on Saturday.

In a lovely message, Kohli wrote that he will miss Shikhar Dhawan's 'trademark' smile on the field. Kohli and Dhawan have played together since their junior cricket days, and the latter's retirement from Indian cricket marks the end of an era."Shikhar, from your fearless debut to becoming one of India's most dependable openers, you've given us countless memories to cherish. Your passion for the game, your sportsmanship and your trademark smile will be missed, but your legacy lives on. Thank you for the memories,

unforgettable performances and always leading with your heart. Wishing you the best in your next innings, off the field Gabbar," Virat Kohli wrote on Twitter.Shikhar Dhawan announces retirement: DetailsVirat Kohli and Shikhar Dhawan were the pillars of Indian cricket through the mid 2010s in all formats of the game. The duo have played 221 matches together in international cricket and have scored a total of 20,780 runs. Both Dhawan and Kohli were known for their dominating presence in the field and taking the attack to the opposition.In the 2013 ICC Champions Trophy, Dhawan and Kohli formed a formidable opening partnership that helped India secure the title. Dhawan's aggressive batting style complemented Kohli's more measured approach, making them a formidable force against opposing teams.

Off the field, their friendship has been marked by a deep sense of trust and understanding. Dhawan has often spoken about the support he received from Kohli during difficult times in his career. In an interview, Dhawan mentioned that Kohli was one of the first people he turned to when he was struggling with form, and Kohli's advice and encouragement helped him regain his confidence.

Shikhar Dhawan's stellar career numbers

Dhawan shattered record books on his Test debut on 16th March, 2013 registering the fastest hundred by a player on Test debut off just 85 balls. He further went on to win the coveted 'golden bat' for being the highest run scorer in the back to back editions of the Championss Trophy in 2013 and 2017. The southpaw was given the nickname 'Mr ICC' for his stellar performances in ICC ODI tournaments for India. Dhawan was also India's highest run scorer in the 2015 ODI World Cup. He represented India in 167 ODIs and scored 6793 runs at an average of 44.11 and a strike rate of 91.35 notching up seven hundreds and five fifties.

He also played 68 T20Is and scored 1759 runs at an average of 27.92 and a strike rate of 126.36 registering 11 fifties. In the 34 Test matches, Dhawan 2315 runs at an average of 40.61 with seven hundreds and five fifties to his name. After his international and domestic retirement, he will continue to ply his trade in the Indian Premier League.

## Manu Bhaker meets Suryakumar Yadav: 'Learning techniques of a new sport'

**New Delhi.** Paris Olympics double medallist Manu Bhaker posted a special photo alongside India's T20I captain Suryakumar Yadav. Bhaker, who is currently enjoying a 3-month break after her double bronze medal win in Paris wrote in her post that she was trying to learn techniques of a new sport from the India captain.Bhaker made history at the Paris 2024 Olympics, securing two bronze medals in the women's 10m air pistol and mixed 10m air pistol events. She became the first ever Indian athlete since independence to win two medals in a single edition of the games. The remarkable achievement marked a significant redemption for Bhaker, who had faced disappointment at the Tokyo 2020 Olympics where she failed to reach the finals in all three of her events."Learning techniques of a new sport with the Mr. 360 of India," Manu Bhaker posted on her social media accounts on Sunday, 25 August.Who are Manu Bhaker's favourite athletes?

Bhaker's success in Paris was nothing short of phenomenal. She won her first bronze medal in the women's 10m air pistol event and then followed it up with another bronze in the mixed 10m air pistol event alongside Sarabjot Singh. This double medal win has catapulted

her to the top of India's sporting pantheon, making her the first Indian woman to win two medals in a single Olympics edition.

The 22-year-old shooter's journey to this success has been marked by perseverance and determination. After her setback in Tokyo, Bhaker worked tirelessly to improve her skills, and her efforts have paid off in spectacular fashion. Her coach, Jaspal Rana, has been instrumental in her growth, and their partnership has been crucial in Bhaker's development as a world-class shooter.

Bhaker's achievement has not only brought pride to India but has also inspired her fellow athletes. Satwik Rankireddy credited Bhaker's win with boosting the morale of the entire Indian contingent. As Bhaker looks ahead to her next event, the 25m pistol, she has the opportunity to make history once again by becoming the first Indian shooter to win three Olympic medals.

# Naseem Shah slams PCB over Rawalpindi pitch: 'Thought pacers will get help'

**New Delhi.** Pakistan vs Bangladesh's first Test match at Rawalpindi is heading towards a draw. After four days of cricket being played, a total of 1036 runs have been scored with the loss of 17 wickets. Pakistan have just come out to bat for the second time in the match, and trail Bangladesh (565-all-out) by 93 runs with 9 wickets in hand.The docile nature of the pitch has frustrated Pakistan fast bowler Naseem Shah, who has slammed the board for not preparing wickets that either help the fast bowlers or the spinners. The Rawalpindi pitch had plenty of grass cover on it, and was expected to help the pacers in the first Test. The first day of the Test match did help the pacers due to the cloud cover but it slowly waned away once the sun came out.A frustrated Naseem spoke in the press conference after Day 4 of the Test and said that he did not get any help from the pitch."I'm playing a Test after more than a year and took me time to find my rhythm. The kind of weather we have right now, it's extremely hot, and we didn't get the kind of help from the surface as a bowling unit as we expected," Naseem Shah said after Day 4 of the first Test.

**PAK vs BAN, 1st Test, Day 4: Highlights**

"If we're incapable of making the sort of pitches that help fast bowlers, then we should look at whether we can produce spin wickets. However you do it, you need to use home advantage," he added.

he Test matches in Pakistan have been drab affairs in the recent past with bowlers solely relying on reverse swing to grab wickets. This comes in stark contrast to other pitches across the world, who have made either sporting wickets or have handed the advantage to the bowlers."People come to enjoy Test cricket in this heat, so you need to entertain them. What shouldn't happen is you're on the field at home and thinking this is hard work. The more you keep cricket entertaining, the better. It's something we need to seriously think about," Naseem said.

PAK vs BAN, 1st Test, Day 4: Report

"We believed the fast bowlers would get plenty of help here. But what we were expecting didn't exactly happen. With four fast bowlers, your mindset is to take wickets with the quick balls. However, I don't think it'll spin either, because there's grass on the pitch. But the pitch is very dry underneath.

# Rohit Sharma trains hard with Abhishek Nayar ahead of packed Test season

**New Delhi** India captain Rohit Sharma was spotted engaging in an intense training session with assistant coach Abhishek Nayar ahead of upcoming packed Test season. Notably, India are all set to play two-match Test series against Bangladesh from September 19.

The Rohit Sharma-led side will further play three Tests against New Zealand at home in October followed by a five-match Test series against Australia beginning in November. Ahead of the season, India captain is preparing himself through rigorous training sessions.A video of the India captain training with Abhishek Nayar has been going viral on social media. In the video, Rohit can be seen training in a park under the supervision of Nayar.The India skipper is the second-highest run-scorer from his team in the ongoing World Test Championship (WTC) cycle 2023-25. The opening batter has amassed 700 runs from nine matches at an

average of 46.66 with three hundreds and as many fifties.India are currently on the top of the WTC points table with six wins from nine matches along with a draw and have a points percentage of 68.51%. Australia are ranked second with eight wins from 12 matches and one draw having points percentage of 62.50%.India to take on Australia in five-match Test seriesThe two teams are once again favourites to reach the final having met in the summit clash of the last cycle as well. Australia beat India by 209 runs in the final held at the Oval to become the first nation to have all the major ICC trophies in their cabinet.

However, ahead of the final, the two teams will clash in the highly anticipated Border Gavaskar Trophy set to begin from November 22. India have retained the trophy since 2017 having won the last four series over the current World Test Champions.

They also beat them in Australia in back-to-back series held in 2018-19 and 2020-21 further adding the spice for the upcoming edition. It will be the first time that the two teams will be contesting in a five-match series since 1991-92. Hence, fans are eagerly waiting for it to get underway as captain Rohit Sharma aims to help India reach their third consecutive WTC final.

# Natasa Stankovic

## and Hardik Pandya's SHOCKING Divorce Reason REVEALED: 'He Was Too Full of Himself'

Weeks after Natasa Stankovic and Hardik Pandya announced their separation, it has now been revealed that they took this decision because the cricketer was "too full of himself". An insider close to the former couple has shared that the decision was painful for Natasa and even though she tried to make peace with Hardik's personality, it eventually made her feel uncomfortable. They then decided to part ways."He was too flamboyant for her, too full of himself. Natasa could not handle it anymore. She realised that there was a major gap between how they were as people. She tried to match it up to him but it made her feel uncomfortable. This was a never-ending process so it became tiring after a while. Natasa was not able to keep pace hence she decided to take a step back," a source cited by Times Now claimed.

Natasa Stankovic and Hardik Pandya, who tied the knot in May 2020 and renewed their wedding vows according to the Hindu and Christian rituals in February 2023, confirmed their separation in July 2024. They issued a joint statement and mentioned that it was a "tough decision" for both of them and added that they will continue to co-parent their son, Agastya."After 4 years of being together, Hardik and I have decided to mutually part ways. We tried our best together and gave it our all, and we believe this is in the best interest for the both of us. This was a tough decision for us to make, given the joy, mutual respect and companionship we grew a family," the statement read.

Natasa Stankovic and Hardik Pandya, who tied the knot in May 2020 and renewed their wedding vows according to the Hindu and Christian rituals in February 2023, confirmed their separation in July 2024. They issued a joint statement and mentioned that it was a "tough decision" for both of them and added that they will continue to co-parent their son, Agastya."After 4 years of being together, Hardik and I have decided to mutually part ways. We tried our best together and gave it our all, and we believe this is in the best interest for the both of us. This was a tough decision for us to make, given the joy, mutual respect and companionship we enjoyed together and as we grew a family," the statement read.

# Priyanka Chopra

## Poses With Relatives At Her Brothers' Wedding Celebrations; Inside Photos Goes Viral

Just a day after Priyanka Chopra made a surprise return to India, she captivated fans with her stunning appearance in an elegant saree at her younger brother Siddharth Chopra's wedding celebration. The event, which appeared to be an intimate gathering, saw Priyanka and her mother, Madhu Chopra, delivering heartfelt speeches. Inside pictures from the event have since surfaced, adding to the excitement surrounding the occasion.While it remains unclear whether Siddharth is already married to Neelam Upadhyaya or if the wedding is yet to take place, a fan page shared a video on Saturday with a message congratulating the couple. The post, captioned, "All the best wishes! It's so lovely to see you in this new role as husband and wife. We wish you both all the happiness in the world! God bless you always!" sparked further speculation.

The fan page also reposted photos from the wedding bash held on Friday night in Mumbai. These images, originally shared by celebrity gynecologist Dr. Kiran Coelho, captured the cozy atmosphere of the gathering, described as "a warm and intimate affair" attended by only close family and friends. The event was hosted by Madhu Chopra and Priyanka, who threw a dinner reception in honor of Neelam and Siddharth.

Priyanka, who was the center of attention in a magenta-pink saree paired with a matching sleeveless blouse and pearl jewelry, was seen arriving at and leaving the venue alone. Her hair was styled in a sleek bun, and she opted for glamorous makeup to complete her festive look. Madhu Chopra complemented her daughter in a lilac saree, while the newlyweds, Neelam and Siddharth, coordinated in Western blue outfits.Priyanka's arrival in Mumbai was also a moment of excitement, as she was greeted by enthusiastic fans and photographers at the airport early Friday morning. Fresh off the set of her upcoming Hollywood movie, *The Bluff*, Priyanka kept it chic yet casual in a white cropped top, matching track pants, and a long shrug. She also shared a glimpse of her journey back to her hometown on Instagram Stories, posting a video of Mumbai's glittering skyline from her airplane window with the caption, "Mumbai meri jaan (My darling)…"

## SRK and Ranveer Singh Danced Their Hearts Out At Ambani's Wedding, Kailash Kher Recalls: 'Everyone Was...'

When Anant Ambani and Radhika Merchant tied the knot earlier this year, the entire world watched it. From Justin Bieber serenading the crowd at the Sangeet to a full-blown concert featuring legends like A.R. Rahman and Shreya Ghoshal; the three-day extravaganza was nothing short of spectacular. Popular celebrities from both Bollywood and Hollywood attended the wedding ceremony. Among others, Shah Rukh Khan, Salman Khan, Vicky Kaushal, Katrina Kaif, Ranbir Kapoor, Alia Bhatt, John Cena, and even Kim Kardashian graced the event. But amidst all the glitz and glamour, one event stood out – a sacred 'Yagna' where the ever-inspiring Kailash Kher took centre stage.In an exclusive interview with News18 Showsha, Kailash Kher recalled performing at Anant Ambani's wedding when he said, "There are many weddings but some are so grand and glorious that they also resonate with a bit of tradition. The wedding I attended had a theme of Shiv and Shakti. On that day, there was a yagna (sacred fire ritual), and during the yagna, I sang. God hasn't chosen us just for entertainment; how fortunate I am that the Almighty has invited me. And it wasn't just for light entertainment; I was called for divine devotion."

When Kher performed his hit songs like "Bam Laheri," the atmosphere shifted from serene to electrifying. "Several actors danced there," Kher shared with a grin and then added, "It's that moment when you forget yourself and come into a state of ease, into the devotion of God, and you realize that yes, I am just a simple unit. I am also just one unit, that's all," he mused, emphasizing the power of surrendering to the music and the moment.

## Sunny Leone Can't Keep Calm As Her Brother Welcomes Second Child: 'Bhai Ka Chota Baby Aya'

Sunny Leone has had a packed schedule this year. From dating reality show MTV Splitsvilla X5 alongside Tanuj Virwani to the filming of her upcoming Kannada film UI, the actress had many projects lined up in her kitty. Amid her busy schedule, the actress was recently spotted at an airport. The actress looked all excited as she shared the good news of her brother's baby's arrival with the shutterbugs stationed there. Her Hindi dialect as she says, "Mere bhai ka chota baby aya" is too cute to be missed.In the clip, Sunny is seen making her way out of the terminal in a white fitted crop top paired with denim jeans and an olive green jacket. The actress, then, greeted the paparazzi with a warm smile, waving hands at them followed by sharing the good news. Visibly cheerful, Sunny also reacted as the shutterbugs asked her to distribute sweets in celebration of the new member's arrival in her family. She cutely asked, "Mujhe mithai bantna hota hai (am I supposed to distribute sweets)?" Assuring them of presenting sweets in the next meeting, Sunny leaves the spot.

On her Instagram stories, Sunny Leone also reshared a post, originally dropped by her sister-in-law Karishma Naidu. The post included Sunny's pictures with Karishma and brother Sundeep Vohra. She is also seen holding the new baby in her arms. Her excitement in the picture is truly palpable.

Earlier in 2021, Sunny Leone's brother Sundeep Vohra and his wife Karishma Naidu welcomed their first child, a baby girl. The actress, then, had posted the happy news on social media with an announcement post wherein she wrote, "I can proudly say witnessing the birth of baby Leia Kaur was a life changing experience.

Only God decides when life begins and I watched it happen in front of my eyes because of my brother @chefsundeep and my sil @karishma_htx. I am so proud of them and all they have accomplished and I know they are going to be the most amazing parents! I love you both so much!!"Work-wise, Sunny Leone is geared up to be seen in Kannada film UI. Besides her, the film also stars Murli Sharma, Insane Ashraf, Upendra, P Ravi Shankar, Achyuth Kumar, Sadhu Kokila and Nidhi Subbaiah in prominent roles. The film is scheduled to hit the theatres on September 18.